3 राजधानी
डॉक्टरों की हड़ताल आज

6 अभिमत
बांग्लादेश में अनिश्चितता और अराजकता

11 विदेश
विदेश सचिव मिस्री नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मिले

12 स्पोर्ट्स
खाप पंचायतों ने विनेश लिए न्याय की मांग की

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 273
नई दिल्ली, सोमवार, 12 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

एससी सांसदों को लामबंद करेंगे चिराग पासवान
राष्ट्रीय-10

विदेशी आतंकियों के सफाए को सर्च अभियान तेज

मोहित कंधारी। जम्मू

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के अहलान गगरमांडू वन क्षेत्र में रविवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाकर्मी।

सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने अपने साथी सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का बदला लेने के लिए अनंतनाग जिले के अहलान गगरमांडू वन क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन विदेशी आतंकवादियों के समूह का पीछा करना जारी रखा। शनिवार को हुई गोलीबारी में दो सैनिक शहीद हो गए और गंभीर रूप से घायल एक नागरिक ने रविवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सुरक्षा बल 10,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाने के बावजूद, पाकिस्तानी आतंकवादियों के समूह को नहीं खोज पाए। यह भी संदेह है कि विदेशी आतंकवादियों ने एक बार फिर घने पेड़ों और क्षेत्र में व्याप्त खराब मौसम की स्थिति का फायदा उठाकर कड़ी घेराबंदी को तोड़ दिया हो।शहीद होने वाले सैनिकों की पहचान हवलदार दीपक कुमार यादव और लेफ्टिनेंट कमांडर प्रवीण शर्मा के रूप में हुई है।

एक्स पर एक पोस्ट में, भारतीय सेना के प्रवक्ता ने कहा, भारतीय सेना गहरी संवेदना व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी सीओएएस और भारतीय सेना के सभी रैंक के अधिकारी जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर हवलदार दीपक कुमार यादव और लेफ्टिनेंट कमांडर प्रवीण शर्मा के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। इस बीच, मुठभेड़ स्थल का दौरा करने वाले कश्मीर के महानिरीक्षक (आईजी) वीके बिरदी ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि एक दिन पहले शुरू हुआ अभियान जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के गागर-मांडू इलाके के ऊपरी इलाकों में जारी रहा। आईजी बिरदी ने संवाददाताओं को बताया, सुरक्षा बलों को ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में जानकारी थी। गागर-मांडू इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। ऑपरेशन जारी है, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की गतिविधि देखी और सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी भी हुई। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए नागरिक की पहचान अब्दुल राशिद डार के रूप में हुई है। मौजूदा अभियान का ब्यौरा देते हुए श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि 5 अगस्त को सूत्रों और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पुष्टि हुई कि जुलाई में डोडा क्षेत्र में हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी किश्तवाड़ रेंज को पार कर दक्षिण कश्मीर के कापरान-गरोल क्षेत्र में घुस आए हैं। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लगातार इन आतंकवादियों का पीछा किया और 9 और 10 अगस्त की रात को कापरान के पूर्व में पहाड़ों में सटीक अभियान चलाया गया, जहां कथित तौर पर ये आतंकवादी छिपे हुए थे।

प्रवक्ता ने कहा, 10 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे संदिग्ध हलचल देखी गई। सुरक्षा बलों द्वारा चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने तुरंत अंधाधुंध, हताश और लापरवाही से गोलीबारी की, जिसमें दो सैन्यकर्मी और आसपास के दो नागरिक घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायल नागरिकों के आतंकी इतिहास का पता लगाया जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा, यह इलाका 10,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर है, यहां घने जंगल, बड़े-बड़े पत्थर, नाले और फिर से प्रवेश करने वाले रास्ते हैं जो ऑपरेशन के लिए गंभीर चुनौती पेश करते हैं। सुरक्षा बल सोच-समझकर आगे बढ़ रहे हैं और आतंकवादियों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा स्थिति को अस्थिर करने के लिए विदेशी आतंकवादियों को भेज रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए रणनीति बनाई गई है तथा सुरक्षाबलों की नए सिरे से तैनाती की जा रही है। सिन्हा ने कहा कि अगले तीन महीनों में स्थिति में बड़ा बदलाव आएगा। जम्मू क्षेत्र में स्थिति पहले शांतिपूर्ण थी लेकिन हालिया समय में खासकर सीमावर्ती जिलों में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। पिछले कुछ महीनों के दौरान भारतीय वायुसेना के काफिले, तीर्थयात्रियों की बस पर हमले और कठुआ में जवानों पर हमले ने उभरते खतरे को उजागर किया है।

कोलकता में डॉक्टर से रेप-हत्या मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रविवार को रेजीडेंट डॉक्टर रेप और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते जूनियर डॉक्टर और मेडिकल छात्र।

उत्तरी कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ रेप के बाद हत्या मामले में प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खून जमा देने वाली क्रूरता सामने आई है। पीड़िता को सहकर्मी 'अभया' कहकर पुकार रहे हैं, उसे 10 घातक चोटें आई थीं, जिससे दिल्ली के दशक पुराने निर्भया मामले की याद ताजा हो गई। पीड़िता चेस्ट मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही थी। राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन काम बंद करने वाले मेडिकल स्टाफ में शामिल एक साथी डॉक्टर ने बताया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आपको अंदर तक हिला देगी, उसकी एक उंगली, कॉलर बोन और पेल्विक बोन टूटी हुई थी, उसकी दोनों आंखों, होठों, पेट और गुप्तांगों से खून बह रहा था, उसके बालों के गुच्छे उखाड़े गए थे और उसके गुप्तांगों में क्लिप लगाई गई थी।

पुलिस के अंदरूनी सूत्रों ने कहा, यह सब 30 से 35 मिनट में हुआ। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों के पैनल ने भी सुझाव दिया है कि उसकी हत्या के बाद उसके साथ बलात्कार किया गया हो सकता है, अन्यथा एक व्यक्ति के लिए इतने कम समय में इतनी चोटें पहुंचाना संभव नहीं हो सकता। परिवार के सूत्रों ने बताया कि पीड़िता डॉक्टर की अगले साल शादी होने वाली थी। उसी कॉलेज के एक डॉक्टर ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि महिला डॉक्टर अपनी मौत से पहले बहुत दर्द में रही होगी, क्योंकि उस उम्र के एक युवा (शेष पृष्ठ 9)

महिला डॉक्टर को धमकी

बंगाल पुलिस ने रविवार को पूर्वी बर्दवान जिले के भतार स्टेट जनरल हॉस्पिटल में एक महिला डॉक्टर को आरजी कर जैसा अंजाम भुगतने की धमकी देने के आरोप में एक और नागरिक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया। महिला डॉक्टर के अनुसार, उस व्यक्ति ने सुशांत रॉय को फोन करके उसके साथ कहासुनी के बाद धमकी दी कि उसे आरजी कर जैसे आचरण का सामना करना पड़ेगा, क्या तुम्हें पता है कि वहां डॉक्टर के साथ क्या हुआ है। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वह नशे की हालत में था और उसने हमारी एक डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार किया, जब वह रात की ड्यूटी पर थी...यह बहुत डरावना है...हमने इसे पुलिस के संज्ञान में लाया है।। इसके बाद रॉय को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा, हमें पता चला है कि आरोपी इलाज के लिए भटार सरकारी अस्पताल गया था और उसने इलाज शुरू करने में देरी के लिए महिला डॉक्टर को धमकाया।

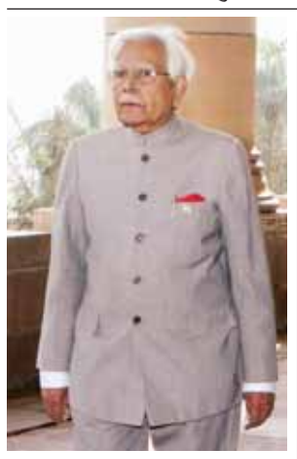

नहीं रहे पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता व पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का लंबी बीमारी के बाद शनिवार रात 93 वर्ष के आयु में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली से सटे हरियाण के गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे। वह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-द्ध सरकार में वर्ष 2004-05 में भारत के विदेश मंत्री थे। उन्होंने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में भी काम किया और वर्ष 1966 से 1971 तक पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नटवर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा नटवर सिंह के निधन से दुखी हैं। उन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ विपुल लेखन के लिए भी जाने जाते थे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा नटवर सिंह के निधन पर हमारी गहरी संवेदनाएं। बुद्धिजीवी और पद्म भूषण से सम्मानित व्यक्ति जिन्होंने भारत की कूटनीति और विदेशी मामलों में गहरा योगदान दिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अपने शोक संदेश में कहा, बेहद शानदार राजनीतिक व्यक्तित्व। सिंह को 1953 में भारतीय विदेश सेवा में चुना गया था, लेकिन 1984 में उन्होंने कांग्रेस के सदस्य के रूप में चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चुनाव जीता और 1989 तक केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्हें 1984 में भारत सरकार से भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण मिला था।

दिल्ली में बारिश ने दो किशोरों की ली जान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम/नई दिल्ली

नई दिल्ली में बरसात के बाद सड़कों पर भरा पानी फोटोः रंजन डिमरी

राष्ट्रीय राजधानी समेत एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। जगह-जगह जलभराव और जाम के कारण लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों में सड़कें तालाब में तब्दील हो गई। वहीं भारी बारिश से पूरे दिल्ली एनसीआर में कई जगह जाम लगा गया। जिससे लोग अपने गंतव्य पर देरी पहुंचे। भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली एनसीआर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इस बीच रणहौला, कोटला फेस- दो स्थित एक मैदान में शनिवार को करंट लगने से 13 साल के लडके की मौत हो गई। घटना तब हुई जब वह ग्राउंड में गेंद लेने गया और लोहे के बिजली के खंभे की चपेट में आने से उसे करंट लग गया। पीड़ित की मां अनीता देवी ने गौशाला और बिजली विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं शनिवार रोहणी सेक्टर 20 स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में भरे बारिश के पानी में डूबकर सात वर्षीय बच्चे तरुण की मौत हो गई।

खराब मौसम के कारण रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर भी विमान सेवाएं प्रभावित हुई। इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर तीन उड़ानों का मार्ग बदला गया। एयर इंडिया की तीन उड़ानों का मार्ग बदला गया। इनमें से दो उड़ानें जयपुर और एक लखनऊ की थी। इन उड़ानों का मार्ग सुबह 9.45 से 11.15 बजे के बीच बदला गया। वीकेंड का लुत्फ उठाने के लिए बाहर निकले लोगों को भारी निराशा का सामना करना पड़ा, क्योंकि जलमग्न सड़कों पर कई वाहन खराब हो गए। वहीं परीक्षा देने के लिए निकले कई उम्मीदवारों को भी सड़कों पर पानी भरे होने के कारण परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक राहगीर ने कहा कि वह 52 साल का है। (शेष पृष्ठ 9)

बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने फर्जी खबरों पर मीडिया को चेताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बांग्लादेश की अतंरिम सरकार ने मीडिया संस्थानों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर झूठी या भ्रामक खबरें प्रकाशित या प्रसारित की गई तो उस संगठन को बंद कर दिया जाएगा। गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने माना की अगर मीडिया ने घटनाओं की सही रिपोर्टिंग की होती तो पुलिस से जुड़ी मौजूदा स्थिति से बचा जा सकता था। हुसैन ने राजाबाग केंद्रीय पुलिस अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात के दौरान कहा, जब मीडिया सच्चाई को सामने नहीं लाता तो राष्ट्र लड़खड़ा जाता है।

ढाका के एक समाचार पत्र की खबर के अनुसार उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मीडिया ने भ्रामक खबरें प्रसारित कीं तो उन्हें बंद कर दिया जाएगा। हुसैन ने मीडिया पर सच्चाई पेश न करने का आरोप लगाते हुए कहा, जब मीडिया ईमानदारी से खबरें पेश करने में विफल रहता है तो देश की स्थिति खराब हो जाती है। उन्होंने कहा कि यदि मीडिया ने घटनाओं की सही खबर दी होती तो वर्तमान स्थिति से बचा जा सकता था। मीडिया अक्सर सच्चाई को नजरअंदाज कर देता है। वार्तालाप कार्यक्रमों में ठोस तथ्यों का अभाव रहता है और मीडिया सटीक जानकारी देने में विफल रहता है। दूसरी ओर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को भ्रष्टाचार निरोधक आयोग द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में रविवार को बरी कर दिया गया। यूनुस ने तीन दिन पहले ही पदभार ग्रहण किया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सुप्रीम कोर्ट क्षेत्र के सामने मुस्तैद बांग्लादेशी सेना और नौसेना के अधिकारी।

उपचुनाव में सभी सीटों पर लड़ेगी बसपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 10 सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव में बसपा मजबूती के साथ उतरेगी। रविवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती ने उपचुनाव लड़ने की घोषणा की। मायावती ने कहा कि खासकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की ओर से उपचुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेने के कारण इन उपचुनावों में लोगों की रुचि काफी बढ़ी है, लिहाज़ा बसपा ने भी इन उपचुनावों में सभी (10) सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने और पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बसपा गरीबों, वंचितों और पीड़ितों की पार्टी है तथा दूसरे दलों की तरह यह बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के सहारे और इशारे पर नहीं चलती है, इसलिए इसके समर्थक पूरे तन-मन-धन से सहयोग कर पार्टी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाएं। समीक्षा बैठक में सत्तारूढ़ बीजेपी पर निशाना साधते हुए बसपा प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश व पूरे देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और पिछड़ेपन को रोक पाने में सरकार की विफलता की वजह से लोगों में आक्रोश है और बीजेपी लगातार ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। मायावती ने आरोप लगाया कहा कि इन मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए वे (बीजेपी) विनाशकारी बुलडोजर राजनीति का सहारा ले रहे हैं और लगातार नए जातिवादी और धार्मिक उन्माद/विवाद पैदा करने का षड्यंत्र रच रहे हैं। इसी क्रम में धर्मांतरण पर (शेष पृष्ठ 9)

हिंडनबर्ग : सेबी प्रमुख व उनके पति ने आरोपों को नकारा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदेह जताया है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी हो सकती है। हालांकि सेबी प्रमुख ने इस आरोप को आधारहीन और चरित्र हनन का प्रयास बताया है। माधवी पुरी बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। बुच दंपति ने कहा, रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है। सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिए जा चुके हैं। हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। बुच ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस जारी किया है, (शेष पृष्ठ 9)

मुल्लापेरियार बांध : केरल में एक और आपदा की आशंका

कुमार चेल्लप्पन। कोच्चि

वायनाड में भूस्खलन और बाढ़ के बाद केरल में एक और बड़ी आपदा आने वाली है। इस बाढ़ में 400 से ज़्यादा लोगों की जान चली गई और 300 घर नष्ट हो गए। पेरियार नदी पर बना 130 साल पुराना मुल्लापेरियार बांध टूटने के कगार पर है और इससे राज्य के पांच जिलों की पूरी आबादी खत्म होने की आशंका है। हालांकि बांध केरल में है, लेकिन जलग्रहण क्षेत्र का पूरा पानी तमिलनाडु में जाता है, जो यह शोर मचा रहा है कि मुल्लापेरियार बांध सुरक्षित है। लेकिन बांध निर्माण और सुरक्षा के विशेषज्ञ इससे सहमत नहीं हैं। हालांकि तुंगभद्रा बांध कर्नाटक में है, लेकिन बाढ़ के पानी से चेन लिंक टूटने के कारण इसके एक गेट के बहने की खबर ने केरल के पांच जिलों के लोगों को हिला कर रख दिया है। 1953 में बने तुंगभद्रा बांध और 130 साल पहले केरल में बने मुल्लापेरियार बांध में काफी समानताएं हैं। दोनों को सुरखी, मोर्टार, मिट्टी और चूना पत्थर से बनाया गया है, जो उन्हें भारत में अंतिम जीवित गैर-सीमेंट बांध बनाता है। तमिलनाडु के चार जिलों को पीने और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के एकमात्र उद्देश्य से केरल में पेरियार नदी पर बनाया गया मुल्लापेरियार बांध आधुनिक समय का जल बम बन गया है। बांध के टूटने के बाद इडुक्की, पथानामथिट्टा,

वायनाड जिले में रविवार को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान जारी है।

अलपुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों में रहने वाले लोग जलप्रलय में डूब जाएंगे। राज्य के सात बार के विधायक पी सी जॉर्ज ने कहा, यह कभी भी हो सकता है, क्योंकि बांध अपनी उपयोगिता खो चुका है। पीसी जार्ज एक नया बांध बनाने के लिए अधिकारियों के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। जॉर्ज ने कानून निर्माता और विधान सभा की याचिका समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी 35 साल की लंबी सेवा में अधिकारियों को तीन व्यापक रिपोर्ट सौंपी थीं उन्होंने कहा कि मुल्लापेरियार बांध के ढहने का असर वायनाड में 1,000 भूस्खलनों के नतीजों जैसा होगा। उन्होंने कहा, बूढ़े और बच्चे एक दिन भी ठीक से सो नहीं पाते क्योंकि उन्हें डर रहता है कि बांध कभी भी गिर सकता है। यह पश्चिमी घाट के ऊपर है और आप बांध से निकलने वाले पानी की तीव्रता का अंदाजा नहीं लगा सकते क्योंकि निकासी और बचाव अभियान के लिए कोई समय नहीं होगा।

मुल्लापेरियार बांध 53.67 मीटर ऊंचा और 365.85 मीटर लंबा है। कोट्टायम जिले के पूर्व राजस्व अधिकारी पीएनएस नंबूदरी ने कहा, बांध की सक्रिय क्षमता 10.56 हजार मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसी फीट) है। भूवैज्ञानिकों ने हमें आगाह किया है कि बांध उच्च तीव्रता वाले भूकंपों के लिए असुरक्षित है क्योंकि फॉल्ट लाइन जलाशय से होकर गुजरती है। जबकि तमिलनाडु सरकार ने बांध के संभावित टूटने की खबरों का मजाक उड़ाया, लेकिन यह मदुरै में भारतीय न्यूट्रिनो वेधशाला का विरोध करने में कई कदम आगे निकल गई, इस बहाने कि फॉल्ट लाइन प्रस्तावित परियोजना के लिए निर्धारित क्षेत्र से होकर गुजरती है। लेकिन फॉल्ट लाइन मुल्लापेरियार बांध के खतरनाक रूप से करीब है। भूकंप विशेषज्ञों और भूवैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि सुरखी और मोर्टार से बना यह बांध अपनी उपयोगिता खो चुका है और इसे जल्द से जल्द बंद कर दिया जाना चाहिए। आईआईटी दिल्ली के डॉ. एके गोसाईं, जिन्होंने बांध के सुरक्षा पहलुओं का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम का नेतृत्व किया था, उन्होंने 2011 में ही एक नए बांध के निर्माण का आह्वान किया था। उन्होंने इस अखबार से कहा था, मैं यह नहीं कहता कि मुल्लापेरियार कल ढह जाएगा। लेकिन जलविज्ञानी के दृष्टिकोण से बांध सुरक्षित नहीं है। मुल्लापेरियार के ढहने (शेष पृष्ठ 9)

ड्राइविंग टेस्ट की नई व्यवस्था में 80 प्रतिशत लोग फेल

● एडवांस ट्रैक पर नहीं चला पा रहे गाड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए शुरू एडवांस ड्राइविंग टेस्ट सिस्टम व ट्रैक की नई व्यवस्था में 80 प्रतिशत लोग फेल हो रहे हैं। पुरानी व्यवस्था की तुलना में प्रतिदिन बनने वाली डीएल की संख्या में भी 97 प्रतिशत की कमी आई है। इससे साबित हो गया है कि अब तक ड्राइविंग लाइसेंस बनाने में खुलेआम मानकों का उल्लंघन हो रहा था।

आधारित नई व्यवस्था में एक से सात अगस्त तक 134 लोगों ने स्थायी डीएल बनाने के लिए परीक्षा दी। इसमें से मात्र 27 लोग ही पास हो पाए। जहां पर पहले प्रतिदिन औसतन 125 डीएल बन रह थे। वहीं, अब यह आंकड़ा 19 पर सिमट गया है।

जिले में प्रदेश का पहला निजी ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र बिसाहड़ा में एक अगस्त से ही शुरू हुआ है। यहां पर एडवांस ड्राइविंग टेस्ट सिस्टम व ट्रैक स्थापित किया गया है। ट्रैक पर सेंसर युक्त कैमरे लगे हैं। इनकी सहायता से टेस्ट के दौरान आपकी ऑनलाइन निगरानी हो रही होती है। इस दौरान तय मानकों के अनुसार ड्राइविंग करने पर ही आपको लाइसेंस जारी होता है। गलत वाहन चलाने पर आपका लाइसेंस रद हो जाता है। ड्राइविंग ट्रैक की गतिविधि एआरटीओ, आरटीओ से लेकर उपायुक्त व आयुक्त स्तर तक के शीर्ष अधिकारी एक क्लिक पर देख सकते हैं। साथ ही इसका रिकार्ड भी स्टोर रहता है।

ऐसे में किसी भी सामन्य परिस्थिति में किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं की जाती है। अभी तक की व्यवस्था में परिवहन विभाग के संभागीय निरीक्षक (आरआइ) आपका ड्राइविंग टेस्ट लेते थे, लेकिन जिले में तय मानक वाला ट्रैक नहीं होने से ड्राइविंग दक्षता का पूरी तरह परीक्षण नहीं हो पाता था। सड़क हादसों के प्रमुख कारणों में खराब ड्राइविंग एक है। नई व्यवस्था में जिस पूर्णता के साथ चालक को ड्राइविंग मानकों की कसौटी पर परखा जा रहा है। इससे ठीक से वाहन चलाने में सक्षम लोगों का ही डीएल बन पाएगा। साथ ही लोगों को ड्राइविंग के दौरान सामना करने वाले विपरीत परिस्थिति का भी आभास रहेगा। डीएल टेस्ट में शामिल होने से पहले लोग ठीक से प्रशिक्षण लेंगे। इससे चालक की गलती से होने वाले सड़क हादसों में काफी हद तक की आने की उम्मीद है।

> ‘‘ नई व्यवस्था के तहत एडवांस ट्रैक पर ड्राइविंग टेस्ट हो रहा है। इसमें परीक्षा उत्तीर्ण होने वालों की संख्या में कमी आइ है। इसका उद्देश्य ही ड्राइविंग टेस्ट में लोगों को उच्च मानकों पर परखना है। ’’
> – डॉ. सियाराम वर्मा, एआरटीओ प्रशासन

अब तक चली आ रही व्यवस्था में अक्सर परिवहन विभाग पर मानकों के अनुरूप टेस्ट के बिना डीएल बनाने के आरोप लगते रहे हैं। दलालों के बिना टेस्ट डीएल बनवाने के भी मामले सामने आते रहे हैं। अधिकारियों पर भी सांठगांठ के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन नई व्यवस्था में बाहरी व्यक्तियों की भूमिका पूरी तरह खत्म हो गई है। अब आम से लेकर खास हर व्यक्ति को ड्राइविंग ट्रैक पर मानकों के अनुसार वाहन चलाना ही पड़ेगा।

झुग्गी मारपीट मामले में पिंकी पर एनएसए लगाने की तैयारी

● जिन्हें बांग्लादेशी बताया वो सभी निकले भारतीय

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी को गाजियाबाद पुलिस रविवार कोर्ट में पेश करेगी। इससे पहले शनिवार देर रात तक संगठन कार्यकर्ताओं का थाना मधुबन बापूधाम के बाहर हंगामा चलता रहा।

उन्होंने पिंकी की गिरफ्तारी गलत बताई। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मुस्लिम परिवारों को बांग्लादेशी बताकर पीटने में पिंकी को गिरफ्तार किया है। सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस अब पिंकी पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) की कार्रवाई भी करने जा रही है। पिंकी पर इससे पहले गाजियाबाद में 16 मुकदमे दर्ज हैं। साहिबाबाद थाने में हिस्ट्रीशीट खुली हुई है। अब थाना मधुबन बापूधाम में जो एफआईआर हुई है, उसमें कई गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। इसमें मॉब लिंचिंग में जहां सात साल की सजा का प्रावधान है, वहीं बिना किसी घातक हथियार के हिंसा करने में उम्रकैद तक हो सकती है। ऐसे में पिंकी चौधरी को जल्द जमानत मिलना भी आसान नहीं दिख रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि हर विवादित कार्य में पिंकी चौधरी की भूमिका होती है।

इसलिए पिंकी अब लगातार कुछ दिनों से कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में पुलिस अब पिंकी पर एनएसए लगाने की तैयारी कर रही है।

ज्ञात हो कि गाजियाबाद में हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने झुग्गी-झोपड़ियों पर हमला कर दिया। वहां रहने वाले लोगों को बांग्लादेशी बताकर लाठी-डंडों से पीटा। उनकी झोपड़ियां तोड़कर तहस-नहस कर दी। वो सभी भारतीय निकले।

आवंटियों ने लगाया ‘घर बिकाऊ है’ का पोस्टर

● कूड़े की बदबू से लोगों का रहना मुश्किल हो रहा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मधुबन-बापूधाम के डी पॉकेट में बने एसटीपी में लगे कूड़े के ढेर से उठ रही बदबू से परेशान कई आवंटियों ने पलायन का फैसला किया है। परेशान लोगों ने घर बिकाऊ है का पोस्टर लगा दिया है।

मधूबन-बापूधाम वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा और अन्य लोगों ने जीडीए वीसी, नगर आयुक्त को पत्र लिखकर समस्या का समाधान कराने की गुहार लगाई है। राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पिछले तीन साल से कांवड़ यात्रा के दौरान का कूड़ा एसटीपी परिसर में डाला जा रहा है। इसका स्थानीय लोगों ने विरोध भी किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अधिकारियों की ओर से कहा गया कि कांवड़ यात्रा के बाद कूड़ा हटा लिया जाएगा। अब कूड़े की बदबू से लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है। कूड़े की समस्या से योजना में आवंटन होने के बाद भी लोग रहने नहीं आ रहे हैं। लोग यहां मकान खरीदने से बच रहे हैं। धीरे-धीरे यहां कूड़े का पहाड़ खड़ा हो गया है। योजना में आवंटी जीवंती देवी, गोदावरी, बबीता त्यागी, जंग बहादुर चौहान, संजय त्यागी, अजय चौधरी, अमन सिंह, मास्टर समेत कई लोगों ने अपना भवन बेचकर पलायन करने का फैसला किया है। इन लोगों ने घर बिकाऊ है का पोस्टर लगाया है। जंग बहादुर का कहना है कि पूरे दिन बदबू आती रहती है। बारिश और तेज हवा चलने के बाद एक पल भी यहां रहने का मन नहीं होता है।

> ‘‘ कूड़ा हटाने के लिए नगर निगम को पत्र लिखा गया है। मौजूदा समय में कूड़ा नहीं डाला जा रहा है। जो कूड़ा है वह पहले का पड़ा हुआ है। दोबारा निगम को पत्र लिखकर कूड़ा हटाने के लिए कहा जाएगा। ’’
> – राजेश कुमार सिंह, जीडीए सचिव

ब्लू सफायर मॉल में दंपति से मारपीट

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के ब्लू सफायर मॉल में घूमने गए पति-पत्नी ने मॉल मैनेजमेंट के लोगों पर ही मारपीट का आरोप लगाया है। साथ ही पीड़ति ने पत्नी पर गलत कमेंट करने का भी आरोप लगाया है।

बिसरख थाना पुलिस ने इस मामले में दो युवकों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। दरसअल ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक सोसाइटी के रहने वाले दम्पति शनिवार शाम को ब्लू सफायर मॉल में घूमने गए थे। उन्होंने बताया कि जब वह सीड़ियों से नीचे उतर रहे थे, तभी ऊपर की तरफ से आ रहे मेंटेनेंस के दो कर्मचारियों ने उनकी पत्नी पर कमेंट किया।

बैंक रिकवरी के चलते ई-रिक्शा चालक ने दी जान

● पुलिस ने जांच के बाद मैनेजर समेत दो के खिलाफ मामला दर्ज किया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में ई-रिक्शा चालक की आत्महत्या मामले में पुलिस ने एक बैंक मैनेजर सहित दो लोगों पर केस दर्ज किया है। ई-रिक्शा चालक ने 25 जुलाई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक की पत्नी के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बैंक वालों पर आरोप है कि उनके द्वारा ई-रिक्शा चालक को प्रताड़ति किया गया था। उसके खाते में पैसों की हेरा-फेरी की गई थी।

साथ ही उसके कमाई के जरिए ई-रिक्शा को भी बैंक वालों ने अपने कब्जे में ले लिया था। इसी बात से क्षुब्द होकर उसने आत्महत्या कर ली। बिसरख थाना क्षेत्र के सरस्वती कुंज रहने वाले मनोज (45) ने फांसी का फंदा लगाकर 25 जुलाई को आत्महत्या कर ली। इसके बाद पुलिस ने उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में मृतक की पत्नी शारदा देवी ने बिसरख पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि उनके पति मनोज ई-रिक्शा चलाकर घर का गुजारा करते थे। उन्होंने बताया कि उनका बैंक खाता नोबल को-ऑपरेटिंग बैंक सेक्टर 62 नोएडा में है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनवरी में बैंक वालों ने हेरा-फेरी करके उनके खाते से 25000 रुपए निकाल लिए और इस बात की जानकारी किसी को भी नहीं दी। जब मेरे पति को इसके बारे में जानकारी हुई तो वह 24 जुलाई को बैंक पहुंचे। लेकिन वहां पर मौजूद लोगों ने उनके साथ बदतमीजी की और बेइज्जती करते हुए बैंक से बाहर निकाल दिया। उल्टा पैसे देने की मांग करने लगे। पैसा नहीं देने पर ई रिक्शा जब्त करने की भी बात कहने लगे। उसके बाद उन लोगों ने ई-रिक्शा को बैंक के बाहर ही खड़ा कर लिया। पीड़ति ने बताया कि इस पूरी घटना से मेरे पति बहुत ज्यादा दुखी हो गए और उन्होंने 25 जुलाई को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर दी। इस मामले में महिला ने बैंक के मैनेजर और दोनों कर्मचारियों के खिलाफ लिखित में शिकायती दी।

इसके बाद पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच कर कार्रवाई की बात कह रही है। सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी हिरदेश कठेरिया ने बताया कि मृतक की पत्नी के तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग की हत्या के आरोपी को मुठभेड़ में लगी गोली

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गुर्जर गांव में एक बुजुर्ग की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक बदमाश मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार यह हत्या जमीनी विवाद के कारण की गई थी। इस घटना की साजिश रचने वाले पिता, पुत्र और एक अन्य आरोपी फरार है। मुख्य साजिशकर्ता हत्या करने लिए चार लोगों को 20-20 हजार रुपए देकर अपने बॉडी गार्ड के रुप में लेकर गया था। मुठभेड़ में पुलिस की गोली से घायल हुए बदमाश का नाम राजकुमार है। एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि राजकुमार को पुलिस की टीम हत्याकांड में इस्तेमाल हुए तमंचे को बरामद करने के लिए सेक्टर ओमिक्रोन 1 की जंगल में लेकर गई थी। जहां पर राजकुमार ने एक दरोगा की सर्विस पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया। पुलिस के पीछा करने पर उसने फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई।

गाजियाबाद में भाजपा निकाली हर घर तिरंगा रैली

गाजियाबाद। देश के प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी का अभियान हर घर तिरंगा को लेकर गाजियाबाद में हर विधानसभा में रैली निकाली जा रही है। इसी को लेकर शहर विधानसभा में भी रैली निकाली गई। रैली का आयोजन युवा मोर्चा द्वारा किया जा रहा है। रैली पूरी विधानसभा में घूम कर विजयनगर में समाप्त होगी। भारतीय जनता पार्टी के नेता सरदार एसपी सिंह ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 13, 14, 15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान को लेकर लोगों को जागृत किया। गाजियाबाद की सभी विधानसभाओं में तिरंगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली का आयोजन आम जनता को जागरूक करने के लिए किया जा रहा है। जिससे वह देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर 13, 14, 15 अगस्त को घरों में तिरंगा लगे। रैली को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया और युवा मोर्चा अध्यक्ष सुखविंदर सोम ने रवाना किया। रैली में करीब 1000 बाइक थी। रैली पूरे गाजियाबाद विधानसभा का चक्कर लगाकर विजयनगर में समाप्त होगी। इस दौरान स्थानीय सांसद अतुल गर्ग, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा समेत भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला को जबरन पिलाई शराब, कार में किया दुर्व्यवहार

गाजियाबाद। जिले के कविनगर में रहने वाली एक महिला को कार में बैठाकर जबरन शराब पिलाई गई, उसके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। इस मामले में शिकायत पर कविनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 28 जुलाई को वह पत्नी के साथ इवेंट मीटिंग में गए थे, वहां से वापस लौटे तो उनकी पत्नी के पास गगन का फोन आया, जो कि गुरूजी बनकर उसको गलत ज्ञान देता है। उसने शिकायतकर्ता की पत्नी को काम के बहाने गोविंदपुरम बुलाया, वहां पर कार में बैठाकर उसे जबरन शराब पिलाई और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। कार में उस वक्त एक और युवक मौजूद था, महिला अकेली होने के कारण उसका विरोध नहीं कर सकी। उधर, घर पहुंचने पर देरी होने पति ने फोन किया तो महिला किसी तरह घर पहुंची और पति को आप बीती बताई। महिला के पति ने जब गगन को फोन किया तो वह धमकी देने लगा।

खेत में जा रहे मजदूर की करंट लगने से मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर में सुबह के समय खेत में काम करने जा रहे मजदूर की बिजली के पोल की चपेट में आने से मौत हो गई। बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप और मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। प्रशासन में दस लाख रुपए का मुआवजा और सविंदाकर्मी पर परिवार के एक सदस्य को नौकरी मिलने का लिखित आश्वासन मिलने के बाद परिजन शांत हुए। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव नेकपुर निवासी भूषण कुमार(39) अपनी पत्नी बंटी और चार बच्चों के साथ रहते थे। वह खेतों में मजदूरी करके अपने परिवार का लालन-पालन करते थे। शनिवार को खेत में गन्नों को बांधने के लिए गए थे। खेत में जाते समय वह एक बिजली के खंभे की चपेट में आ गए और करंट लगने से जमीन पर गिर गए।

नोएडा में 48 घंटे तक महिला को रखा डिजिटल अरेस्ट

● पार्सल में ड्रग्स का डर दिखाकर करीब दस लाख की वसूली

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

विदेश भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य प्रतिबंधित सामान होने का डर दिखाकर एक महिला के साथ 9 लाख 70 हजार रुपए की ठगी हुई। पुलिस और सीबीआई का अधिकारी बनकर जालसाज ने ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

महिला ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की है। पुलिस उन खातों की जानकारी एकत्र कर रही है, जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है। सेक्टर-62 निवासी कुमारी रंजना ने बताया कि सात अगस्त को उनके पास डीएचएल कूरियर सर्विस से कॉल आई। कॉलर ने बताया कि महिला के नाम से एक कूरियर विदेश जा रहा है। इसमें उसके आधार कार्ड का इस्तेमाल हुआ है। पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य प्रतिबंधित सामान होने के कारण इसे रोक लिया गया है। आगे की जानकारी के लिए कॉल को कथित मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को ट्रांसफर कर दिया गया। ठगों ने इसके बाद महिला को स्काइप कॉल पर जोड़ा और ड्रग्स मिलने पर जेल जाने की धमकी देने लगे। इस दौरान शिकायतकर्ता को घर से बाहर जाने और किसी अन्य से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी गई। महिला पर वीडियो कॉल से नजर रखी जाने लगी और पूछताछ का सिलसिला चलता रहा।

अगले दिन आठ अगस्त तक ठग महिला से पूछताछ करते रहे। बताया गया है जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद शिकायतकर्ता को पुलिस क्लीयरैंस सर्टिफिकेट मिलेगा और रकम फिर से मूल खातों में वापस कर दी जाएगी। डर के कारण जालसाजों द्वारा उपलब्ध कराए गए खाते में महिला ने रकम ट्रांसफर कर दी। महिला ने पहली बार में पांच लाख और दूसरी बार में चार लाख 70 हजार रुपए ट्रांसफर किए। नौ अगस्त तक महिला को डिजिटल अरेस्ट करके रखा गया। इसके बाद ठगों ने महिला से पूरी तरह से संपर्क तोड़ दिया।

शोरूम से तीन करोड़ की घड़ियां चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में शनिवार रात चोरों ने एक वॉच शोरूम पर धावा बोल दिया।

काउंटर और शोकेस के शीशे तोड़कर चोरों ने करीब तीन करोड़ रुपए कीमत की ब्रांडेड घड़ियां चुरा ली और फरार हो गए।

पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। स्टोर मालिक ने पुलिस को जो लिस्ट उपलब्ध कराई है, उसके मुताबिक चोर करीब 671 घड़ियां चुराकर ले गए हैं। वॉच शोरूम के मैनेजर मुकुल शर्मा ने बताया- सुबह 11 बजे स्टोर खुलता है और रात को 10 बजे के आसपास बंद होता है। रात में हम ठीक से लॉक करके गए थे। सुबह जब स्टोर खोलने के लिए आए तो शटर टूटा हुआ था। अंदर देखा तो स्टोर की सारी अलमारियां खुली हुई थीं। मैंने तुरंत पुलिस को सूचना दिया और पुलिस मौके पर आई। चोरों ने ज्यादातर महंगे ब्रांड की सभी घड़ियां चुरा ली हैं। हमने फुटेज देखी है। करीब सात-आठ चोर इस घटना में शामिल रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को कुचला, मौत

● हादसे के बाद दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जाम लग गया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राज चौपला स्थित राकेश होटल के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल जा रही महिला को कुचल दिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जाम लग गया और लोगों ने जमकर हंगामा किया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर ट्रक को कब्जे में ले लिया है। मोदीनगर के गांव अबूपुर निवासी मेहराजूद्दीन परिवार सहित रहते है। उनकी पत्नी 46 वर्षीय शकीला काफी समय से बीमार चल रही है।

शकीला मोदीनगर डॉक्टर को दिखाने के लिए आई थी। वह डॉक्टर को दिखाकर पैदल ही गांव अबूपुर जाने के लिए ऑटो पकड़ने के लिए राज चौपले पर जा रही थी। जब वह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर छाया पब्लिक स्कूल से आगे राकेश होटल के सामने पहुंची, तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को कुचल दिया।

हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ट्रक को सड़क पर ही छोड़कर फरार हो गया। हादसे के बाद वहां पर मौजूद लोगों ने जमकर हंगामा किया। ट्रक सड़क पर खड़ा होने और हंगामे के चलते दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जाम लग गया और वाहनों की लम्बी लाइन लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक को सड़क से हटाकर यातायात सुचारु कराया।

एसीपी ने बताया कि ट्रक तहरीर आने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया और चालक की तलाश की जा रही है।

अधिकारियों संग पर्थला चौक का निरीक्षण करते नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम।

नोएडा में देखने को मिलेगा आईपीएल का रोमांच

● 25000 दर्शक एक साथ ले सकेंगे मैच का आनंद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स को आइपीएल की भी मेजबानी मिल सके। इसके लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने जद्दोजहद शुरू कर दी है।

नौ से 13 सितंबर तक न्यूजीलैंड व अफगानिस्तान के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच के बाद दर्शक क्षमता बढ़ाने की योजना प्राधिकरण की ओर से तैयार की जा रही है। वर्तमान में स्टेडियम में 12 हजार दर्शक की क्षमता है। अब 25 हजार दर्शक क्षमता के लिए प्राधिकरण कानपुर,लखनऊ और बनारस में स्टेडियम बनाने वाली कंपनियों से बातचीत कर रहा है,जिससे जल्द से जल्द स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता बढ़ाई जा सके। दिल्ली के नजदीक होने के कारण ग्रेटर नोएडा को भी आइपीएल मिल सकते हैं,लेकिन अभी दर्शकों की क्षमता कम होने के कारण कोई भी फ्रेंचायजी यहां मैच नहीं कराना चाहती है। जबकि यहां सभी प्रकार की सुविधाएं मौजूद हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भी जल्द उड़ान शुरू होने वाली है। यहां खिलाड़ियों और उनके स्टाफ के रहने के लिए कई लग्जरी होटल और रिजार्ट भी मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्राधिकरण प्रस्ताव तैयार कर रहा है। प्रस्ताव को जल्द बोर्ड बैठक में रखा जाएगा।

स्टेडियम में दूधिया रोशनी में भी मैच के आयोजन होते हैं। हाल ही में दिव्यांग क्रिकेट लीग का आयोजन दूधिया रोशनी में ही हुआ था। फ्लड लाइट की अच्छी व्यवस्था होने के कारण ही स्टेडियम को टी- 20 मैच की मेजबानी मिली थी,लेकिन अपरिहार्य कारणों की वजह से लीग कैंसिल हो गई थी। स्टेडियम में आठ फ्लड लाइट लगी हुई हैं।

कार चालक के सीने में उठा दर्द ट्रैफिककर्मी ने पहुंचाया अस्पताल

● एडीसीपी ट्रैफिक ने प्रयास को सराहा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दो यातायातकर्मियों ने सुझबूझ का परिचय देते हुए एक कार चालक को समय से अस्पताल पहुंचा दिया। आइएमएस डासना के पास कार चालक के सीने में अचानक दर्द उठा।

पास में ही ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल विक्रम गिरी को चालक ने अपनी परेशानी बताई। विक्रम गिरी ने पीड़ित को दूसरी सीट पर बैठाकर स्टेयरिंग संभाला और उन्हें लेकर मणिपाल अस्पताल पहुंच गए। समय से अस्पताल ले जाने की वजह से फरीदाबाद निवासी कार चालक पवन की जान बच गयी। हेड कांस्टेबल विक्रम के मुताबिक सिपाही अंकुश शर्मा के साथ ड्यूटी पर थे। इसी बीच एक कार उनसे थोड़ा आगे जाकर रुक गई और उसका तेजी से लगातार हॉर्न बजने लगा। उन्होंने जाकर देखा तो कार चालक पसीने में नहाया हुआ था। जब वह कार तक पहुंचे तो चालक ने हार्ट अटैक का अंदेशा जताते हुए मदद मांगी। विक्रम ने एंबुलेंस बुलाने की बजाय खुद ही तत्काल कार चालक को अस्पताल पहुंचाने का निर्णय लिया और अपने साथी अंकुश की मदद से कार चालक को बगल की सीट पर बैठा दिया। एडीसीपी ट्रैफिक दोनों यातायातकर्मियों ने ड्यूटी पर रहने के दौरान अच्छा काम किया है।

सरकारी अस्पतालों में आज से डॉक्टरों की हड़ताल

कोलकाता में रेजीडेंट की हत्या और रेप के विरोध में ओपीडी, सर्जरी और लैब सेवाएं रहेंगी ठप

● दिल्ली में चरमरा सकती हैं स्वास्थ्य सेवाएं, इमरजेंसी में देखे जाएंगे मरीज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोलकाता में एक रेजिडेंट डॉक्टर के साथ अमनावीय तरीके से बलात्कार और हत्या से आक्रोशित फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने हत्या के विरोध में डॉक्टरों ने सोमवार को प्रदर्शन का ऐलान किया है। चिकित्सकों ने घोषणा की है कि उसने हिंसक कृत्य के विरोध में सोमवार से सभी वैकल्पिक सेवाओं को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने का फैसला किया है और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

इस हृदय विदारक घटना में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर की कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हत्या कर दी गई थी। 32 वर्षीय डॉक्टर का अर्धनग्न शव अस्पताल के सेमिनार हॉल में मिलने के बाद से चिकित्सा समुदाय में व्यापक आक्रोश फैल गया।

इस दुखद घटना के विरोध में राजधानी के मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, आरएमएल अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, कलावती बाल चिकित्सालय, सुचेता कृपलानी हॉस्पिटल, लोकनायक अस्पताल, जीबी पंत सहित दिल्ली के कई प्रमुख अस्पतालों ने बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), ऑपरेशन थिएटर (ओटी) और वार्ड ड्यूटी को रोकने की घोषणा की है। फोर्डा के अध्यक्ष डॉ. अविरल माथुर ने चिकित्सकों के हड़ताल जाने के कारणों की जानकारी देते हुए जोर दिया कि डॉक्टरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि वे बिना किसी डर के अपने आवश्यक कर्तव्यों का पालन कर सकें।

डॉ. माथुर ने कहा, जब हमारी सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है, तो हम अब और चुप नहीं बैठ सकते। अस्पताल परिसर में साथी डॉक्टर के साथ हाल ही में हुई भयावह बलात्कार और हत्या अंतिम कड़ी है।

उन्होंने कहा, हम सभी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए तत्काल कार्रवाई और सुरक्षा की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर रहे हैं। मरीजों की देखभाल करने की हमारी क्षमता हमारी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है। डॉ. माथुर ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के अन्य डॉक्टर संघों के समन्वय में बुलाई गई अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार सुबह से शुरू होगी। वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) की अध्यक्ष डॉ. भरणी कुमार ने भी इन चिंताओं को दोहराया और डॉक्टरों के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम के कार्यान्वयन और अस्पतालों में निगरानी बढ़ाने सहित सुरक्षा उपायों को बढ़ाने का आग्रह किया।

डॉ. कुमार ने कहा, हम इस जघन्य अपराध से बहुत दुखी हैं और जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देने के साथ तत्काल, पारदर्शी जांच की मांग करते हैं। सरकार को डॉक्टरों के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम को तेजी से लागू करना चाहिए और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित देश भर के अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाना चाहिए।

आज यह बंगाल है, कल यह दिल्ली या देश का कोई अन्य हिस्सा हो सकता है। फोर्डा के राष्ट्रीय महासचिव और आरएमएल के अध्यक्ष डॉ. सर्वेश पांडे ने कहा, आरोपी को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और सीबीआई जांच की जानी चाहिए। दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में आरडीए के अध्यक्ष डॉ. विपिन के. माधोगढ़िया ने पीड़िता के साथ एकजुटता व्यक्त की और देश भर में वैकल्पिक सेवाओं के निलंबन के लिए समर्थन व्यक्त किया, न्याय सुनिश्चित करने और बिना देरी के सुरक्षा चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

फोर्डा के उपाध्यक्ष डॉक्टर शारदा प्रसाद ने कहा कि घटना के विरोध में फोर्डा ने देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। हम लोग चाहते हैं कि कोलकाता के आरजी अस्पताल में जो घटना हुई है उसके आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो। पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोपी को फांसी की सजा दिलाने और सीबीआई जांच की बात कही है, उसका हम स्वागत करते हैं।

एकजुटता में, देश भर में रेजिडेंट डॉक्टर्स के संघों ने शनिवार को मोमबत्ती मार्च निकाला और घटना की गहन जांच और सीबीआई जांच की मांग की। कोलकाता पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे 23 अगस्त तक हिरासत में रखा गया है।

पीड़िता कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल के 'सेमिनार हॉल' में शुक्रवार को ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव मिला था। मृतक डॉक्टर छाती रोग मेडिकल विभाग के सेंकेंड ईयर वर्षकी छात्रा थी,और गुरुगुवार की रात ड्यूटी पर तैनात थी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न के बाद हत्या किए जानेका संकेत मिला है। उसने आत्महत्या की संभावना से भी इनकार किया है।

28वां दिल्ली पुस्तक मेला रविवार को संपन्न हो गया। अंतिम दिन भारत मंडपनम में खूब भीड़ उमड़ी। फोटो: रंजन डिमरी

अंतिम दिन पुस्तकों पर मिली विशेष छूट

दिल्ली बुक फेयर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● डिजिटल युग में दर्शकों ने की खूब खरीदारी

राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे पांच दिवसीय दिल्ली बुक फेयर का समापन हो गया है। बुक फेयर के अंतिम दिन रविवार होने के कारण दर्शकों की संख्या अधिक रही। आखिरी दिन विक्रेताओं ने किताबों पर भारी छूट का ऑफर भी दिया।

ज्ञात रहे कि भारत मंडपम के हाल नंबर 12 और 12 ए में बुधवार को पांच दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है। इस बार दिल्ली बुक फेयर में स्टेशनरी फेयर और गिफ्ट फेयर भी लगाए गया गया था। इस बार पुस्तक मेले में बच्चों की कॉमिक बुक खासा आकर्षण के केंद्र रहा। डिजिटल युग में पुस्तकों और पुरानी कॉमिक्स का दौर एक बार फिर लौट आया है। यहां पुरानी कॉमिक्स ने पाठकों को खास आकर्षित किया।

यहां चाचा चौधरी, पंचतंत्र, कैप्टन ध्रुव व नागराज जैसे सुपरहीरो, अकबर-बीरबल, नंदन, बाल हंस, चंपक, चंदामामा और नन्हें सम्राट जैसी कॉमिक्स की पुरानी व नई प्रतियां बिक रही हैं। इन्हें खरीदने व पढ़ने के लिए लोगों की लंबी कतार लग रही हैं। इन कॉमिक्स को पढ़ने के दीवाने बच्चे ही नहीं, बल्कि युवा व बुजुर्ग लोग भी हैं। मेले में रोजाना पुस्तक प्रेमियों की भीड़ उमड़ रही है। पुरानी कॉमिक्स के नए संस्करण में प्रतिष्ठित भारतीय हास्य चरित्र चाचा चौधरी की नाटकीय वापसी देखी जा रही है। कई अभिभावक भी इन स्टॉल पर अपने बच्चों को लेकर पहुंचे।

सोशल मीडिया ने कम की कॉमिक्स की महत्ता = मेले में कॉमिक्स लेकर पहुंचे पुस्तक विक्रेता और प्रकाशकों का कहना है कि सोशल मीडिया से कॉमिक्स की दुनिया सिमट गई है। लेकिन, इनको चाहने वाले एक बार फिर वापस लौट रहे हैं। वह इसके पीछे की वजह नैतिक मूल्यों को बताते हैं।

मेले में साहित्य पुस्तक स्टॉल पर भी इस बार खासी भीड़ देखने को मिला। युवाओं के बीच इतिहास, साहित्यिक, घुमक्कड़ी समेत कहानियों की किताबों के प्रति अधिक रूचि देखने को मिली।

इमारत में आग लगने से दो लोग घायल

● पार्किंग से लगी आग ने पूरी बिल्डिंग को चपेट में लिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के असोला गांव में रविवार को एक इमारत के पार्किंग क्षेत्र में आग लगने से दो लोग घायल हो गए जबकि 12 अन्य को सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग (डीएफएस) के एक अधिकारी ने कहा, हमें सुबह 5.01 बजे एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। सुबह 6.50 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। डीएफएस के अधिकारी ने बताया कि आग ने सबसे पहले स्टिल्ट पार्किंग में कुछ वाहनों और एक इलेक्ट्रिक मीटर बोर्ड को अपनी चपेट में लिया और बाद में आग पूरी इमारत में फैल गई। इस बीच, पुलिस ने एक बयान में कहा कि असोला गांव में आग लगने की घटना के संबंध में मैदान गढ़ी पुलिस थाने में सूचना मिली थी।

पुलिस ने कहा, घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि जगबीर कॉलोनी में चार मंजिला एक इमारत में आग लगी हुई थी। फ्लैटों में रहने वाले लोगों को बचाया गया और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की मदद से आग बुझाई गई। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण भूतल पर लगी थी। सांस लेने में समस्या अथवा चोटों से पीड़ित कुल 14 लोगों (छह महिलाएं, चार बच्चे और चार पुरुष) को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हमने इस मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

झुग्गी बस्तियों को स्वच्छ व स्वस्थ बनाना भाजपा का संकल्प है : मल्होत्रा

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के देखते हुए प्रदेश झुग्गी वालों को साधने में जुट गई है। इसी कड़ी में दिल्ली भाजपा ने अपने झुग्गी विस्तार अभियान के अंतर्गत रविवार को 185 झुग्गी बस्तियों चिकित्सा जांच शिविर लगाया ।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हर्ष मलहोत्रा ने कहा कि राजधानी दिल्ली की झुग्गियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना भाजपा का संकल्प है क्योंकि स्वच्छता अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और स्वस्थ व्यक्ति जीवन में हर ओर प्रगति करता है।

हर्ष मल्होत्रा ने न्यू संजय अमर कॉलोनी, विश्वास नगर झुग्गी क्लस्टर में आयोजित हेल्थ कैम्प का उद्घाटन किया। सांसद मनोज तिवारी ने तिमारपुर झुग्गी क्लस्टर में, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बिलासपुर प्रसाद नगर, मोडलबंद में, सांसद कमलजीत सहरावत ने मंगलापुरी वार्ड द्वारका में मौजूद रहे।

जरा-सी बारिश से हर जगह हो रहा जलभराव : बिधूड़ी

● कहा- जमानत के जश्न में डूबे आप नेताओं को दिल्ली की सुध नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामवीर सिंह बिधूड़ी

वीरेंद्र सचदेवा

दक्षिणी दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जल भराव को लेकर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली वालों को अब यह मान लेना चाहिए कि जब तक केजरीवाल सरकार है, जरा-सी बारिश होते ही जलभराव भी होगा और करंट लगने से मौत का भी सामना करना पड़ेगा। जनता अपने इस दुर्भाग्य को विधानसभा चुनावों में बदल सकती है।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में राजधानी दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश हो रही है और ऐसा कोई इलाका नहीं है जहां जलभराव नहीं हो रहा हो। दिल्ली सरकार द्वारा बड़े नालों और नगर निगम द्वारा छोटे नालों और नालियों की सफाई न होने के कारण हर जगह पानी भर रहा है। शनिवार और रविवार को हुई बारिश में आईटीओ से लेकर फतेहपुरी बेरी तक हर जगह जलभराव हुआ और लोगों को जाम में फंसना पड़ा रोहिणी के पास प्रेम नगर में दो किशोरों की बारिश के पानी में डूबने से मौत हो गई जबकि एक लड़के की करंट लगने से मौत हुई। मॉनसून का यह सीजन दिल्ली सरकार और नगर निगम की लापरवाही से मौतों का संदेश लेकर आया है। भाजपा सांसद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता आजकल सिसोदिया के जमानत पर जेल से बाहर आने के जश्न में डूबे हैं। उन्हें दिल्ली की कोई सुध नहीं है। अब तो बारिश होने पर जलभराव की स्थिति में नगर निगम से मेयर या दिल्ली सरकार से किसी मंत्री का कोई निर्देश या बयान तक नहीं आता क्योंकि उन्हें पता है कि उनकी अकर्मण्यता के कारण ही दिल्ली डूब रही है। उपराज्यपाल को बारापूला और अन्य नालों की सफाई के लिए स्वयं उतरना पड़ा है।

हादसा पावर डिस्कॉम की लापरवाही का परिणाम : सचदेवा

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली संसदीय क्षेत्र के कोटला विहार फेस 2 में बिजली का करंट लगने से रविवार को फिर सड़क पर एक नाबालिग लड़के की असमायिक मौत का मामला सामने आया है। इस मुद्दे पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार दोपहर क्रिकेट खेलते समय लड़के से बिजली खम्भा छू कर करंट लगने से हुई मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए मामले की जांच की मांग की है। साथ ही कहा कि सड़कों पर बिजली कंपनियों की लापरवाही से मृत्यु का इस मानसून में यह 7वां मामला सामने आया है। पहले कभी एक मानसून में इतने अधिक बिजली करंट हादसे नहीं हुए हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह स्पष्ट है की दिल्ली में बढ़ते बिजली करंट से मौत के मामले अब देखरेख के अभाव में पावर डिस्कॉम की अपराधिक लापरवाही का मामला बन गये हैं। करंट लगने से इस वर्ष हुई मौतों के सभी मामलों में सम्बंधित पावर डिस्कॉम पर अपराधिक लापरवाही का मामला दर्ज होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मानहानि मामला: सीएम की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की एक याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकता है, जिसमें उन्होंने मई 2018 में यूट्यूबर ध्रुव राठी का वीडियो एक्स पर साझा करने से संबंधित मानहानि मामले में जारी कई समन को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की तीन न्यायाधीशों की पीठ याचिका पर सुनवाई कर सकती है, जिसमें केजरीवाल ने स्वीकार किया है कि कथित मानहानिकारक वीडियो साझा करके उनसे गलती हुई है। शीर्ष अदालत ने 11 मार्च को केजरीवाल से पूछा था कि क्या वह मामले में शिकायतकर्ता से माफी मांगना चाहते हैं। केजरीवाल ने इससे पहले 26 फरवरी को उच्चतम न्यायालय से कहा था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ से संबंधित कथित मानहानिकारक वीडियो साझा करके उनसे गलती हुई है। शिकायतकर्ता विकास संकृत्यायन की ओर से पेश वकील ने शीर्ष अदालत से कहा था कि केजरीवाल एक्स या इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच पर माफीनामा जारी कर सकते हैं।

औषधि से मधुमेह के इलाज का दावा

नई दिल्ली। बिहार के गया स्थित ब्रह्मयोनी पहाड़ी पर मौजूद औषधीय पौधों के इस्तेमाल से मधुमेह के इलाज का दावा किया गया है। इसका इस्तेमाल सीएसआईआर ने अपनी महत्वपूर्ण दवा बीजीआर-34 में किया जो आज दोगुनी क्षमताओं के साथ काम कर रही है। जिसे एमिल फार्मा के जरिए बाजार में आई यह दवा सफल भी रही है। यह औषधीय पौधा गुड़मार है जिसमें रक्त शर्करा को घटाने की क्षमता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थौट्स (आईजेसीआरटी) में बिहार के मगध विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने इस अध्ययन में बताया कि ब्रह्मयोनी पहाड़ी पर पाए जाने वाले तीन औषधीय पौधों में से एक गुड़मार (जिम्नेमा सिल्वेस्ट्रे) है। यह वही क्षेत्र है जहां सदियों से परंपरागत वैद्य इन पादपों का मधुमेह समेत विभिन्न रोगों के उपचार में इस्तेमाल कर रहे हैं।

दहशत फैलाने के लिए गोलियां चलाई, दो पकड़े

नई दिल्ली। मंगोलपूरी इलाके में बीती रात इलाके में वर्चस्व कायम करने और दहशत मचाने के मकसद से की गई फायरिंग में पुलिस ने दो आरोपियों हरीश राणा और लाला उर्फ सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल और खाली कारतूस का खोल बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीती रात मंगोलपुरी पुलिस को एक्स-ब्लॉक में गोली चलने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। कारतूस का खोल बरामद किया। पुलिस टीम ने वारदात वाली जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और ह्यूमैन सॉर्स की सहायता ली। पुख्ता जानकारी के बाद इलाके में रहने वाले हरीश राणा को उसके घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर पता चला कि उसका एक दोस्त लाला सुनील इलाके में आतंक फैलाना चाहता है।

हरियाणा का शूटर दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली। छावला इलाके से हरियाणा के 24 वर्षीय एक शूटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि रोहतक का आरोपी अंकित सात आपराधिक मामलों में कथित तौर पर संलिप्त है और उसकी गिरफ्तारी से सोनीपत में एक हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई है। आरोपी के पास से तीन पिस्तौल, एक सिंगल-शॉट पिस्तौल और 13 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि जुलाई में अंकित ने अपने साथियों के साथ एक पुरानी दुश्मनी को लेकर सोनीपत में जयपाल पर कथित तौर पर 10 गोलियां चलाई थीं। गोयल ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अंकित छावला इलाके में आएगा।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर ठगी, तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर एक महिला से 36.27 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी करने वाले तीन तीन साइबर ठगों को दिल्ली पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहवान जएश भोले, राकेश जाधव और हर्षवर्धन भोसले के रूप में हुई है। तीनों को महाराष्ट्र के जलगांव से गिरफ्तार किया गया। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि एक महिला की शिकायत के बाद 25 जुलाई को साइबर पुलिस थाने में ऑनलाइन एक शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। मीणा ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एक जुलाई को वह शेयर इंडिया नाम के समूह के संपर्क में आई और समूह ने उन्हें बैंक खाते के जरिए 36.27 लाख रुपए निवेश करने पर राजी कर लिया।

उपायुक्त मीणा ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी राशि जल्द बढ़कर साढ़े तीन करोड़ रुपए हो गई लेकिन वह निवेश की गई राशि को निकालने में असमर्थ थीं। उन्होंने लेन-देन की कड़ियों की जांच की और तीन लोगों की पहचान की।

आप के कार्यक्रम अब नए कार्यालय में होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने लुटियंस दिल्ली स्थित अपने नए कार्यालय एक, पंडित रविशंकर शुक्ला लेन में अपना बोर्ड लगा दिया और रविवार को स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू कर दी। पार्टी के एक नेता ने बताया कि संवाददाता सम्मेलन और कार्यक्रम अब नए कार्यालय में होंगे। स्थानांतरण की औपचारिकताएं जल्द ही पूरी कर ली जाएंगी। पिछले साल राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने वाली आप को दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद लुटियंस क्षेत्र में एक नया कार्यालय आवंटित किया गया था। पार्टी का निवर्तमान मुख्यालय राउज एवेन्यू में है।

ऐतिहासिक 400 साल पुराने बारापुला पुल का लौटेगा गौरव

● एलजी ने एक सप्ताह में दूसरी बार किया दौरा, जीर्णोद्धार तीन महीने में होगा काम पूरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

400 साल पुराने ऐतिहासिक बारापुला पुल को जायजा लेते उपराज्यपाल विनय सक्सेना।

राजधानी के निजामुद्दीन क्षेत्र में स्थित 400 साल पुराने ऐतिहासिक बारापुला पुल का गौरव एक बार फिर से लौटने जा रहा है। यह सब उपराज्यपाल वीके सक्सेना के जीर्णोद्धार करने के प्रयासों से संभव हो रहा है। बारापुला के जीर्णोद्धार के बाद इस बारापुला पुल को पुराने स्वरूप में बहाल किया जाएगा।

एलजी वीके सक्सेना रविवार सुबह बारापुला देखने पहुंचे ,उनका एक सप्ताह में दूसरी बार निरीक्षण था। उन्होंने इसकी बहाली के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इससे पहले एलजी 4 अगस्त को दौरा किया था। वर्तमान में बारापुला के आसपास अतिक्रमण के कारण पुरानी और ऐतिहासिक संरचना जीर्ण-शीर्ण हालत में होने और कचरे-मलबे के कारण यह कूड़ा घर में तब्दील हो गई थी। उपराज्यपाल ने मिशन मोड में यहां से अतिक्रमण को हटाने और पुल के जीर्णोद्धार का निर्देश दिया। एलजी के इस पहल का स्थानीय लोगों और प्रतिनिधियों ने भी स्वागत और समर्थन किया है।

करीब 200 मीटर लंबे इस पुल के जीर्णोद्धार के लिए रविवार को इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सौंप दिया गया। उपराज्यपाल के साथ इस दौरे पर दिल्ली के मुख्य सचिव और एएसआई के महानिदेशक भी शामिल थे,जिन्होंने तीन महीने के अंदर इस ऐतिहासिक पुल की पूर्ण रूप से बहाली का आश्वासन दिया। सक्सेना ने एएसआई को पुल की मूल संरचना को बरकरार रखते हुए, इसके जीर्णोद्धार का काम करने और इसके बाद यहां पर लाइट की पूरी व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है।

सक्सेना ने पुल के नीचे बहने वाले नाले से गाद निकालने और अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित एंजेसियें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आई एंड एफसी), रेलवे और एएसआई के प्रयासो की सराहना की।

इस पुल को करीब 400 साल पहले पूर्व सम्राट जहांगीर के सरंक्षण में मीनार बानू आगा ने बनवाया था। इसके बारह खंभों और 11 मेहराबों की वजह से इसको बारापुला का नाम दिया गया था। इतिहासकारों के अनुसार यह पुल सन् 1628 में बनाया गया था औरइसके और हुमायूं के मकबरे के बीच की चौड़ी सड़क पर एक कतार से पेड़ हुआ करते थे। इसे कभी दिल्ली के सबसे खूबसूरत पुलों में से एक माना जाता था। माना जाता है कि मुगलों द्वारा इस पुल का उपयोग दिल्ली से तत्कालीन राजधानी आगरा के रास्ते में आने वाली यमुना को पार करने और निजामुद्दीन की दरगाह और हुमायूं के मकबरे तक पहुंचने के लिए किया जाता था। यह पुल वास्तुशिल्प, इजीनियरिंग और राजमिस्त्रियों द्वारा किए गए निर्माण का एक नायाब नमूना है, जो अब अतिक्रमण और निर्माण के कारण छिपा हुआ था। गौरतलब है कि उपराज्यपाल का पदभार ग्रहण करने के बाद से ही दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण और उनका जीर्णोद्धार,वी.के. सक्सेना की पहली प्राथमिकता रहा है।

गुरुग्राम के सेक्टर-10 में रविवार को जाट भवन का शिलान्यास करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

सामाजिक कार्यों के लिए दान करना हमारी संस्कृतिः सीएम

- मुख्यमंत्री ने जाट कल्याण सभा के भवन का किया शिलान्यास
- ऐच्छिक कोष से 31 लाख की वित्तीय सहायता देने की भी घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सामाजिक कार्यों को लेकर हमारे समाज की संस्कृति रही है। जब भी अच्छे उद्देश्य व सामूहिकता के भाव के साथ कोई कार्य आरंभ किया जाए तो समाज आगे बढ ?र दान करता है। उन्होंने यह बात रविवार को गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित एलपाइन कांवेंट स्कूल में जाट कल्याण सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जाट कल्याण सभा के भवन का शिलान्यास भी किया।

नायब सिंह सैनी ने जाट कल्याण सभा को बधाई देते हुए कहा कि आपका यह भवन समाज के सभी वर्गों के लिए काम आएगा। साथ ही न केवल स्थानीय लोगों बल्कि दूरदराज से आने वालों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार आप लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। इस भवन की आधारशिला रखने का यह अवसर बड़ी खुशी का दिन भी है। उन्होंने भवन के निर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। साथ ही जाट कल्याण सभा द्वारा भवन की पार्किंग के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग पर मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार की नीति के अनुसार इस मांग को पूरा करवाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही स्वतंत्रता दिवस भी आने वाला है। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

'अच्छे उद्देश्य को लेकर संस्था को आगे बढ़ाएं'

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि कोई भी संस्थान तभी लंबा चलता है। जब उसको आगे बढ़ाने के लिए उद्देश्य अच्छे हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और डीएवी जैसे संगठन इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है। सांसद ने इस दौरान भवन निर्माण में 21 लाख रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा भी की। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जाट कल्याण सभा ने दिल्ली-एनसीआर सबसे बड़ा जाट भवन बनाने की जिम्मेदारी ली है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि निर्माण प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह भवन सर्वसमाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

'सामाजिक समरसता का बनेगा अनुपम उदाहरण'

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि यह भवन 36 बिरादरी के लोगों के लिए सदैव खुला रहेगा। भवन के निर्माण में खेल मंत्री संजय सिंह ने भी पांच लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले स्कूली विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र, जिलाध्यक्ष कमल यादव व महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, भाजपा के सुशासन विभाग के प्रदेश सहसंयोजक मनीष गाड़ौली, जाट कल्याण सभा के प्रधान प्रीतम सिंह व सभा के अन्य कार्यकारणी सदस्य तथा सीपी विकास अरोड़ा, एडीसी हितेश कुमार मीणा मौजूद रहे।

रविवार को हुई बरसात में डूबा गुरुग्राम

प्रशासन के जल निकासी के दावों की फिर से निकली हवा, रविवार को मुख्यमंत्री भी गुरुग्राम में थे मौजूद

सड़क पर भरे पानी से निकलते वाहन व लोग।

सुभाष चौक पर भरा बरसाती पानी।

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

ऐसी लागी झड़ी, पानी भरने से गुरुग्राम की हालत बिगड़ी। इलाज के लिए बरसात शुरू होने के साथ ही नगर निगम ने कुछ पंप लगाए, कुछ कर्मचारी लगाए। फिर भी शहर को डूबने से नहीं बचा पाए। बरसाती पानी निकाली के दावे फिर से फेल हो गए। पूरा गुरुग्राम कई-कई फुट बरसात के पानी में डूब गया। ऊपर से टूटी सड़कों ने वाहन चालकों, पैदल चलने वालों के लिए आफत खड़ी की।

गुरुग्राम शहर में सभी छोटी-बड़ी सड़कें रविवार को हुई बरसाती में डूब गई। बरसात के पानी में सैकड़ों दुपहिया, तिपहिया, चारपहिया वाहन बंद हो गए। बरसात का पानी इतना अधिक भर गया कि उसमें से वाहनों का निकलना दुभर हो गया। कुछ तो रात को हुई बरसात का पानी सड़कों से निकला नहीं था, ऊपर से रविवार को फिर से घंटों तक बरसात होती रही। इससे बरसात का पानी सड़कों पर बढ़ता चल गया। नए-पुराने गुरुग्राम में जिधर नजर दौड़ाएं, उधर पानी ही पानी नजर आया। नगर निगम, जीएमडीए ने जलभराव नहीं होने देने के दावे जरूर किए थे, मगर जलभराव खूब हुआ। नगर निगम ने दावा किया कि जगह-जगह पहले से लगाए गए पंप सेट से पानी की निकासी की गई। हाइवे पर बनाए गए सभी अंडरपास भी बरसात के पानी से लबालब हो गए। ऐहतियात के तौर पर पहले से ही कई अंडरपास में ना जाने के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं। क्योंकि अंडरपास में भरे में डूबने से पूर्व में कई मौतें हो चुकी हैं।

इस पानी को सहेजने पर नहीं दिया जा रहा ध्यानः बरसात जब होती है तो मूसलाधार होती है। शहर पानी की चपेट में होता है। इतना पानी बरसने पर भी कोई पानी को सहेजने पर ध्यान नहीं दे रहा। इस अनदेखी से लाखों गैलन पानी नालों में भी बह जाता है। अगर शासन-प्रशासन शहर में अलग-अलग स्थानों पर, पार्कों में, कंपनियों के कैंपस में, सड़कों किनारे व अन्य स्थानों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनवा दे तो बरसात के इस पानी से जमीन को रिचार्ज किया जा सकता है। इससे गुरुग्राम डार्क जोन से बाहर आ सकता है। आज गुरुग्राम में भू-जल स्तर काफी गहरा चुका है। इतने खतरे पर भी हम चेते नहीं हैं और बरसाती पानी की बर्बादी ही कर रहे हैं।

पानी में डूबा सदर पुलिस थाना।

जया बच्चन ने संसद में उठाया है गुरुग्राम का मुद्दाः गुरुग्राम में गंदगी को लेकर सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा ने संसद में मुद्दे को उठाया। यहां की दयनीय स्थिति को उजागर किया। साथ ही केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से आग्रह किया कि गुरुग्राम की स्थिति कराएं। इसके बाद अब राज्य सभा सांसद जया बच्चन ने गुरुग्राम में जलभराव का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से सवाल किया कि गुड़गांव को स्मार्ट सिटी घोषित किया गया है। अभी हाल ही में जो बारिश हुई, वहां कमर तक पानी भरा था। जया बच्चन ने कहा-मैं किसी काम से गुड़गांव जाना चाहती थी, पर नहीं जा सकी। जवाब में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जहां तक गुरुग्राम का विषय है, गुरुग्राम उस स्मार्ट सिटी में शामिल नहीं है।

नागरिक अस्पताल के जनरल वार्ड में भरा पानी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- बेसमेंट में बने वार्ड में थे करीब 60 मरीज, दूसरी जगह किए गए शिफ्ट

सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल का बेसमेंट हर बारिश में पानी से लबालब हो जाता है। ऐसे में वहां पर भर्ती मरीजों, स्टाफ व अन्य विभागों के कर्मचारियों को काफी दिक्कत होती है। रविवार को सुबह से हो रही बरसात का पानी बेसमेंट में भरा गया। इस कारण से वहां जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों को ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर पर अन्य वार्ड में शिफ्ट किया गया।

रविवार की सुबह से कभी तेज तो कभी धीमी बारिश हो रही है। इस बारिश के कारण सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में मरीजों की शामत आ गई। उन मरीजों की जो अस्पताल के बेसमेंट में बने जनरल वार्ड में भर्ती थे। देखते ही देखते बेसमेंट में पानी भरने लगा और पानी जनरल वार्ड में भी भर गया। इससे वहां भर्ती मरीजों व उनके साथ तिमारदारों में अफरा-तफरी मच गई। वार्ड में कार्यरत स्टाफ की ओर से अपने सीनियर अधिकारियों को वार्ड में पानी भरने की जानकारी दी गई। इसके बाद आनन-फानन में मरीजों को वहां से निकालकर अस्पताल की ऊपरी मंजिलों पर बने अलग-अलग वार्ड में शिफ्ट करने का काम किया गया।

नागरिक अस्पताल के बेसमेंट में जनरल वार्ड में भरे पानी से बाहर निकाले जा रहे मरीज।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार वार्ड में करीब 60 मरीज भर्ती थे। वार्ड में पानी भरने के कारण कुछ मरीज डर भी गए थे। अधिकारियों के निर्देश पर मरीजों को ऊपर की मंजिलों पर सुकून सेंटर, कैदी वार्ड, आईसीयू, एचडीयू, सर्जरी व इमरजेंसी में शिफ्ट किया गया।

बता दें कि अस्पताल की बेसमेंट में बरसात का पानी भरने की यह कोई पहली घटना नहीं है। जब भी बरसात आती है तो बेसमेंट पानी से भर जाता है। कुछ वर्ष पूर्व तो इस बेसमेंट में रखी लाखों रूपये की दवाइयां बरसात के पानी में खराब हो गई थी। हर बार की इस समस्या के निराकरण के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाते। बरसात का पानी कहां से आता है, इसके कारण नहीं खोजे जाते। मरीजों व सामान को शिफ्ट करके ही काम की पूर्ति कर ली जाती है। ऐसे ही चलता रहा तो अस्पताल की यह आलीशान बिल्डिंग कमजोर होती चली जाएगी। किसी दिन बड़ा हादसा होगा, तब शासन-प्रशासन जागेगा। तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि अस्पताल में पानी भरने के मामले को गंभीरता से ले।

सीएम साहब! अब तो अपनी आंखों से देख लिया डूबता गुरुग्रामः पंकज डावर

गुरुग्राम। सीएम साहब कुछ सुधारो। अब तो आपने अपनी आखों से गुरुग्राम को डूबते हुए देख लिया है। अपने अफसरों से जवाब मांगो, ताकि इस शहर का कुछ भला हो जाए। वैसे अब गुरुग्रामवासी आपकी सरकार से उम्मीद छोड़कर यहां के विकास की उम्मीद कांग्रेस पर लगा चुके हैं। यह बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने रविवार की बरसात में डूबे गुरुग्राम के हालातों पर कही। पंकज डावर ने कहा कि मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में थे। जहां वे गए, वहां उनके सामने कई फुट पानी था। उनकी खुद की गाड़ी के टायर पानी में डूबे थे। ऐसे हालत देखकर उन्हें अहसास जरूर हुआ होगा कि गुरुग्राम के हालत क्या हो चुके हैं। अधिकारी उनके सामने किस तरह से सब कुछ सही होने के दावे करते हैं। पंकज डावर ने कहा कि अब गुरुग्राम की जनता उस पार्टी पर कभी विश्वास नहीं करेगी, जिसने पिछले 10 साल में हरियाणा को हाशिये पर धकेला हो। विकास के सिर्फ ढोल पीटे गए, विकास कहीं नजर नहीं आया। विज्ञापनों में सरकार ने हरियाणा को अग्रणी दिखाने का प्रयास किया है, लेकिन धरातल पर विकास को खुद मुख्यमंत्री आज देखकर गए हैं।

कांग्रेस नेता पंकज डावर

पद्मावती कन्या महाविद्यालय का सीएम ने किया शिलान्यास

- कॉलेज के निर्माण के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा भी की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के विस्तार के लिए नई-नई कार्य योजनाएं तैयार की जा रही है। आज 20 किलोमीटर के दायरे में एक कॉलेज खोला गया है, जिससे प्रदेश की बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के क्षेत्र में जाने से राहत मिली है।

मुख्यमंत्री रविवार को पलवल में मंदिर श्री सीताराम जी सेवा समिति द्वारा बनाए जा रहे महारानी पद्मावती कन्या महाविद्यालय का शिलान्यास करने के उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पलवल के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्टेडियम में करीब 14 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पलवल में महारानी पद्मावती कन्या महाविद्यालय के बनने से इस क्षेत्र की बेटियों को पढ़ने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। प्रदेशभर में 20 किलोमीटर की दूरी पर एक महाविद्यालय की स्थापना करवाई गई है। अब प्रदेश में बेटियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ता। इससे अभिभावक भी अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलवाकर उन्हें आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महारानी पदमावती का बहुत ही गौरवमयी इतिहास रहा है। इस नाम से बनने वाले कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में भी अच्छे संस्कार आएंगे। बेटियों के लिए कॉलेज का निर्माण एक पुण्य का कार्य है। इससे नई पीढ़ी को आगे ब ?ने में बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने कॉलेज के निर्माण के लिए ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के निर्माण के लिए 31 लाख रुपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस कॉलेज के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुरुग्राम। हरियाणा एनसीबी यूनिट गुरुग्राम द्वारा थाना पटौदी क्षेत्र में 2 नशा तस्करों को 17.88 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया। पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमारी के नेतृत्व में समूचे हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान नशामुक्त हरियाणा-नशामुक्त भारत के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान यूनिट द्वारा दो नशा तस्कर आरोपियों मोहित पुत्र रणबीर वासी नरहेड़ा, थाना पटौदी (गुरुग्राम) व अंकित पुत्र राजेंद्र वासी नरहेड़ा थाना पटौदी (गुरुग्राम) को 17.88 ग्राम हेरोइन सहित काबू करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

सीकरी ने किया स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

- समाजसेवी संस्थाओं को ऐसे शिविर समय-समय पर लगाने का दिया संदेश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राम नगर आर्य समाज मंदिर में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते बोधराज सीकरी।

राम नगर आर्य समाज द्वारा रविवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया। आर्य समाज राम नगर के प्रधान ओमप्रकाश चुटानी और महामंत्री रोहतास सिंह ने बोधराज सीकरी का स्वागत किया।

महिलाओं ने पुष्प भेंट करके उनका स्वागत किया। इस अवसर पर आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान अशोक आर्य, 4/8 मरला आर्य समाज के प्रधान रामबीर शास्त्री और पंजाबी बिरादरी महासंगठन के संयुक्त महामंत्री गजेंद्र गोसाई उपस्थित रहे। बोधराज सीकरी ने आर्य समाज की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में जागरुकता लाने और स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शहीदों के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

- विधायक नयनपाल रावत ने किया नेतृत्व कहा, शहीदों के जीवन से लेनी चाहिए प्रेरणा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

शहीदों के सम्मान में रविवार को जिला के गांवों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस कड़ी में पृथला विधानसभा क्षेत्र से विधायक नयनपाल रावत के नेतृत्व में पृथला गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस असवर पर गांव पृथला के सरपंच सतेंद्र कटारिया, मांगेराम कटारिया, रत्न मेंबर, पप्पू मेंबर, राजकुमार मेंबर, अनिल मेंबर विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक नयनपाल रावत ने कहा कि शहीदों के सम्मान में देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। तिरंगा यात्रा निकालकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए अनेक शहीदों ने अपना जीवन बलिदान किया है। शहीदों के बदौलत ही हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। ऐसे अमर शहीदों को सम्मान देने उद्देश्य से ही तिरंगा यात्रा का आयोजन किया कजा रहा है। वहीं हमें शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

विधायक नयनपाल रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा भी शहीदों को सम्मान दिया जा रहा है।

हरियाणा में भाजपा की 29 दिन की सरकार बची है: दीपेंद्र

- पदक जीतने के लिए देश भर में हुड्डा सरकार वाली खेल नीति चाहिए
- आखिरी महीने में सरकार की घोषणाएं इस बात का सबूत है 10 साल में कोई काम नहीं किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रोहतक से लोकसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार 29 दिन की बची है। मुख्यमंत्री द्वारा आखिरी महीने में घोषणाएं करना इस बात का कबूलनामा है कि 10 साल में कोई काम नहीं किया गया। यह बात रोहतक से लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा मांगे हिसाब अभियान के दौरान पटौदी विधानसभा क्षेत्र में कही।

इस अभियान के तहत दीपेन्द्र हुड्डा ने ओल्ड कोर्ट बिल्डिंग भोड़ाकलां से पदयात्रा शुरू की, जो शहीद स्मारक पटौदी होते हुए पेट्रोल पम्प रेवाड़ी रोड पर सम्पन्न हुई। इस दौरान भारी बारिश के बावजूद पटौदी की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ गया था, जो इस बात का प्रतीक है कि लोगों ने बीजेपी सरकार को सत्ता से हटाने का मन बना लिया है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के खिलाडियों ने पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन किया है।

ओलंपिक में 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते जो पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की खेल नीति का कमाल है। उन्होंने कहा कि 2न्न की आबादी वाला प्रदेश 6 में से 5 मेडल जीत रहा है तो बाकी प्रदेशों में क्या हो रहा है?

एनएचएम कर्मचारियों ने बारिश के पानी में खड़े होकर किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अस्पताल के बाहर बरसात के पानी में खड़े होकर प्रदर्शन करते एनएचएम के कर्मचारी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हड़ताली कर्मचारियों ने बरसात के पानी में खड़े होकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। जमकर नारेबाजी की। एनएचएम कर्मचारी यूनियन की ओर से छह दिन की हड़ताल बढ़ाने के साथ ही निर्णय लिया कि 12 अगस्त को कर्मचारी विरोध में मुंडन कराएंगे।

एनएचएम कर्मचारी सांझा मोर्चा हरियाणा के संयोजक हरि राज ने कहा कि सरकार एनएचएम कर्मचारियों की मांगों को लेकर कोई ध्यान नहीं दे रही। सरकार हठधर्मिता करके बैठी है। अन्य कर्मचारियों को सरकार ने राहत दी है तो एनएचएम कर्मचारियों को भी सरकार की ओर से राहत दी जानी चाहिए। सभी कर्मचारी अपने काम को पूरी शिद्दत व जिम्मेदारी से करते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से एनएचएम कर्मचारियों की मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं देने के कारण हड़ताल छह दिन और बढ़ा दी गई है।

पूरे जोश के साथ चलाया हर घर तिरंगा अभियान

- हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जयघोष के नारे लगाए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

तिरंगा यात्रा निकालते लोग।

हर घर तिरंगा अभियान गांव-गांव में उत्साहपूर्वक चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग और पंचायत एवं विकास विभाग की ओर से गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर तिरंगा यात्राएं निकाली गईं।

एडीसी हितेश कुमार मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिलों में हर घर तिरंगा अभियान रविवार से शुरू किया गया। यह अभियान 14 अगस्त तक जारी रहेगा। भारत की आजादी के लिए जिन वीरों ने अपना बलिदान दिया, उनको याद करते हुए लोगों ने तिरंगा झंडा फहराया। देश में एकता व भाईचारे की भावना को बनाए रखने के लिए सभी नागरिक राष्ट्र की उन्नति व सुख-समृद्धि के लिए अपना योगदान देंगे। एडीसी ने बताया कि आज गांव बिलासपुर कलां, बसतपुर, नानुकला, टीकली, सकतपुर, भोडा खुर्द, ताजनगर, माकडोला, साढराणा, पटौदी, फरूखनगर, सोहना, समरथला, नीमोठ इत्यादि में आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने तिरंगा यात्रा निकाली।

11 लोग पानी में बहे, नौ की मौत

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले से कार में सवार होकर पंजाब के नवांशहर आ रहा था परिवार

- एक खड्ड पार करते समय पानी में बह गई यात्रियों से भरी इनोवा
- नौ शव बरामद, एक को सकुशल बचाया, एक अन्य की तलाश जारी

तेज बहाव के कारण पानी में बहने के बाद पेड़ों में फंसी कार।

पानी में बहती जा रही कार को देखते स्थानीय लोग।

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब के छह जिलों में शनिवार की रात से लगातार हो रही बारिश ने तबाही मचा दी है। राज्य के होशियारपुर में रविवार को हिमाचल की सीमा से सटे गांव में एक खड्ड पार करते समय यात्रियों से भरी कार पानी में बह गई। जिसमें 11 लोग सवार थे। नौ कार सवारों की लाशें निकाली जा चुकी हैं जबकि एक को सकुशल बचाए जाने के बाद एक अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार लापता लोगों की तलाश जारी है। पुलिस ने नौ लाशें बरामद कर ली हैं। यह लोग हिमाचल प्रदेश के जिले ऊना के देहला से गाड़ी में सवार होकर पंजाब के नवांशहर आ रहे थे। पंजाब-हिमाचल के सीमावर्ती इलाके जेजो दोआब में भारी बारिश के कारण एक इनोवा कार खड्ड में बह गई। इससे इसमें सवार 9 लोगों की मौत हो गई है। होशियारपुर के एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने बताया है कि जेसीबी मशीनों की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया जा रहा है। इस दौरान कार में फंसे एक व्यक्ति को बचा लिया गया है। इसके अलावा बाकी सभी लोग गाड़ी के दरवाजे खोलकर बाढ़ में बह गए। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एनडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम के आने के बाद लापता लोगों की तलाश शुरू की। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि यह लोग हिमाचल से पंजाब के नवांशहर बारात में आ रहे थे। सभी लोग एक ही परिवार के हैं। गाड़ी में सवार मृतकों की पहचान दीपक पुत्र सुरजीत भाटिया, सुरजीत पुत्र गुरदास राम, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना (18), अंजू (20), हरमीत (12) सभी निवासी देहरा हिमाचल के रूप में हुई है।

पंजाब-हरियाणा में बारिश के कारण उमस से मिली राहत

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में रविवार को बारिश हुई जिससे लोगों को उमस से राहत मिली। मोहाली, लुधियाना, अमृतसर, रूपनगर और अंबाला समेत कई स्थानों पर बारिश हुई। मौसम विज्ञान विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे के दौरान पठानकोट में 82 मिलीमीटर, गुरदासपुर में 68.8 मिमी और अमृतसर में 57.6 मिमी बारिश हुई। हरियाणा के अंबाला में इस अवधि के दौरान 83.8 मिमी, करनाल में 36.8 मिमी, सिरसा में 20 मिमी और हिसार में छह मिमी बारिश हुई। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में 28.8 मिमी. बारिश हुई।

फिर से सक्रिय राजनीति में लौटेंगे नवजोत सिद्धू

चंडीगढ़। आईपीएल मैच की कमेंट्री में व्यस्त नवजोत सिद्धू एक बार फिर से नेता के रूप में सक्रिय होने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार से दूर रहे नवजोत सिंह ने रविवार को एक वीडियो जारी करके इसके संकेत दिए हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने नए वीडियो में पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपनी वीडियो में कहा- शतरंज का वजीर हो या इंसान का जमीर... गिर गया समझो खेल खत्म...। दो दिन पहले ही नवजोत सिंह सिद्धू तीन बार विधायक रहे सुरजीत धीमान के घर पहुंचे थे। वह सुरजीत धीमान की पत्नी बलबीर कौर के देहांत के बाद उनसे मिलने व अफसोस करने पहुंचे थे। नवजोत सिंह सिद्धू 2022 में अमृतसर ईस्ट से चुनाव हारने के बाद वे पटियाला शिफ्ट हो गए। इसके बाद लोकसभा 2024 के चुनाव भी आए, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू न प्रचार में आए और ना ही किसी उम्मीदवार के लिए प्रचार किया। हाल ही में प्रचार के लिए पटियाला आई प्रियंका गांधी ने नवजोत सिद्धू के साथ मुलाकात की थी। जिसके बाद यह अटकलें थी कि नवजोत सिद्धू फिर से सक्रिय राजनीति में आ सकते हैं। पिछले दो दिन से सिद्धू की सक्रियता पंजाब की राजनीति में चर्चा का विषय बनी हुई है।

रविवार को अमृतसर के दरबार साहिब पहुंचे भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी।

दरबार साहिब में नतमस्तक हुई हॉकी टीम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

- शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष प्रो. हरजिंदर सिंह धामी ने टीम को किया सम्मानित

पेरिस ओलंपिक में विजयी हुई भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी रविवार की सुबह सचखंड हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक हुए। दरबार साहिब के सूचना केंद्र में शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष प्रो.हरजिंदर सिंह धामी ने टीम को सम्मानित किया।

दरबार साहिब नतमस्तक होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंट सिंह, शमशेर सिंह, जुगराज सिंह के अलावा टीम के कोच तथा खिलाड़ियों के पारिवारिक सदस्य भी शामिल थे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में एसजीपीसी अध्यक्ष धामी ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि भारतीय हॉकी टीम में पंजाब से सर्वाधिक खिलाड़ी रहे हैं। टीम में शामिल पंजाब के खिलाड़ियों ने लंबे समय के बाद हॉकी से संबंधित पंजाब के इतिहास को दोहराया है। उन्होंने कहा कि एसजीपीसी हमेशा ही अपने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती रही है। धामी ने टीम में शामिल गुरसिख खिलाड़ी जर्मनप्रीत सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि सिख परिवारों से संबंधित खिलाड़ियों को खेलते समय अपने सिखी-स्वरूप को भी कायम रखना चाहिए। हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि वह आज टीम के खिलाड़ियों के साथ दरबार साहिब में नतमस्तक होकर बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

अंत्योदय मिशन से बनेंगे तीन करोड़ आवास

- हरियाणा की योजना को देशभर में लागू करेंगे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में 'अंत्योदय मिशन' के तहत कई योजनाओं को लागू कर चुके केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल अब देशभर में इस मिशन को आगे बढ़ाएंगे। जिसके तहत तीन करोड़ आवास बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 'मनोहर अंत्योदय मिशन' से गरीबों को जहां छत मिलेगी वहीं मध्यम वर्गीय परिवारों को भी आवास मुहैया करवाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के निर्देशानुसार केंद्र की ओर से राज्यों को प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। हरियाणा में बतौर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गरीबों के आवास के सपने को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना की शुरुआत की।

योजना के तहत हरियाणा में तीन लाख से ज्यादा लोगों ने मकान के लिए पंजीकरण भी कराया। यही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 50 हजार से ज्यादा लोगों को अपना आवास मिला।

केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद राज्यों से डिमांड मंगाने का भी प्रपोजल तैयार किया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि केंद्र की तरफ से तीन करोड़ आवास बनाए जाएंगे, इनमें दो ग्रामीण और एक करोड़ शहरी क्षेत्र में प्रस्तावित हैं।

एचएसएससी के निर्देश अधिकारी पोर्टल पर दें रिक्त पदों के मांग पत्र

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग के अंतर्गत ग्रुप-ए और ग्रुप-बी पदों के नियुक्त अधिकारियों को अधिकारिक पोर्टल के माध्यम से डिमांड लेटर अपलोड करने का निर्देश दिया है। रिक्त पदों के लिए भर्ती फॉर्म अभी तक ऑफलाइन मोड में भेजे जा रहे थे, जिससे कई विसंगतियों के कारण देरी हो रही थी। इसे देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। सरकार ने तय किया है कि भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आगे से केवल ऑनलाइन भर्ती फॉर्म पर ही विचार किया जाएगा। आयोग चेयरमैन हिम्मत सिंह ने रविवार को बताया कि आयोग द्वारा 1456 प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी) पदों के लिए भी विज्ञापन जारी किया गया है।

भाजपा की सक्रिय राजनीति में कुलदीप बिश्नोई की वापसी

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

- चुनाव समिति व प्रबंधन समिति में मिली जिम्मेदारी
- राव इंद्रजीत व सुधा यादव को शामिल कर दक्षिण में बनाया संतुलन
- अनिल विज, किरण चौधरी, रणजीत चौटाला व नवीन जिंदल का नाम शामिल नहीं
- देवीलाल व बंसीलाल परिवार समितियों से बाहर

दिल्ली में शीर्ष नेताओं के साथ मुलाकात करके सक्रिय राजनीति में वापसी की कवायद में लगे पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के पुत्र कुलदीप बिश्नोई की भाजपा के संगठन में वापसी हो गई है। लोकसभा चुनाव के दौरान घर बैठे रहे कुलदीप इस बार विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका में नजर आएंगे।

चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कोई सक्रियता नहीं दिखाई लेकिन अब भाजपा ने उन्हें मजबूत बना दिया है। हरियाणा में भाजपा ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव समिति तथा चुनाव प्रबंधन समिति का गठन करके कई नए प्रयोग किए हैं। प्रदेश चुनाव समिति तथा प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति की सूची में पार्टी ने जातिगत व क्षेत्रीय समीकरणों का पूरा ख्याल रखा है। हरियाणा में तीन नवंबर से पहले नई सरकार का गठन होना है।

भाजपा द्वारा प्रदेश चुनाव समिति में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अलावा मुख्य रूप से राव इंद्रजीत और कृष्णपाल गुर्जर समेत 20 नेताओं को शामिल किया गया है। प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति की कमान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को सौंपी गई है। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हुए रणजीत चौटाला तथा नवीन जिंदल को इसमें शामिल नहीं किया गया है। हालही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आई किरण चौधरी की यहां पर भी हालत कांग्रेस जैसी हो गई है। किरण चौधरी को भी किसी समिति में शामिल नहीं किया गया है।

हरियाणा में नेतृत्व परिवर्तन के दौरान बागी तेवर दिखाने वाले अनिल विज को किसी भी समिति में नहीं लिया गया है। सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद वह भाजपा के कार्यक्रमों से दूरी बनाए हुए हैं। विज केवल अपने विधानसभा क्षेत्र अंबाला छावनी पर ही फोकस कर रहे हैं। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में सिरसा सीट पर सुनीता दुग्गल का टिकट काटकर डॉ. अशोक तंवर को उम्मीदवार बनाया था। अब विधानसभा चुनाव से पहले सुनीता दुग्गल को दोनों समितियों में शामिल किया गया है। इन सूचियों में क्षेत्रीय समीकरणों का भी ख्याल रखा गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत और उनकी विरोधी सुधा यादव को भी शामिल किया गया है।

नवीन जिंदल ने किया तिरंगा यात्रा का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि देश को एक सूत्र में पिरोने का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा सबसे पावन प्रतीक है। यह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा जातपात, धर्म, मजहब से ऊपर उठकर देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय भावना से जोड़ने का काम करता है। इतना ही नहीं इस प्रकार के कार्यक्रम से देश के सैकड़ों वीर शहीदों की शहादत को याद करने के अवसर भी मिलते हैं और इन कार्यक्रमों से युवाओं को शहीदों की शहादत को जानने का अवसर मिलता है।

सांसद ने रविवार को जिला प्रशासन जिला खेल विभाग और शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित हर घर तिरंगा यात्रा के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इससे पहले सांसद नवीन जिंदल ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी देकर रवाना किया। उसके बाद सांसद नवीन जिंदल के साथ-साथ सभी मेहमानों ने द्रोणाचार्य स्टेडियम से लेकर नए बस स्टैंड तक तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

हिसार में बदलाव जनसभा में लोगों का अभिवादन स्वीकार करतीं सुनीता केजरीवाल।

भाजपा ने हरियाणा के लिए कुछ नहीं किया: सुनीता

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल ने रविवार को हिसार में बदलाव जनसभा की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा, डॉ. मनीष यादव, पवन फौजी, संजय बूरा, वीरेंद्र शर्मा, उमेश शर्मा, संजय सतरोडिया, रविंद्र श्योराण, सुभाष कुंडू, दलबीर किरमारा, सीताराम, सतबीर झांझरिया, रामनाथ धुरवारिया, डॉ. सीपी गुप्ता, विजय चौधरीवास और राजेंद्र सोरखी भी मुख्य तौर पर मौजूद रहे।

सभा में उमड़े जन सैलाब को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुफ्त और 24 घंटे बिजली और अच्छे स्कूल-अस्पताल के लिए हरियाणा की जनता आम आदमी पार्टी को मौका दे। भाजपा सरकार में हरियाणा के अंदर सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है। यहां के बच्चे पढ़ने के लिए कहां जाएंगे। पिछले 10 सालों में भाजपा की सरकार ने आपके लिए कुछ नहीं दिया। इसलिए इस बार के चुनाव में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिलनी। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल, हरियाणा के लाल हैं।

पंचकूला में बनेंगे शूटिंग रेंज व इंजीनियरिंग कॉलेज

- सीएम आज रखेंगे दोनों प्रोजेक्टों की बुनियाद

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को पंचकूला को 2 बड़ी सौगात देंगे। वे सेक्टर 32 में विश्व स्तरीय शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की आधारशिला रखेंगे।

विस अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने बताया कि सेक्टर 32 में विश्व स्तरीय शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण की ओर से किया जाएगा। यह रेंज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी के हिसाब से तैयार की जाएगी। 13.75 एकड़ में बनने वाली इस परियोजना पर करीब 150 करोड़ रुपये की लागत आएगी। परियोजना 2 वर्ष में पूरी होगी।

यहां खेल इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करते हुए 10 मीटर रेंज के 60 टारगेट, 25 मीटर रेंज के 40 टारगेट और 50 मीटर रेंज के 60 टारगेट होंगे। प्रत्येक रेंज में 300 दर्शकों की बैठने की क्षमता रहेगी। इसके अलावा यहां प्रशासनिक कार्यालय, रेंज कार्यालय, जूरी रूम, टीवी/रेडियो रूम, नियंत्रण कक्ष, जज एरिया, शस्त्रागार, उपकरण व स्टोर रूम, मेडिकल एवं एंटी-डॉपिंग रूम और उपकरण जांच नियंत्रण कक्ष स्थापित होंगे।

केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम आज से हरियाणा के दौरे पर

- सीएम की घोषणाओं पर जारी हो रही अधिसूचनाएं
- एक माह में तीसरी बार 17 अगस्त को होगी मंत्रिमंडल की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा की अफसरशाही भी जहां चुनावी मोड पर आ गई है वहीं केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम सोमवार से दो दिन के लिए हरियाणा दौरे पर आ रही है। निर्वाचन आयोग की टीमों द्वारा प्रदेश में चुनाव प्रबंधों पर बैठक ली जाएगी।

चंडीगढ़ स्थित सिविल सचिवालय में जहां शनिवार व रविवार को अवकाश के बावजूद कई शाखाओं में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहते हैं वह देर रात तक सचिवालय के कार्यालय खुलने लगे हैं। जिससे संकेत मिल रहे हैं कि सरकार अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में चुनाव करवाने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। सभी विभागों के आला अधिकारी मुख्यमंत्री द्वारा फील्ड में की जा रही घोषणाओं की व्यवहारिकता की जांच के साथ-साथ तत्काल प्रभाव से उस पर अधिसूचनाएं जारी कर रहे हैं।

kotak Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **ABHISHEK KUMAR** having address at **22-34 FF WEST PATEL NAGAR** with **EAST PATEL NAGAR, 1/11 EAST PATEL NAGAR , NEW DELHI 110008** remains un-operated from last 6 years.

All the 3 letters earlier sent to **ABHISHEK KUMAR** calling upon him to clear dues and to operate the locker has returned unserved and he is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **ABHISHEK KUMAR** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **November 10 ,2024** at around **12p.m.**

kotak Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **DISCOVERY WORLD TRAVEL (INDIA)** having address at **11-27, 1ST FLOOR, WEST PATEL NAGAR** with **EAST PATEL NAGAR, 1/11 EAST PATEL NAGAR , NEW DELHI 110008** remains un-operated from last 6 years.

All the 3 letters earlier sent to **DISCOVERY WORLD TRAVEL (INDIA)** calling upon it to clear dues and to operate the locker has returned unserved and it is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **DISCOVERY WORLD TRAVEL (INDIA)** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **November 10, 2024** at around **12p.m.**

kotak Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **NAVIN KUMAR** having address at **SHOP NO 69 SHANKAR, MARKET CON PLACES,NR SUPER BAZAR BUILDING, NEW DELHI-110001** with **EAST PATEL NAGAR, 1/11 EAST PATEL NAGAR , NEW DELHI 110008** remains un-operated from last 4 years.

All the 3 letters earlier sent to **NAVIN KUMAR** calling upon him to clear dues and to operate the locker has returned unserved and he is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **NAVIN KUMAR** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **November 10 ,2024** at around **12p.m.**

राज्य सरकार ने शहर की कई छोटी-बड़ी विकास योजनाओं पर लगाई मुहर: सुधा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार का पूरा फोकस थानेसर हलका के विकास पर है। इस धर्मक्षेत्र में चारों तरफ विकास कार्य चल रहे है। इस शहर में सड़कों, गलियों का निर्माण कार्य चल रहा है। इन विकास कार्यों के लिए सरकार द्वारा नगर परिषद की विभिन्न छोटी व बड़ी विकासकारी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने पर अपनी मोहर लगा दी है। राज्यमंत्री सुभाष सुधा रविवार को सेक्टर 4 के सामुदायकि केंद्र में नगर परिषद थानेसर के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। यहां पहुंचने पर राज्यमंत्री सुभाष सुधा का सेक्टर 4, सेक्टर 8, सेक्टर 9, लॉटस ग्रीन सिटी वेलफेयर एसोसिऐशन के प्रधान, पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया और विकास कार्यों की सौगात देने पर

आभार व्यक्त किया।

इस दौरान राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने विभिन्न सेक्टरों में 11 करोड़ 3 लाख 19 हजार की राशि से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया। राज्यमंत्री ने कहा कि नेसर हलका के विकास पर सरकार की तरफ से कई हजार करोड़ रुपए छोटी व बड़ी विकास कारी योजनाओं को पूरा करने का काम किया है और कुछ योजनाओं पर तेजी के साथ कार्रवाई की जा रही है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, **Avinash Choudhary S/o** Ramvir Singh R/o III-A, 37, Nehru Nagar, Ghaziabad U.P have changed my name from Avinash Chaudhary to Avinash Choudhary for all future purposes

PD(671)A

I, **Avinash Choudhary S/o** Ramvir Singh R/o III-A, 37, Nehru Nagar, Ghaziabad U.P. have changed my name from Avinash Chaudhary to Avinash Choudhary for all future purposes.

PD(672)C

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Shashi Singh Khetwal is the owner of Built-up Property no. RZ-653/B, area measuring 83.61 sq. mtrs.. (i.e. 100 sq. yards) out of Khasra No. 877/794/797, in Gali No. 18-E, situated in the Revenue Estate of Village Nasirpur & the Colony known as Sadh Nagar-II, Palam Colony, New Delhi-110045 vide Relinquishment Deed dated 01.07.2024 vide Doc. No. 2024/16I/8731. All persons are hereby informed that above mentioned owner wants to sell the said property to a person who intends to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its sale/mortgage /litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

सार्वजनिक सूचना दी जाती है कि मैं, सतविंदर सिंह, संपत्ति संख्या E - 4, बी.के.दत्त कॉलोनी, कर्बला अलीगंज, नई दिल्ली - 110003 के लिए परित्याग विलेख (रेलिंक्विशमेंट डीड) के आधार पर नामांतरण / म्यूटेशन के लिए एल&डीओ में आवेदन दाखिल कर रहा हूँ। यदि किसी भी व्यक्ति को इस आवेदन पर कोई आपत्ति या दावा है, तो उसे सहायक दस्तावेजों के साथ पंजीकृत डाक द्वारा या एल&डीओ, निर्माण भवन, नई दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से जाकर या ldo@nic.in पर ईमेल के माध्यम से, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सूचित किया जाए।"

SATVINDER SINGH
R/o: E-4, B.K.Dutt Colony,
Karbala Aliganj, New Delhi - 110003
Ph: 8800544599

kotak Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **NIDHI BHATIA** having address at **SHOP NO 69 SHANKAR, MARKET CON PLACES, NR SUPER BAZAR BUILDING, NEW DELHI-110001** with **EAST PATEL NAGAR, 1/11 EAST PATEL NAGAR , NEW DELHI 110008** remains un-operated from last 6 years.

All the 3 letters earlier sent to **NIDHI BHATIA** calling upon her to clear dues and to operate the locker has returned unserved and she is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **NIDHI BHATIA** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **November 10 ,2024** at around **12p.m.**

kotak Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **SAMARTH RAJ MEHTA** having address at **FLAT NO 307 PKT B V SEC 8 ROHINI** with **EAST PATEL NAGAR, 1/11 EAST PATEL NAGAR , NEW DELHI 110008** remains un-operated from last 3 years.

All the 3 letters earlier sent to **SAMARTH RAJ MEHTA** calling upon him to clear dues and to operate the locker has returned unserved and he is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **SAMARTH RAJ MEHTA** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **November 10 ,2024** at around **12p.m.**

kotak Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **TARUN SRIVASTAVA** having address at **H NO-3393 2ND FLOOR,OLD PUSA GATE,NR-SIDDHARTH,HOTEL SOUTH PATEL NAGAR** with **EAST PATEL NAGAR, 1/11 EAST PATEL NAGAR , NEW DELHI 110008** remains un-operated from last 6 years.

All the 3 letters earlier sent to **TARUN SRIVASTAVA** calling upon him to clear dues and to operate the locker has returned unserved and he is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **TARUN SRIVASTAVA** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **November 10 ,2024** at around **12p.m.**

यूनुस को जिम्मेदारी

मोदी की मुबारकवाद

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को उनके बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने पर मुबारकवाद दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर मुबारकवाद देते हुए बांग्लादेश में वर्तमान राजनीतिक उथलपुथल के बीच हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यकों की दयनीय दशा पर चिन्ता प्रकट की है। मोहम्मद यूनुस ने अपनी ओर से कानून-व्यवस्था बहाल करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस बीच भारत सरकार ने विभिन्न चैनलों के माध्यम से क्षेत्रीय स्थायित्व के लिए अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में अपनी चिन्ताओं पर जोर दिया है। सीमा पार कर भारत में आने का प्रयास करने वाले सैकड़ों लोगों को सीमा सुरक्षा बल ने वापस भेजा है। बांग्लादेश में स्थिति अस्थिर बनी हुई है क्योंकि विरोध प्रदर्शन की शुरुआत करने वाले छात्रों पर 'दुष्ट तत्व' हावी हो गए हैं जो स्थिति का लाभ उठा कर लूट और आगजनी में लिप्त हैं तथा वे जनता का व्यापक समर्थन जुटाने के लिए अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं। धीरे-धीरे पर निश्चित रूप से बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव ने सांप्रदायिक तनावों को भी भड़का दिया है। जनसंख्या का 8-10 प्रतिशत हिस्सा हिंदू अल्पसंख्यक अत्याचारों का बुरी तरह शिकार बने हैं। हालिया खबरों से संकेत मिलता है कि हिंदू मंदिरों, बिजनेसों और घरों पर हमले बढ़ रहे हैं जिससे इस समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल गंभीर रूप ले रहा है।

मोहम्मद यूनुस से प्रधानमंत्री मोदी का संपर्क बांग्लादेश के एक सम्मानित व्यक्ति से संबंध स्थापित करने का सुनियोजित तरीका है

जिनकी अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता और प्रभाव है। मोहम्मद यूनुस से संपर्क कर मोदी बांग्लादेश में मानवाधिकारों तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत के समर्थन का संकेत दे रहे हैं। इसके साथ ही वे हिंदू समुदाय की सुरक्षा और बेहतरी के प्रति अपनी चिन्ता भी प्रकट कर रहे हैं। भारत इस समय दुविधा की स्थिति में है। उसने लगातार शेख हसीना का समर्थन किया है और स्थितियों में आमूल परिवर्तन के बावजूद ऐसा कर रहा है। शेख हसीना अब अपने देश में अलोकप्रिय हो गई हैं, जबकि उनके विरोधी बहुत शक्तिशाली हैं। हसीना को अपने खिलाफ जांच में शामिल होने को कहा जा सकता है जिससे भारत द्वंद्व का शिकार हो सकता है। अच्छी बात है कि मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया है। वे सत्ता के गलियारों में 'बाहरी' व्यक्ति होने के बावजूद एक सम्मानित व्यक्ति हैं और उनका ट्रैक रिकार्ड बेदाग है। कहा जाता है कि चीन और पाकिस्तान ने हसीना के तख्तापलट में सहयोग किया है और वे भारत-बांग्लादेश संबंध खराब करना चाहते हैं, ऐसे में मोहम्मद यूनुस भारत के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। उनको तटस्थ रहने के लिए मनाया जा सकता है। राजनीतिक अस्थिरता तथा सांप्रदायिक हिंसा की संभावना शरणार्थी संकट को जन्म दे सकती है। इससे अनेक हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक भारत में शरण मांग सकते हैं। इससे भारत का घरेलू राजनीतिक परिदृश्य खासकर पश्चिम बंगाल और असम के सीमान्त प्रदेशों में जटिल हो जाएगा। बांग्लादेश से व्यापार में गिरावट आई है और शरणार्थी संकट बढ़ रहा है। बांग्लादेश बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बनाने में प्रमुख साझीदार है। यह समय गंभीर राजनय का है। प्रधानमंत्री मोदी को शीघ्रातिशीघ्र मोहम्मद यूनुस से मुलाकात करनी चाहिए। हालांकि, ट्विटर राजनय अच्छी शुरुआत है, पर इसके बाद सीधा संपर्क जरूरी हो जाता है। बांग्लादेश में विकास की भावी दिशा भारत के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश : अनिश्चितता व अराजकता

बांग्लादेश अतिवादी इस्लामवाद की लहर व बढ़ती हिंसा का शिकार है। ऐसे में वहां लोकतंत्र के भविष्य तथा क्षेत्रीय स्थायित्व पर सवाल उठ रहे हैं।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक, द पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

बांग्लादेश में उथलपुथल के कारण शेख हसीना को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे कर भारत में पलायन करना पड़ा। इससे दो सवाल पैदा होते हैं। वे इस स्थिति पर नियंत्रण क्यों नहीं कर सकीं? तथा बांग्लादेश और भारत के लिए भविष्य कैसा होगा?

शेख हसीना छात्रों से संपर्क कर उनको अपने पक्ष में ला सकती थीं क्योंकि उनमें से अधिकांश 'मध्यमार्गी' हैं। इस प्रकार छात्रों के भेदभाव-विरोधी आंदोलन-एडीएसएम के जोर पकड़ने के पहले वे इस्लामवादी कट्टरपंथी अतिवादियों को अलग-थलग कर सकती थीं। वे तर्क दे सकती थीं कि उनकी सरकार ने 2018 में ही 1971 के मुक्ति संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के वारिसों को 30 प्रतिशत आरक्षण से वंचित कर चुकी थीं। शुरुआत में छात्रों की यही मांग थी। लेकिन बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने अनेक वारिसों की याचिका पर इसे बहाल कर दिया था। वास्तव में, उनकी सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील की थी। सर्वोच्च न्यायालय के अपील विभाग ने 21 जुलाई, 2024 को सरकारी नौकरियों में 93 प्रतिशत भर्ती 'मेरिट' के आधार पर करने का निर्देश दिया था और उसने स्वतंत्रता सेनानियों व उनके वारिसों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण का प्राविधान किया था। इसके साथ ही एक-एक प्रतिशत आरक्षण आदिवासियों तथा दिव्यांगों व यौन अल्पसंख्यकों के लिए किया था। लेकिन इसके बावजूद आंदोलन जारी रखने के दो कारण हो सकते हैं।

पहला, सरकार द्वारा आंदोलनकारियों के प्रति कठोर व्यवहार जिसके कारण बड़ी संख्या में छात्रों व अन्य की मौत हुई थी। यह स्थिति इतनी खतरनाक थी कि छात्र आंदोलन वापस नहीं ले सकते थे और अब वे शेख हसीना के इस्तीफे की मांग करने लगे। दूसरा, इस्लामवादी आतंकी संगठन उनके आंदोलन के साथ नजदीकी से जुड़ गए थे और वे हसीना और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाने के अपने एजेंडे को पूरा करना चाहते थे। इनमें भारतीय उप-महाद्वीप में अलकायदा-एक्यूआईएस से जुड़ा अंसार-अल-इस्लाम, जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश-जेएमबी, बांग्लोदश जमातुल इस्लामी-बीजेल व उसकी छात्र शाखा बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर-बीआईसीएस शामिल हैं। उनका इरादा एक कट्टरपंथी इस्लामवादी सरकार बनाना तथा भारत-विरोधी अवस्थापना स्थापित करना था।

शेख हसीना यह सब जानती थीं और उनको कम से कम चार अवसरों पर बांग्लादेश में आक्रामक छात्र आंदोलन के असर का भी पता था। इनमें पहला 'भाषा आंदोलन' था जिसकी मांग केवल उर्दू के बजाय उसके साथ बांग्ला भाषा को लागू कराना था। उर्दू पाकिस्तान की आधिकारिक भाषा बन गई थी और पश्चिम पाकिस्तान की सत्तारूढ़ अवस्थापना इस पर जोर दे रही थी। पुलिस दमन का सामना करते हुए आंदोलन 21 फरवरी, 1952 को अपने शिखर पर पहुंचा जब देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया गया। पुलिस फायरिंग में चार छात्र-रफीक, बरकत, जब्बार और सलाम मारे गए जिनको बांग्लादेश के शहीदों में महत्वपूर्ण स्थान मिला। यह आंदोलन लगातार बढ़ता गया और उसने पाकिस्तान को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में उर्दू के साथ बांग्ला को स्वीकार करने पर मजबूर किया। 1958 में जनरल अयूब खान के सैनिक विद्रोह और सैनिक तानाशाही के खिलाफ फिर छात्र आंदोलन भड़का। अयूब सरकार का चरित्र 23 मार्च, 1962 को बनी फर्जी प्रतिनिधिक सरकार के पीछे छिप नहीं सका था। पाकिस्तानी औपनिवेशिक शासन के खिलाफ मुक्ति संग्राम में भी छात्रों ने प्रमुख भूमिका निभाई थी।

पाकिस्तानी सेना ने ढाका व अन्य विश्वविद्यालयों के परिसरों और हास्टलों पर बर्बर हमले किए थे। रात में किए इस कुख्यात हमले का नाम 'आपरेशन सर्चलाइट' था जिसमें सैकड़ों छात्र 25 मार्च, 1971 की रात मारे गए थे। अंतत: फरवरी-मई, 2013 में ढाका में व्यापक 'शाहबाग स्क्वायर आंदोलन' हुआ था जिसने 1971 के युद्ध अपराधियों के लिए मौत की सजा की मांग की थी। सरकार ने इस पर इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल्स एक्ट, 1973 में किए 2009 के संशोधन के अनुसार इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल गठित करने का फैसला किया। इसका उद्देश्य पाकिस्तानी सेना और रज़ाकारों, अल बद्र व अल शम्स के लोगों के खिलाफ जांच कर उनके खिलाफ अभियोजन चलाना था जिन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान नरसंहार में भाग लिया था।

इन सबको देखते हुए हसीना को नवीनतम छात्र आंदोलन शुरुआत में ही समाप्त कराने का प्रयास करना चाहिए था। लेकिन अब सवाल है कि बांग्लादेश में अब क्या होगा? और भारत को अब क्या करना चाहिए? वर्तमान स्थिति बहुत खराब है। हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं और उनको लूटा जा रहा है। इनमें प्रख्यात ढाकेश्वरी मंदिर भी शामिल है जिसके नाम पर ढाका बसा था। हिंदू दूकानों, बिजनेस अवस्थापनाओं और घरों पर हमले हो रहे हैं। अवामी लीग से जुड़े एक हिंदू पार्षद की हत्या हुई है, अनेक लोग घायल हुए हैं तथा महिलायें यौन हिंसा का शिकार बनी हैं।

शेख मुजीबुर रहमान की मूर्तियां गिराई गई हैं या उनको नुकसान पहुंचाया गया है। अवामी लीग के मंत्रियों, नेताओं और एक्टिविस्टों पर हमले हुए हैं और उनके घरों व बिजनेसों को नष्ट किया गया है। खुलना में अवामी लीग पदाधिकारी मोहसिन रजा समेत तीन की हत्या हुई। शेख मुजीबुर रहमान के जीवन पर फिल्म बनाने वाले मोहसिन रजा और उके बेटे शांतो खान को मार डाला गया। जैसोर में अवामी लीग नेता के एक होटल में आग लगाई गई जिसमें 24 लोग मर गए। अवामी लीग सांसद व पूर्व बांग्लादेश टेस्ट क्रिकेटर माशराफ मुर्तजा का घर नष्ट कर दिया गया। ये इस्लामवादी कट्टरपंथियों का विरोध करने वाले अल्पसंख्यकों, अवामी लीग समर्थकों तथा सिविल सोसाइटी तत्वों पर हुए हमलों के केवल कुछ उदाहरण हैं। सवाल है कि अब चीजें सुधरेंगी या और खराब होंगी। बहुत कुछ अंतरिम सरकार पर निर्भर करेगा जिसका नेतृत्व नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं। क्या वे व्यवस्था स्थापित करने में सफल होंगे और वर्तमान हिंसा का कारण बने बीजेल, बीआईसीएस और अंसारुल इस्लाम के समर्थकों पर लगाम लगेगी या स्थिति और खराब होने दी जाएगी। इनमें बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बीएनपी के नेता भी शामिल हैं। मोहम्मद यूनुस न कट्टरपंथी हैं और न घोषित भारत-विरोधी। लेकिन उनके अनेक साथियों की पृष्ठभूमि सवाल खड़े करती है। सेना की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। खबर है कि वहां शेख हसीना-समर्थक तत्वों या ऐसे लोगों का सफाया किया जा रहा है जो शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक व सहिष्णु बांग्लादेश की इच्छा रखते हैं। यह स्थिति अत्यधिक चिन्ताजनक है। अंतरिम सरकार गठन के बावजूद सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह देखना होगा कि भावी संसदीय चुनाव कितने स्वच्छ व स्वतंत्र होंगे। बांग्लादेश की राष्ट्रीय संसद को भंग कर दिया गया है, इसलिए अंतरिम सरकार को जल्द ही देश में संसदीय चुनाव कराने होंगे।

नई दिल्ली ने उचित ही बांग्लादेश की स्थितियों पर गहरी नजर बनाए रखी है। बांग्लादेश में 2001 से 2006 तक शासन करने वाली बीएनपी-जमात नीत गठबंधन सरकार पूरी तरह भारत-विरोधी थी। उसने सक्रिय रूप से भारत के पूर्वोत्तर में सक्रिय अलगाववादी समूहों को न केवल अपने देश में शरण दी थी, बल्कि हथियारों से लैस भी किया था। नई दिल्ली यह बिल्कुल नहीं चाहती है कि बांग्लादेश में ऐसी सरकार बने जो पुरानी सरकार की तरह भारत-विरोधी हो।

इस बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि वे बांग्लादेश की घटनाओं में 'विदेशी हाथ' की संभावनाओं को खारिज नहीं करते हैं। हालांकि, अपने पद को देखते हुए उनको अपने शब्दों के प्रति सतर्क रहना होता है। लेकिन इसके बावजूद यह पूर्णत: स्पष्ट है कि पाकिस्तान की आईएसआई तथा संभवत: चीन का भी इन घटनाओं में हाथ है। पाकिस्तान को अपने ही पाले-पोसे तालिबान से गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और चीन को भी इस्लामवादियों से परेशानी हो रही है। ऐसे में उनको विलियन एस. बैरिंग-गोल्ड की लिमरिक याद करनी चाहिए-'रीगा की एक युवा महिला ने शेर पर सवारी की। यात्रा समाप्त होने पर महिला शेर के पेट में थी और शेर मुस्करा रहा था।' कट्टरपंथी इस्लामवाद रूपी शेर पर सवारी करने वालों को यह सबक याद रखना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए समग्र दृष्टिकोण

ईशान शिवानंद
(लेखक मानसिक स्वास्थ्य शोधकर्ता हैं)

इस बात को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण हैं कि मन, शरीर और आत्मा सूक्ष्म स्तर पर आपस में जुड़े हुए हैं। यह संबंध हमारे विचारों और भावनाओं को प्रभावित करता है, इसलिए, हमारी भौतिक वास्तविकता और हमारी शारीरिक स्थिति हमारे मानसिक स्वास्थ्य और प्रक्रियाओं को प्रभावित करती है।

सच्चे स्वास्थ्य का संकेत मन और शरीर के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन से मिलता है। यहां तक कि एक मामूली असंतुलन भी शारीरिक बीमारियों और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से लेकर खुद और जीवन के साथ अधूरेपन की भावना तक कई तरह की समस्याओं को जन्म दे सकता है। मानसिक स्वास्थ्य के लगभग 80 प्रतिशत मामले निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होते हैं। अवसाद और चिंता जैसी स्थितियां दुनिया की लगभग 9 प्रतिशत आबादी को प्रभावित करती हैं और विकलांगता के साथ जीने वाले 10 प्रतिशत से अधिक वर्षों के लिए जिम्मेदार हैं। फार्मास्युटिकल उपचार लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य सेवा की आधारशिला रहे हैं, जो गंभीर मामलों के प्रबंधन और स्थिरीकरण में सहायता करते हैं। ये लक्षित उपचार बायोमार्कर के आधार पर विशिष्ट रोग तंत्र को संबोधित करते हैं, जिससे अधिक व्यक्तिगत उपचार होता है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी की प्रगति इन उपचारों की प्रभावकारिता को बढ़ाती है और रोगी के परिणामों में सुधार करती है। हालांकि, अकेले दवा पर निर्भरता अक्सर मानसिक स्वास्थ्य की समग्र प्रकृति को नजरअंदाज कर देती है।

एकीकृत स्वास्थ्य दृष्टिकोण, विशेष रूप से योगिक तौर-तरीकों जैसे भारतीय ज्ञान प्रणालियों में निहित, पारंपरिक दवा उपचारों के लिए एक आशाजनक पूरक प्रदान करते हैं। श्वास क्रिया और ध्यान संबंधी प्रोटोकॉल का संयोजन व्यक्तियों को गैर-निर्णयात्मक जागरूकता की एक उच्च अवस्था में प्रवेश करने में मदद करता है। वे आराम और पाचन या विश्राम की एक शारीरिक स्थिति को सक्षम करते हैं, जो उड़ान-या-लड़ाई तनाव प्रतिक्रिया के विपरीत है। तनाव प्रतिक्रिया में यह रुकावट मन और शरीर के बीच संतुलन और

एकता की भावना को बढ़ावा देने में मदद करती है। योग अभ्यास भी कुछ सिद्धांतों पर आधारित हैं। मानव शरीर एक समग्र इकाई है जिसमें एक दूसरे से अविभाज्य विभिन्न परस्पर संबंधित आयाम शामिल हैं। किसी एक आयाम का स्वास्थ्य या बीमारी अन्य को प्रभावित करती है। दूसरे, प्रत्येक व्यक्ति की ज़रूरतें अद्वितीय होती हैं और उन्हें इस व्यक्तित्व को स्वीकार करने वाले अनुरूप अभ्यासों के साथ संपर्क किया जाना चाहिए। योगिक तौर-तरीके व्यक्तियों को सशक्त बनाते हैं: उनके उपचारक बनने के लिए, स्वास्थ्य की ओर उनकी यात्रा में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए, और स्वायत्तता को बढ़ावा देने के लिए। साथ ही, किसी व्यक्ति के मन की गुणवत्ता और स्थिति उपचार के लिए महत्वपूर्ण है। सकारात्मक मन-स्थिति उपचार को गति प्रदान करती है, जबकि नकारात्मक मन-स्थिति इसे लम्बा खींच सकती है। लगातार योगाभ्यास अवसाद को कम करने में कारगर साबित हुआ है, जिससे सेरोटोनिन के स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि होती है और मोनोमाइन ऑक्सीडेज में कमी आती है, जो एक एंजाइम है जो न्यूरोट्रांसमीटर और कोर्टिसोल को तोड़ता है। योग-आधारित हस्तक्षेप हाइपोथैलेमस के सहानुभूति क्षेत्र को बाधित करके अवसादग्रस्तता विकारों, तनाव और चिंता को प्रबंधित करने में भी मदद करते हैं। यह अवरोध तनावपूर्ण उत्तेजनाओं के लिए शरीर की प्रतिक्रियाओं को अनुकूलित करता है और तनाव से जुड़े स्वायत्त विनियामक प्रतिवर्त तंत्र को पुनर्स्थापित करता है। इसके अलावा, योगाभ्यास भय, आक्रामकता और क्रोध के लिए जिम्मेदार क्षेत्रों को बाधित करते हैं, जबकि मस्तिष्क में आनंद केंद्रों को उत्तेजित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आनंद की स्थिति और कम चिंता होती है। योग और ध्यान के नियमित अभ्यास करने वालों को हृदय गति, श्वसन दर, रक्तचाप और हृदय उत्पादन में कमी का अनुभव होता है।

मानसिक स्वास्थ्य से परे, योगिक प्रोटोकॉल कार्डियोरेस्पिरेटरी प्रदर्शन, मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल और प्लाज्मा मेलाटोनिन के स्तर में सुधार करते हैं। यह सिस्टोलिक और डायस्टोलिक रक्तचाप, औसत धमनी दबाव और ऑर्थोस्टेटिक सहनशीलता को काफी कम करता है। योग कार्डियोवैस्कुलर दक्षता और होमोस्टैटिक नियंत्रण को भी बढ़ाता है, जिससे बेहतर स्वायत्त संतुलन, श्वसन प्रदर्शन और समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है। अध्ययनों से पता चला है कि योग-आधारित जीवनशैली में बदलाव कोरोनरी घावों के प्रतिगमन में भी सहायता कर सकते हैं और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में मायोकार्डियल परफ्यूज़न में सुधार कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों से अंतर्दृष्टि का लाभ उठाता है, जिसमें फार्मास्युटिकल उपचारों को गैर-फार्मास्युटिकल ध्यान प्रथाओं के साथ जोड़ा जाता है। यह तालमेल न केवल तत्काल लक्षणों को संबोधित करता है बल्कि दीर्घकालिक रिकवरी और स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देता है। जैसे-जैसे हम आधुनिक जीवन की जटिलताओं से निपटते हैं, प्राचीन प्रथाओं के ज्ञान को अपनाना महत्वपूर्ण है।

योग और अन्य गैर-आक्रामक तरीकों को अपने मानसिक स्वास्थ्य टूलकिट में एकीकृत करके, हम एक संतुलित स्थिति प्राप्त कर सकते हैं जहाँ मन और शरीर सामंजस्य में काम करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए केवल गोलियों से ही रास्ता नहीं बनाया जा सकता; कभी-कभी, यह हमारी सांस को खोजने और खुद को उन अभ्यासों में स्थापित करने जितना ही सरल होता है जो हमें हमारे मूल से जोड़ते हैं।

आप की बात

हॉकी में सफलता

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर भारत के लिए कांस्य पदक जीत कर भारतीयों को अपार खुशी प्रदान की है। सभी भारतीयों के लिए यह ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि भारतीय हॉकी ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक अर्जित किया था। पेरिस ओलंपिक में भारत की हॉकी यात्रा शानदार रही। भारत ने अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को हराया था। उसके बाद अर्जेंटीना को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया था और आयरलैंड को भी हराया था। हालांकि, भारत को एक महत्वपूर्ण मैच में बेल्जियम से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। भारतीय हॉकी टीम ने यह करिश्मा 52 वर्ष बाद करके दिखाया था। भारत ने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में उसे जर्मनी से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इसी के साथ ही भारत का गोल्ड मेडल जीतने का सपना भी टूट गया था, पर इस हार के बाद भी भारत ने मनोबल बनाए रखते हुए स्पेन पर जीत दर्ज की। ओलंपिक के बाद संन्यास की घोषणा कर चुके भारत के गोलकीपर श्रीजेश के लिए भी एक यह शानदार और ऐतिहासिक विदाई थी। भारत को अब गांवों तक खेलों को लोकप्रिय बनाने का काम करना चाहिए।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

सरोज देवी का बयान

खेल का मतलब है प्रेम, सौहार्द और भाईचारा। ओलंपिक प्रतीक का मतलब ही है पांच महाद्वीपों का मिलन। इस बार ओलंपिक में सबसे भावनात्मक क्षण वो था जब नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने अरशद नदीम को लेकर कहा-हम बहुत खुश हैं। हमारे लिए तो सिल्वर भी गोल्ड के ही बराबर है। गोल्ड जीतने वाला भी हमारा ही लड़का है। मेहनत करता है। उनके इस बयान की चर्चा न सिर्फ सरहद के इस पार और उस पार हो रही है, बल्कि पूरी दुनिया में इसे मानवता, सद्भाव एवं जुड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी बहुत से लोग यह अपनत्व की भावना व्यक्त करने के लिए नीरज चोपड़ा की माता जी की खूब तारीफ़कर रहे हैं । पूर्व क्रिकेटर शोएब अख़्तर ने लिखा-गोल्ड जिसका है, वो भी हमारा ही लड़का है। ये बात सिर्फ़ एक मां ही कह सकती है। कमाल है। दोनों देशों के मध्य भले ही बंटवारे के बाद आपसी रंजिश, तनाव, युद्ध एवं बैमनस्य वाला माहौल रहा हो, पर इसके बावजूद भारत-पाकिस्तान के बीच अटूट पैतृक संबंध बने हुए हैं। हमारी तहजीब, बोली, पहनावा, रहन-सहनए, संस्कृति व रीत रिवाजों में सबंध बने हुए हैं। तमाम दूरियों के बावजूद सरोज देवी का बयान प्रकाश की किरण की तरह है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

बांग्लादेश के कट्टरपंथी

बांग्लादेश का जन्म 1971 में भारतीय सेना के शौर्य के गर्भ से हुआ था आज उसी देश के बहुत से लोग मन्दिरों और हिन्दुओं पर हमले कर भारत-विरोधी माहौल बना रहे हैं। खुशी की बात है कि आखिरकार शेख हसीना ने 57 मुस्लिम देशों को छोड़कर भारत को ही अपने लिए सुरक्षित माना। इसका कारण भारत की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक धरोहर पर विश्वास है जिसके चलते भारत ने कभी अपने प्रति विश्वास को आघात नहीं लगने दिया। यह तथ्य भी भुलाया नहीं जाना चाहिए कि 1975 में अपने पिता मुजीबुर रहमान और परिवार के अधिकांश सदस्यों की सैनिक तख्तापलट में हत्या के बाद शेख हसीना को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने भारत में शरण देकर उनकी पूरी सुरक्षा की थी। शेख हसीना 6 साल भारत में रहने के बाद परिस्थितियां अनुकूल होने पर 1981 में बांग्लादेश वापस गई थीं। लेकिन उस देश के मज़हबी कट्टरपंथियों को शेख़ हसीना के रूप में एक उदारवादी नेता पसन्द नहीं है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि पिछले 15 साल में बांग्लादेश का उल्लेखनीय आर्थिक विकास हुआ और वह सबसे तेज प्रगति करने वाले देशों में शामिल था। लेकिन दुनिया भर में भीख मांगने वाले पाकिस्तान-समर्थकों को यह बात पसंद नहीं आई।

– **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

बेटियों की भूमिका

प्रधानमंत्री ने दिल्ली में नेशनल कैडेट कोर-एनसीसी की रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि कभी बेटियों की भागीदारी केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित रहती थी, लेकिन आज भारत की बेटियां जल,थल, नभ और अंतरिक्ष में भी अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही है। वर्तमान में बदलते भारत की तस्वीर का यह यथार्थ है। जीवन के सभी क्षेत्रों में बेटियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। लेकिन इसके साथ ही इन तथ्यों को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए कि उनको आज भी पुरुष वर्चस्व वाले समाज में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां कार्पोरेट जगत में उनको सर्वोच्च पदों पर समुचित स्थान नहीं मिल रहा है, वहीं अनेक ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्रों के साथ ही नगरों महानगरों में उनको उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, धोखाधड़ी व लव जिहाद, आदि का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या का एक समाधान पुलिस, अर्धसैनिक बलों व अभियोजन के साथ न्यायपालिका में नीचे से लेकर ऊपर तक महिलाओं को समुचित स्थान देना है। यदि इनमें महिलाओं को 50 प्रतिशत स्थान मिल जाए तो बेटियों की प्रतिभा और निखरेगी।

–**संजय वर्मा,** मनावर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला यूपी अग्रणी राज्य

● अब हम एक जनपद-एक विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रहे हैं: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दृष्टिगत अब तक हुए क्रियान्वयन तथा भावी योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्र को बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक, व्यावसायिक, कृषि तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ज्ञान, कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा पर विशेष ध्यान देती है। युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। करिकुलम तैयार करते समय इन विषयों को केन्द्र में रखा जाए। इस शिक्षा नीति का विजन उच्च शिक्षण संस्थानों में आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुये गुणवत्तापूर्ण, सार्वभौमिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश इस नीति को लागू करने वाला अग्रणी राज्य रहा है। विगत 03 वर्षों में इसके माध्यम से सकल नामांकन दर में वृद्धि तथा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए हुए प्रयासों के अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं।

प्रदेश ने एक मण्डल एक विश्वविद्यालय का लक्ष्य पूरा कर लिया है। अब हम एक जनपद-एक विश्वविद्यालय की ओर बढ़ रहे हैं। सकल नामांकन दर को बेहतर करने में इन नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से सहायता मिल रही है। वर्तमान में उच्च शिक्षण संस्थानों में सकल नामांकन दर लगभग 25 प्रतिशत है। हमारा लक्ष्य आगामी 10 वर्षों में इस दर को 50 प्रतिशत से अधिक करना होना चाहिए। प्रदेश में मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के माध्यम से स्नातक व डिप्लोमा उत्तीर्ण युवाओं को औद्योगिक संस्थानों में अप्रेंटिसशिप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक पिछले वित्तीय वर्ष में 53 हजार से अधिक युवा इस योजना से जुड़े हैं। इस वर्ष अब तक 11 हजार अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जिसमें से लगभग 2800 युवा अप्रेंटिसशिप कर रहे हैं। औद्योगिक इकाइयों से संवाद समन्वय करते हुए अधिकाधिक युवाओं को इससे लाभान्वित कराएं। सभी शिशिक्षुओं को समय से स्टाइपेंड का भुगतान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजमगढ़ स्थित महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय में महान साहित्यकार, विचारक राहुल सांकृत्यायन के नाम पर यथाशीघ्र शोधपीठ की स्थापना की जाए। यह पीठ राहुल सांकृत्यायन जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर शोध-अध्ययन के लिए युवाओं के लिए उचित मंच प्रदान करेगी। एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) प्लेटफॉर्म पर सभी छात्रों का पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए। सभी छात्रों के क्रेडिट हस्तान्तरण इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रबन्धित किए जाएं। इसके के बारे में छात्र-छात्राओं को जागरूक करें। मल्टीपल एण्ट्री और मल्टीपल एक्जिट प्रणाली को लागू किया जाए।

कृषि शिक्षा, शोध एवं अनुसंधान में अपार अवसर हैं। कैरियर की दृष्टि से भी यह सेक्टर बड़ी सम्भावनाएं समेटे हुए है। हाल के वर्षों में बड़ी संख्या में युवाओं का आकर्षण इस ओर देखने को मिला है। पाठ्यक्रम व विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। आज सभी 04 कृषि विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेण्टर स्थापित हो रहे हैं। कृषि से सम्बन्धित सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये जा रहे हैं। प्रदेश के कृषि शिक्षण संस्थानों के विनियमन के लिए एक व्यवस्थित संस्था की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) जैसी संस्था इस सम्बन्ध में उपयोगी हो सकती है। इस सम्बन्ध में आवश्यक कदम उठाए जाएं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में बेसिक शिक्षा को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्री-प्राइमरी शिक्षण तंत्र को व्यवस्थित करते हुए आज लगभग 88,000 आंगनबाड़ी केन्द्रों को 'बाल वाटिका' के रूप में नया स्वरूप दिया गया है। बाल वाटिकाओं को उपयोगी बनाएं। इसके लिए महिला एवं बाल विकास तथा बेसिक शिक्षा विभाग को मिलकर काम करना होगा। बाल वाटिका को एक ऐसे केन्द्र के रूप में विकसित करें, जहां बच्चों में सीखने के प्रति ललक पैदा हो। समय-समय पर पाठ्यक्रम को अपडेट किया जाना चाहिए। छोटे बच्चों की पुस्तकों, पढ़ाने के तौर-तरीकों को रुचिकर बनाया जाना चाहिए। कक्षा 01 व 02 में अब एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू हो गया है। सभी विद्यालयों में इन पुस्तकों की उपलब्धता होनी चाहिए। यह संतोषप्रद है कि वर्तमान सत्र में 20.5 लाख नए बच्चों को जोड़ा गया है। स्कूल ड्रॉप आउट हर एक बच्चे को स्कूल से जोड़ने का प्रयास किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय तथा मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ाई जाए। अटल आवासीय विद्यालयों के साथ यह विद्यालय आने वाले समय में प्रदेश की आधारभूत शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव का वाहक बनेंगे। इन विद्यालयों को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुसज्जित किया जाना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं में वार्षिक कैलेण्डर तैयार करते समय यह सुनिश्चित करें कि अपरिहार्य स्थिति न हो तो वार्षिक परीक्षाएं 15 मई तक सम्पन्न हो जाएं।

पुलिस अफसरों पर मुख्यमंत्री सख्त, नहीं सुधरे तो होगी कार्रवाई

● सीएम ने लापरवाह एसपी, एसएसपी और पुलिस कमिश्नर को लगाई फटकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रूख अख्तियार किया है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए लापरवाही पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी है। साथ ही सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि सीएम योगी के अल्टीमेटम के बाद भी सुधार न होने पर कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। वैसे तो उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश में पहले स्थान पर है। बावजूद इसके प्रदेश के कई जिलों का महिला संबंधी अपराधों के निस्तारण का रेश्यो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षा के अनुरुप नहीं है। सीएम योगी की मंशा है कि महिला संबंधी अपराधों का निस्तारण शत-प्रतिशत होना चाहिये, जबकि प्रदेश के कुछ जिलों का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में अधिकारियों ने सीएम योगी के सामने आईटीएसएसओ पोर्टल के आधार पर 1 अपैल 2023 से 30 अप्रैल 2024 की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश भर के राज्यों में पहले स्थान पर है। प्रदेश का निस्तारण रेश्यो 98.70 प्रतिशत है। वहीं केंद्र शासित राज्यों में लद् ?दाख पहले और दादरा और नगर हवेली एवं दमन दीव दूसरे स्थान पर है। इस पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए गृह विभाग की पीठ थपथपाई। वहीं अधिकारियों ने रिपोर्ट के आधार पर सीएम को बताया कि प्रदेश के कुछ जिलों के अधिकारी निस्तारण को लेकर गंभीर नहीं हैं। रिपोर्ट में उनकी लापरवाही सामने आयी है। इस पर सीएम योगी ने नाराजगी जाहिर करते हुए ऐसे अधिकारियों (एसपी, एसएसपी और पुलिस कमिश्नर) को एक माह में सुधार लाने का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही अधिकारियों को एक माह बाद लापरवाह अधिकारियों की रिपोर्ट शासन को उपब्लध कराने के निर्देश दिये हैं। यदि लापरवाह अधिकारियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होता है तो उन पर गाज गिर सकती है। इन जिलों में निस्तारण का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है सीएम योगी महिला एवं बच्चियों संबंधी अपराधों के निस्तारण का रेश्या शत-प्रतिशत चाहते हैं। उन्हे महिला संबंधी मामलों में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं है।

कॉम्प्लाएंस रेट में प्रयागराज कमिश्नरेट संग प्रतापगढ़ फिसड्डी

गृह विभाग के इंवेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंस (आईटीएसएसओ) पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज कमिश्नरेट का कॉम्प्लाएंस रेट क्रमशः 80.48 प्रतिशत है। वहीं प्रतापगढ़ का कॉम्प्लाएंस रेट 84.31 प्रतिशत, कानपुर देहात का 85.37 प्रतिशत और चित्रकूट का 86.27 प्रतिशत है। इस पर सीएम योगी ने बेहद नाराजगी जाहिर की है। सीएम ने इन जिलों के अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधों पर लगाम लगाने के साथ दर्ज मामलों में कम से कम समय में आरोपियों को सजा दिलाने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह बरेली में महिला अपराध संबंधी 2997 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 8 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.27 प्रतिशत है। अलीगढ़ में 1910 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 6 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.31 प्रतिशत है। सुल्तानपुर में 952 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 3 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.32 प्रतिशत है। फतेहगढ़ में 767 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.26 प्रतिशत है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राथमिकता के आधार पर पेंडिंग मामलों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने इसको लेकर वह एक माह बाद भी समीक्षा करेंगे अगर स्थिति संतोषजनक नहीं मिली तो बेपरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। अमरोहा में महिला अपराध संबंधी 1142 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1117 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 97.81 प्रतिशत है। बाराबंकी में 1580 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1549 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.04 प्रतिशत है। लखनऊ कमिश्नरेट में 2686 एफआईआर दर्ज की गई।

विवि खोलकर मदरसों को उनसे संबद्ध करेंगे : राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने प्रदेश में मदरसों की मान्यता की नई व्यवस्था शुरू किए जाने की तैयारी के संकेत देते हुए कहा कि दो विश्वविद्यालय खोलकर मदरसों को उनसे संबद्ध किया जाएगा। हालांकि, देश में मुसलमानों के सबसे बड़े सामाजिक संगठन जमीयत उलमा-ए-हिंद का कहना है कि सरकार ऐसा कोई भी कदम उठाने से पहले सभी पक्षकारों से बातचीत करे और यह सुनिश्चित करे कि इससे अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन नहीं होगा।

राजभर ने कहा, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से जो पत्र आया है, उसमें कहा गया है कि ऐसे मदरसे जो बच्चों को पढ़ा तो रहे हैं, लेकिन उनके पास बच्चों को शैक्षणिक प्रमाणपत्र देने की मान्यता नहीं है, उनमें पढ़ने वाले बच्चों को निकालकर सरकारी परिषदीय स्कूलों में दाखिल कराया जाए। (पत्र में) बस इतना ही है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इसी साल सात जून को राज्य सरकार को एक पत्र लिखा था। प्रदेश के तत्कालीन मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने पिछली 26 जून को आयोग के इस पत्र का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया था, जिसमें प्रदेश के सरकारी अनुदान प्राप्त मदरसों में पढ़ने वाले गैर-मुस्लिम बच्चों और गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी बच्चों को निकालकर परिषदीय स्कूलों में दाखिल कराने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, यह मामला उच्चतम न्यायालय पहुंचा था, जिसने इन आदेशों पर फिलहाल रोक लगा दी थी।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री राजभर ने प्रदेश के मदरसों की मान्यता की नई व्यवस्था शुरू किए जाने की तैयारी की तरफ इशारा करते हुए कहा, हमारा प्रयास है कि हम दो विश्वविद्यालय खोलें। हम राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड को विवि से संबद्ध करना चाहते हैं और वहीं (विश्वविद्यालय से) सभी मदरसों को मान्यता दे दी जाएगी, ताकि भविष्य में कोई विवाद न हो। राजभर ने उदाहरण देते हुए कहा, लविवि, पूर्वांचल विवि, शकुंतला विवि आपके सामने हैं, जहां से तमाम विद्यालय संचालित होते हैं। इस तरह विश्वविद्यालय से अगर मदरसे संचालित होते, तो आज यह दुर्गति न होती। इस काम को न तो सपा कर पाई, न कांग्रेस कर पाई और न ही बसपा।

मालूम हो कि वर्तमान व्यवस्था में प्रदेश के मदरसों को उत्तर प्रदेश राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड ही मान्यता देता है। इस बीच, जमीयत उलमा-ए-हिंद के कानूनी सलाहकार मौलाना काब रशीदी ने कहा कि सरकार अगर मदरसों को मान्यता देने की व्यवस्था में बदलाव करने जा रही है, तो इस पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उससे पहले उसे जमीयत उलमा-ए-हिंद, नदवतुल उलमा और दारुल उलूम देवबंद समेत सभी पक्षों से बात करनी चाहिए।

रशीदी ने यह भी कहा, संविधान में अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना करने और उन्हें संचालित करने का अधिकार दिया गया है। राज्य सरकार मदरसों की मान्यता के सिलसिले में जो व्यवस्था करने जा रही है, उसमें इस बात का खास ख्याल रखा जाना चाहिए कि अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों की हर हाल में रक्षा हो। उधर, उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा, राज्य सरकार मदरसों के बारे में इतना बड़ा कदम उठाने जा रही है मगर इस बारे में बोर्ड को कोई जानकारी ही नहीं है। किसी शिक्षा परिषद को विश्वविद्यालय से संबद्ध किया जाएगा, ऐसी बात पहले कभी देखी-सुनी नहीं गई है।

हाईटेक होंगे प्रदेश के धान क्रय केंद्र

● इलेक्ट्रॉनिक कांटा, नमी मापने की मशीन जनरेटर, बैटरी की होगी व्यवस्था ● पश्चिमी यूपी में 15 सितंबर से पहले और पूर्वी यूपी में 15 अक्टूबर से पहले सुदृढ़ होगी क्रय केंद्रों की व्यवस्था

लखनऊ। प्रदेश के किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित योगी सरकार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के तहत धान खरीद की तैयारियों में जुट गई है। वहीं अब प्रदेश के धान खरीद केंद्रों को भी हाईटेक बनाने पर मुख्यमंत्री का पूरा जोर है। सीएम के निर्देश पर खाद्य एवं रसद विभाग धान क्रय केंद्रों को इंटरनेट, कंप्यूटर, लैपटॉप, आईपैड, ई-पॉप मशीनों से लैस करेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 अक्टूबर से तथा पूर्वी यूपी में 1 नवंबर से क्रय केंद्रों पर एमएसपी पर धान की खरीद शुरू होगी।

खाद्य एवं रसद विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सभी अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि ई-उपार्जन के लिए क्रय केंद्रों पर कम्प्यूटर, लैपटॉप, आई पैड, इंटरनेट और ई-पॉप मशीन सहित अन्य अवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। संचालन में आने वाली कठिनाइयों को पश्चिमी यूपी में 15 सितंबर और पूर्वी यूपी में 15 अक्टूबर से पहले ही दूर कर ली जाए। बोरे की उपलब्धता, स्टाफ की तैनाती, किसानों की सुविधा की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, छनना, नमी मापने की मशीन, जनरेटर, बैनर की व्यवस्था और धान व चावल के गुणवत्ता परीक्षण के लिए उपकरण की व्यवस्था की समर पर कर ली जाए। मूल्य समर्थन योजना के तहत 1 अक्टूबर से पश्चिमी यूपी और 1 नवंबर से पूर्वी यूपी के जिलों में किसानों से सीधे धान की खरीद शुरू करने के निर्देश दिये हैं। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा आवश्यक समय सारिणी जारी की जा चुकी है। ई-टेंडर के माध्यम से हैंडलिंग ठेकेदारों की नियुक्ति, परिवहन के लिए ई टेंडरिंग के जरिए ठेकेदारों की नियुक्ति भी समय से करने के निर्देश दिये गये।

बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थियों को बॉर्डर पर घुसने नहीं दे रही मोदी सरकार: अजय राय

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि धर्म को अपनी सियासत का आधार बना कर सिर्फ वैमनस्यता फैलाने का काम योगी करते हैं। बांग्लादेश के मुद्दे पर जिस तरह की स्तरहीन बयानबाजी वो कर रहे हैं वो निहायत निंदनीय है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार निहायत झूठी है, बॉर्डर पर आने वाले हिन्दू शरणार्थियों को घुसने नहीं दिया जा रहा और यहां योगी सीना पीट-पीट कर चिल्ला रहे हैं कि हम हिन्दुओं की रक्षा करेंगे। श्री राय ने कहा कि सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में संपूर्ण विपक्ष ने एक स्वर में सरकार को इस मुद्दे पर अपना समर्थन दिया था। नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताते हुए सरकार से पूछा था कि भारत सरकार इसे रोकने के लिए क्या कर रही है? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि योगी जी केन्द्र में अपनी सरकार से सवाल करने के बजाय यहां उ0प्र0 में बंग्लादेश की आड़ में वोट लेने के लिए धार्मिक विद्वेष फैला रहे हैं। राय ने कहा कि पड़ोस में हुए इतने दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम पर बुलाई गई सर्वदलिय बैठक में खुद प्रधानमंत्री जी शामिल नही हुए। इससे इस गंभीर मसले पर और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री की संवेदनहीनता का पता चलता है। राय ने योगी जी को ताकीद किया की ऐसे संवेदनशील मामले पर अगंभीर और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी से बचना चाहिए।

'आरक्षण' के प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीः अखिलेश

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन, इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है। अखिलेश ने कहा कि अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर-बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती। 'आरक्षण' शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का सांविधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीं है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुक़दमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है। भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है। इसीलिए भाजपा पर से 90प्रतिषत पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है। आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है। पीडीए के लिए 'संविधान' संजीवनी है, तो 'आरक्षण' प्राणवायु।

सिल्क का अंगवस्त पहनाकर किया अभिनंदन

लखनऊ। केरल समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. साजी पोथन थमस ने आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव का सिल्क का अंगवस्त्र पहनाकर अभिनंदन किया। डॉ. थामस ने श्री अखिलेश यादव को दिसम्बर 2024 में केरल यात्रा के लिए आमंत्रित किया और बताया कि केरल राज्य में समाजवादी पार्टी के लिए बड़ी संभावना है। समाजवादी पार्टी पंचायत चुनावों में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।

उपचुनाव में जीते संजय पासवान ने सपा मुखिया अखिलेश से की मुलाकात

● भाजपा के अन्याय व अत्याचार से जनता ऊब चुकी हैः सपा प्रमुख

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से रविवार को गोरखपुर जिला पंचायत के वार्ड संख्या 43 में हुए उपचुनाव में जीतने पर संजय पासवान ने भेंट कर आशीर्वाद लिया। अखिलेश यादव ने संजय पासवान को जीत की बधाई देते हुए भरोसा दिलाया कि जीत का यह सिलसिला 2027 के विधानसभा चुनावों में राज्य में समाजवादी सरकार बनने तक जारी रहेगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोरखपुर ब्रजेश कुमार गौतम, अध्यक्ष चिल्लूपार विधानसभा श्री अमरजीत यादव, जनार्दन प्रधान, हरेन्द्र यादव भी मौजूद रहे।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के अन्याय, अत्याचार से जनता ऊब चुकी है। जनता भाजपा सरकार को एक पल भी नहीं देखना चाहती है। भाजपा कुछ भी कर ले, जनता ने इस सरकार को हटाने का मन बना लिया है। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सत्रा के अहंकार में भाजपा समर्थक अराजकता पर उतारू है। निर्दोष और निरीह जनता पर अत्याचार कर रहे है। भाजपाई कानून व्यवस्था के लिए संकट बन गये हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है। बजट का बंदरबांट हो रहा है। जनता की कोई सुनवाई नहीं है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार से अब जनता को कोई उम्मीद नहीं है। प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। भाजपा लाख साजिश कर ले, लेकिन इस बार जनता भाजपा को सत्ता से बाहर करके ही दम लेगी।

अखिल भारतीय छात्र संगठन एनएसयूआई मध्य जोन के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

लखनऊ। अखिल भारतीय छात्र संगठन एनएसयूआई मध्यजोन के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ के रकाबगंज स्थित आरके पैलेस में एन.एस.यू.आई. मध्यजोन के अध्यक्ष अनस रहमान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय तथा प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह जी भी मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित एन.एस.यू.आई. कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि आप आगे बढ़कर संघर्ष करो मेरा पूरा सहयोग और आर्शीवाद आपके साथ है। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश की भाजपा सरकारों में छात्रों का दमन हो रहा है। राय ने कहा कि यह लीक वाली सरकार है। हर जगह लीक-लीक-लीक। कहीं पर्चा लीक, कहीं सदन लीक, और तो और मंदिर गर्भगृह में भी लीक। इस लीक को रोकने के लिए मज़बूती से लड़ने की ज़रूरत है। राय ने कहा कि छात्र संगठनों के चुनाव पुनः बहाल किये जाने चाहिए इससे छात्रों में नेतृत्व करने की क्षमता विकसित होती है एवं गलत के विरोध के एक संगठित बल मिलता है।बैठक में एन.एस.यू.आई के पदाधिकारी आकाश अवस्थी, राशि साहू, आर्यन मिश्रा, लालू कनौजिया, दिव्यांश शुक्ला, सुधांशु शर्मा, अंशुल यादव, फरीद हुसैन, आफताब जाफरी आदि पदाधिकारी शामिल रहे।

चौथे सोमवार को शिवभक्तों को होगा बाबा विश्वनाथ का अलौकिक दर्शन

लखनऊ/वाराणसी। योगी सरकार कांवड़ियों और भोले के भक्तों के लिए न केवल रेड कारपेट बिछाकर पुष्प वर्षा कर रही है, बल्कि उनकी सुविधा और सुगम दर्शन का पूरा ध्यान भी रख रही है। सोमवार को सावन माह का चौथा सोमवार है, इसे लेकर सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। पिछले सोमवार को 3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रीकाशी विश्वनाथ के ज्योतिर्लिंग का दर्शन किया था। चौथे सोमवार पर भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसके साथ ही मंदिर ट्रस्ट की ओर से काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ के रुद्राक्ष श्रृंगार की तैयारियां भी पूरी हो चुकी हैं। महादेव के भक्त बाबा के इस अलौकिक स्वरूप का दर्शन पाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण माह के हर सोमवार को देवाधिदेव महादेव के अलग-अलग स्वरूप का शृंगार किया जा रहा है। इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। बाबा हर सोमवार को अपने अलग-अलग स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। औघड़दानी का सबसे प्रिय महीना श्रावण माह माना जाता है। श्रावण माह के सोमवार को बाबा के दर्शन का विशेष फल व पुण्य मिलता है। अबतक देवाधिदेव महादेव बाबा विश्वनाथ के तीन स्वरूपों में दर्शन पाकर भक्तों निहाल हो चुके हैं। शिव भक्त सावन के चौथे सोमवार को बाबा के विशेष स्वरूप का दर्शन कर पाएंगे। चौथे सोमवार को देवाधिदेव महादेव का श्रृंगार रुद्राक्ष से किया जाएगा। इससे पहले श्रावण माह में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पिछले तीन सोमवार को बाबा विश्वनाथ का अलग अलग ढंग से श्रृंगार हो चुका है। पहले सोमवार को चल प्रतिमा स्वरूप, दूसरे सोमवार को गौरी शंकर (शंकर-पार्वती) स्वरूप, तीसरे सोमवार को अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार हो चुका है। वहीं श्रावण के पांचवें व अंतिम सोमवार 19 अगस्त को बाबा का शंकर, पार्वती, गणेश श्रृंगार एवं श्रावण पूर्णिमा पर वार्षिक झूला श्रृंगार होगा। उल्लेखनीय है कि सावन माह में काशी आने वाले शिवभक्तों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। वहीं गंगा के जलस्तर के बढ़ने से विश्वनाथ धाम पहुंचने के चार में से तीन द्वारों से प्रवेश संभव नहीं है। इसके बाद चौथे प्रवेश द्वार पर सोमवार को ज्यादा भीड़ होने की संभावना है। इसे लेकर मंदिर प्रशासन के साथ ही जिला और पुलिस प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप से परख लिया है।

यूपी में पर्यटन सेक्टर को पांच गुना बढ़ाएगी योगी सरकार

● 80 करोड़ से अधिक पर्यटकों को उत्तर प्रदेश में लाने का प्रयास
● गेस्ट हाउस और राही बंगलों का कायाकल्प करने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार का पूरा जोर प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर है। पर्यटन स्थलों का कायाकल्प करके कनेक्टिविटी के लिए ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को बीते साढ़े सात साल में सुदृढ़ किया गया है। यही वजह है कि बीते वर्ष 2023 में प्रदेश में 48 करोड़ से अधिक पर्यटक यूपी को एक्सप्लोर करने आए। योगी सरकार अब प्रदेश में पर्यटन सेक्टर को पांच गुना बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। पर्यटन सेक्टर का ग्रॉस वैल्यू ऐडेड (जीवीए) जहां वित्त वर्ष 2016-17 में 11 हजार करोड़ रुपए का था, वहीं इसे वित्त वर्ष 2028 तक 70 हजार करोड़ रुपए करने का लक्ष्य सरकार लेकर चल रही है। इसके अलावा सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक यूपी में 80 करोड़ से अधिक पर्यटकों को लाने पर भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ ही राज्य में पर्यटन गतिविधियों को और अधिक बढ़ाया जाए। धार्मिक दृष्टि से प्रदेश में कई महत्वपूर्ण स्थल हैं, जहां प्रतिदिन लाखों यात्रियों का आगमन हो रहा है। काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट, प्रयागराज, नैमिषारण्य, गोरखपुर जैसे धार्मिक महत्व वाले शहरों में विगत साढ़े सात साल में पर्यटन गतिविधियां अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। इन शहरों में विश्वस्तरीय सुविधाओं के विकास के साथ ही सरकार का ध्यान यहां आने वाले पर्यटकों को एक से अधिक डेस्टिनेशन्स तक ले जाने की है। इसके अलावा पर्यटकों को स्थानीय उत्पादों को खरीदने के लिए प्रेरित करने के लिए ओडीओपी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो गई है। यही नहीं प्रदेश में पर्यटकों के ठहरने के लिए नये होटल, गेस्ट हाउस और होमस्टे की संख्या बढ़ाने पर भी सरकार का पूरा जोर है। इसके साथ ही सरकारी टूरिस्ट बंग्लो और राही बंग्लो के कायाकल्प का भी प्लान है।

योगी सरकार में पर्यटन सेक्टर में हुई बढ़ोतरी की बात की जाए तो वित्त वर्ष 2016-17 में इसकी ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) 11 हजार करोड़ रुपए थी, वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर 14 हजार करोड़ रुपए हो गई। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027-28 तक इसे 70 हजार करोड़ रुपए तक ले जाने का है। वहीं टूरिस्ट फुटफॉल में भी बड़ा इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2016-17 तक प्रदेश में 23 करोड़ पर्यटक आए थे तो वहीं वर्ष 2023-24 में ये आंकड़ा 48 करोड़ से अधिक पहुंच गया। टूरिस्ट फुटफॉल में 51 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि सरकार का ध्यान वित्त वर्ष 2028 तक 80 करोड़ से अधिक पर्यटकों को यूपी लाने का है। सरकार पर्यटन से जुड़े स्थानों को मोनेटाइज करने पर भी बल दे रही है। इसके अलावा विश्वस्तरीय सुविधाओं का विकास और पर्यटन सुविधाओं की ब्रांडिंग और प्रमोशन पर भी सरकार का पूरा ध्यान है।

गांवों में लगे स्वास्थ्य शिविर, दी गईं औषधियां

- पसगवां, बेहजम पहुंच सीएमओ ने किया भ्रमण
- बुखार काबू करने को हुई फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव
- चार गांवो में हुई स्क्रीनिंग और परीक्षण

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर ब्लॉक बेहजम के गांव अल्लीपुर, गुलचौरा और पसगवां के गांव हैरमखेड़ा, अलियापुर में बढ़ते बुखार के मरीजों के प्रसार को रोकने के लिए रविवार को स्वास्थ्य महकमे ने स्वास्थ्य शिविर लगाया। वही बीडीओ के नेतृत्व में साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा छिड़काव करवाकर बुखार, मच्छरों के प्रकोप को कम करने की कवायद हुई।

बुखार के प्रसार के दृष्टिगत पसगवां ब्लॉक के गांव हैरमखेड़ा, अलियापुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने क्षेत्र का स्थलीय भ्रमण किया। साथ ही उन्होंने ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव से वार्ता की। उन्होंने स्वास्थ्य टीमों द्वारा किए जा रहे उपचार, जांच का अनुश्रवण भी किया। बताया कि गांव में बुखार तेजी से फैल रहा है। जिसे लेकर उन्होंने यह भ्रमण किया है।

निरीक्षण के समय पर सीएमओ ने पाया कि अलियापुर में एमओआईसी डॉ अश्विनी के नेतृत्व में स्वास्थ्य दल ने 147 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें 27 मलेरिया, 06 डेंगू के टेस्ट किए गए। कोई भी पॉजिटिव केस प्राप्त नहीं हुआ। सभी मरीजों में ज्यादातर वायरल फीवर पाया गया। जिन्हें औषधीय प्रदान की गई। वही ग्राम हैरमखेड़ा में डॉ पुरुषोत्तम के नेतृत्व में लगाए गए हेल्थ कैंप में 153 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। जिसमें मलेरिया के लक्षण वाले 11 मरीजों का टेस्ट किया गया। वही 05 डेंगू के टेस्ट किए गए। कोई भी पॉजिटिव नहीं मिला। इसके अलावा गांव में ज्यादातर मरीज स्किन डिजीज के मिले, जिन्हें निशुल्क जरूरी दवाएं प्रदान की गईं।

इसके बाद सीएमओ स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए स्वास्थ्य शिविर में बेहजम के क्रमश अल्लीपुर, गुलचौरा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने गांव का स्थलीय भ्रमण किया। उन्होंने ग्राम प्रधान से क्षेत्र की साफ-सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए कहा। साथ ही नालियों व पानी निकासी की व्यवस्था को भी बेहतर बनाया जाए। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया। यह स्वास्थ्य शिविर में लोगों को दवाओं के वितरण के साथ ही जांच की भी व्यवस्था की गई है।

सीएमओ ने पाया कि बेहजम के गांव अल्लीपुर में हेल्थ कैंप जारी 135 मरीजों की स्क्रीनिंग हुई। जिसमें 54 व्यक्तियों का मलेरिया एवं डेंगू टेस्ट कराया गया, जिसमें एक व्यक्ति मायाराम पुत्र हंसराम मलेरिया पॉजिटिव मिला। सभी को जरूरी औषधीय प्रदान की गई। वही गुलचौरा में 72 मरीजों की स्क्रीनिंग हुई, जिसमें 24 व्यक्तियों का मलेरिया एवं डेंगू टेस्ट कराया गया। जिसमें कोई भी व्यक्ति पॉजिटिव नहीं मिला। चिकित्सको द्वारा सभी मरीजों को जरूरी औषधियां प्रदान की गईं।

सदर विधायक ने किया फाइलेरिया व कृमि मुक्ति अभियान का आगाज़

लखीमपुर। फाइलेरिया उन्मूलन व कृमि मुक्ति अभियान का शुभारंभ शनिवार को सीएमओ कार्यालय में सदर विधायक योगेश वर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। वहीं सदर विधायक योगेश वर्मा और सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता द्वारा फाइलेरिया से बचाव की दवा भी मौके पर खाई गई। इस दौरान उन्होंने एक जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में प्रशिक्षु एएनएम सहित मेहता मिलेनियम प्रशिक्षु एएनएम व एनएसएस की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सदर विधायक योगेश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार द्वारा लोगों को फाइलेरिया रोग से बचने और एक वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को व किशोर-किशोरियों को पेट में होने वाले कीड़ों के नुकसान से बचने के लिए इन दोनों अभियानों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है।

नगर में निकली तिरंगा यात्रा में युवाओं ने लगाए भारत माता की जय के नारे

संवाददाता। फतेहपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा राष्ट्रीय आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का जिलाध्यक्ष भाजपा मुखलाल पाल ने तिरंगा फहराकर शुभारंभ किया। यात्रा की अगुवाई जिलाध्यक्ष मधुराज विश्वकर्मा ने की। यात्रा पार्टी कार्यालय से निकाली गई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि तिरंगा यात्रा तांबेश्वर चौराहा डाक बंगले से सदर अस्पताल होते हुए पत्थरकटा चौराहा पटेल नगर चौराहा से विद्यार्थी चौराहा होते हुए बुलेट चौराहा से पुन: पार्टी कार्यालय में समापन किया गया। कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य आम जनमानस में राष्ट्रीयता के भाव को ओतप्रोत करना है जिससे आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन समूचे जनपद एवं प्रदेश सहित देश के प्रत्येक घर में तिरंगा झंडा फहराया जा सके। फतेहपुर विधानसभा के पदाधिकारियो की अगुवाई में कार्यक्रम को मूर्त रूप देने हेतु समस्त घरों में तिरंगा झंडा लगाने की हुंकार भरी। गगनभेदी नारों के साथ समस्त चौराहा एवं मार्ग गुंजायमान रहा। युवाओं ने ठाना है कि भाजपा के उक्त अभियान को सफल बनाने के लिए पुरजोर कोशिश की जाएगी। आगामी 12 एवं 13 को जिले की सभी 6 विधानसभाओं में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

ताइक्वांडो एसोसिएशन की नवीन कमेटी हुई घोषित

फतेहपुर। ताइक्वांडो एसोसिशियन ऑफ फतेहपुर की बैठक आहूत की गई। बैठक में विगत वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो जाने की दिशा में नवीनतम कमेटी का गठन व मनोनयन किया गया। एसोसिशियन के चेयरमैन किशन मेहरोत्रा, महासचिव राजकुमार, उपाध्याक्ष प्रखर शुक्ला, कोषाध्यक्ष रिया, संयुक्त सचिव भारत वर्मा, संयुक्त सचिव शिव कुमार, कार्यकारणी सदस्य रिचा राजपूत, दिव्यांशु पटेल, अनिकेत मेहरोत्रा को पुष्पहार पहनाकर स्वागत कर मनोनित किया गया। चेयरमैन किशन मेहरोत्रा ने कहा कि शीघ्र ही ताइक्वांडो एसोशिसियन ऑफ़ फतेहपुर का रजिस्ट्रेशन कोष हेतु बैंक खाता आवंटित किया जायेगा। महासचिव राजकुमार ने कहा कि शीघ्र ही संगठन विस्तारित करेंगे।

नवयुवक कांवरिया संघ की कांवड़ यात्रा डीजे की धुन पर हुई रवाना

फतेहपुर। सावन के चौथे सोमवार पर नवयुवक कांवरिया संघ की देवाधिदेव महादेव भगवान भोले शंकर की झांकी व कांवड़ यात्रा धूमधाम से रविवार को डीजे की धुन पर भिटौरा घाट के लिए रवाना हो गई। रास्ते पर यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते रहे। कल भिटौरा घाट से गंगाजल लाकर तांबेश्वर मंदिर स्थित शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। नवयुवक कांवरिया संघ के जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश त्रिपाठी की अगुवाई में देवाधिदेव महादेव भगवान भोले शंकर की झांकी व कांवड़ यात्रा निकाली गई। शहर के वर्मा चौराहा स्थित उनके आवास से झांकी व यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरूष व बच्चों ने हिस्सा लिया। भव्य तरीके से सजाई गई भगवान भोलेनाथ की झांकी आकर्षण का केंद्र बिंदु रही। डीजे की धुन पर श्रद्धालु व झांकी भिटौरा घाट के लिए निकली।

शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए भिटौरा घाट पर पहुंचेगी। रास्ते पर गीत, संगीत की धुन पर श्रद्धालु नाचते रहे। जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि भिटौरा घाट में भंडारे का भी आयोजन होगा। जिसमें श्रद्धालु काफी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

पूर्व योजनाओं से किसानों को कोई लाभ नहीं, शासन ने दिये 42 आजीविका सरोवर

- विभाग की चल रही है टीएसी जांच
- विभाग को मालामाल होने का मिला मौका

विनोद शुक्ला। हमीरपुर

जिले में खेत तालाब, चेकडैम, बंधी बनाने के बाद नमी संरक्षण व सिचाई में सफलता न मिलने के बाद शासन ने बुंदेलखंड पैकेज के तहत पहली मर्तवा जिले में भूमि संरक्षण विभाग को आजीविका सरोवर बनाने का लक्ष्य दे दिया है। इसके लिये तीनो इकाईयों को 42 तालाब निर्माण कराने को कहा गया है ये सभी तालाब गांव समाज की जमीन में खुदवाये जायेगे। करोड़ रुपये का बजट अभी फ्लिहाल आवंटित नही किया गया है।

जानकारी के मुताबिक भूमि संरक्षण विभाग में योजना संचालित में हुई धांधली को लेकर शासन से टीएसी जांच चल रही है जांच टीम अभी भी डेरा डाले हुये है जिसे काफी मात्रा में धांधली मिल रही है। इसके बाद भी शासन ने मल्टीपर्जज तालाब यानी आजीविका तालाब निर्माण करने का लक्ष्य दे दिया है एक तालाब की कीमत कम से कम छह लाख से लेकर दस लाख तक होगी जिले में दो प्रकार के तालाबों का निर्माण किया जायेगा। साठ बाई पचास व पचास बाई चालिस मीटर के तालाब बनाये जायेगे। हालाकि नयी योजना आने से विभाग के अफ्सरो की आंखो में चमक आ गयी है। बताया जाता है कि टीएसी टीम को जांच में काफी धांधली मिल रही है।

किसी न किसी अफसर के ऊपर गाज गिरना तय माना जा रहा है। इन तालाबों से किसानों को छोटी मोटी सिचाई व जल स्तर बढ़ाने के लिये शासन ने तालाब बनाने का फैसला किया है। हालाकि कई दशकों से विभाग में बंधी,तालाब व चेकडैम बनाये जा रहे है यही नही खेत तालाब योजना में सैकड़ो तालाब खोदे गये है जहा जहा तालाब खोदे गये है वही पर जल स्तर नीचे चला गया है नमी संरक्षण का तो कही नमोनिशान नही है। ऐसी हालत में आजीविका सरोवर क्या भूमिका निभायेगे इसको लेकर तरह तरह की अटकले लगायी जा रही है बताया जाता है कि कुछ स्थानों में विभाग ने स्थान चयन भी कर दिया है। केवल बजट आने का इंतजार किया जा रहा है। भूमि संरक्षण विभाग प्रथम को बैजेमऊ में दो, किशवाही,अरतरा में दो, अतरैया में दो, सिकरोढ़ी, दो, किशवाही समेत दस तालाब खोदे जाने है। इसी प्रकार भूमि संरक्षण विभाग दो में विहूनी खुर्द, छानी ,मुस्करा, भुजपूर, अतरौली, इंदरपुरा, इछौरा, विहूनकला, ऐझी, शिवनी, बजेहटा, बसरिया, बरहरा, लोधीपूर में चौदह तालाब खुदवाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डीएम-एडीएम ने किया राममंदिर का निरीक्षण

गुरसहायगंज, कन्नौज। पनगंवा ट्रस्ट द्वारा संचालित श्रीराम मंदिर में डीएम व एडीएम ने पहुंचकर औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। साथ ही मंदिर में होने बाले धार्मिक कार्यों सहित निर्माण कार्य की जानकारी ली। रविवार को नगर के चौराहा स्थित प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर का जिलाधिकारी सुभ्रांत कुमार एवं अपर जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होनें साफसफाई तथा मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति को देखनें व मंदिर में बने ध्यान कक्ष का निरीक्षण करनें के उपरान्त आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होनें मंदिर के महंत पं. राकेश चन्द्र दुबे को मंदिर में कार्यक्रम हेतु आने वाले लोगों को मंदिर की तरफ से एक पौधा उपहार स्वरूप देने तथा श्रद्धालुओं को एक पौधा मां के नाम अभियान के स्वरूप लगाए जाने हेतु प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक के कड़े तेवरों से हड़कंप बचने को नए प्रयोग कर रहे थाना प्रभारी

संडीला, हरदोई। हरदोई में कुछ समय पूर्व तैनात हुए पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह जादौन की तेज़ तर्रार और सख़्त कार्यप्रणाली से जहां आमजन को सुरक्षा का एहसास तथा उनमें पुलिस की छवि के निखरने का दौर शुरू हुआ, वहीं पुलिस विभाग में 17 पुलिसकर्मियों के नीलंबन और कई के विरुद्ध अन्य कड़ी कार्रवाई से खौफ़ उत्पन्न हो गया है और अब स्थिति यह है कि नए नए शगूफ़े लाकर कुर्सी बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक श्री जादौन द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के बाद एकमात्र सिद्धांत ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वाह करना ही न केवल सुरक्षित बल्कि नौकरी में शाबाशी की गारंटी है। एसपी ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद एक महीने के कार्यकाल में अत्यंत लापरवाह और विभाग की छवि धूमिल करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है। एसपी के इस प्रकार के तेवरों से कई दूर की कौड़ी लाने वाले पुलिस अधिकारियों ने येन केन प्रर्कारयण एसपी को प्रसन्न करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसी क्रम में थानों में हिस्ट्री शीटर की हाथों में 'अपराध से तौबा करने' संबंधी तख्तियां लेकर परेड कराना या किसी वाक्षित अपराधी का गले में तख्ती डालकर पहुंचने जैसे शगूफ़े किए जा रहे हैं। हालांकि हिस्ट्री शीटरों की कोतवाली में परेड कराने का या अभिनव प्रयोग कोतवाली संडीला में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने किया था। उस समय कुछ पत्रकारों और न्यूज़ चैनल्स पर इस खबर को जमकर प्रचारित कराया गया था। वही दिलेश कुमार सिंह अब कोतवाली अतरौली के प्रभारी निरीक्षक हैं तथा हिस्ट्री शीटर की परेड का कार्यक्रम थाना अतरौली से ही शुरू हुआ है।

पुलिस अधीक्षक श्री जादौन ने कोतवाली अतरौली में तैनात एक हेड कॉन्स्टेबल को अवकाश स्वीकृत न करने तथा उसकी माता के कोमा में चले जाने पर काफ़ी सख़्त रवैया अपनाया था और जवाबतलब भी किया था। इसके अगले दिन हिस्ट्री शीटर की परेड शुरू हो गयी और थाने के 124 हिस्ट्री शीटर में 71 हिस्ट्री शीटर थाने पहुंचे। बताते चलें कि किसी थाने के हिस्ट्री शीटरों को मास में एक दिन थाने आकर अपनी हाजिरी लगवानी पड़ती है। इसके बाद दूसरे थानेदारों ने यही फॉर्मूला अपनाया। कोतवाली सवायजपुर में आयोजित हिस्ट्री शीटर की परेड में 39 में 13 जबकि मल्लावां में 84 हिस्ट्री शीटर में 52 हिस्ट्री शीटर इस परेड में उपस्थित हुए। दिनांक 10 अगस्त को पुलिस अधीक्षक श्री जादौन तथा डीएम एमपी सिंह अतरौली पहुंचे। यहां पुलिस अधीक्षक ने जांच में पाया कि प्रभारी निरीक्षक मामलों की जांच के लिए मौके पर नहीं जाते, इसपर एसपी काफ़ी नाराज़ हुए और उन्होंनें भविष्य में प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए मौके पर जाने की नसीहत प्रभारी निरीक्षक को दी।

हालांकि थाना प्रभारियों द्वारा अपनी थाना अध्यक्षी बचाने के लिए पहले भी तमाम तरह के प्रयोग किए गए लेकिन मौजूदा एसपी के तेवर और उनकी कार्यशैली पर पुराने फॉर्मूले बेकर सिद्ध हो रहे हैं। लोगबाग इस बात कर्मियों के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक के पास पर्याप्त शिकायतें हैं और शीघ्र ही कड़ी कार्रवाई का दौर शुरू हो सकता है।

कांवड़ियों ने गंगा तट से जल ले जाकर पंडाबाग में किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

संवाददाता। फर्रुखाबाद

अखिल भारत हिन्दू महासभा व जय भोले बाबा कमेटी के सौजन्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवर यात्रा को निकाला गया। कॉवर यात्रा में इस वर्ष भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरी ऊर्जा और जोश के साथ भोलेनाथ की अटूटू भक्ति भाव में रंग के भाव-विभोर आस्था का सौलाव उमड गया। इस वर्ष भी बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और नौजवानों ने इस यात्रा में दुर्वासा आश्रम के सामने माँ गंगा के तट से जल भरकर पाण्डेक्श्वर नाथ मंदिर में भोलेनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक किया। इस वर्ष 201 कॉवर द्वारा भोलेनाथ के मंदिर में जलाभिषेक किया गया।रास्ते भर क.श्र. पर भक्ति भाव व धार्मिक भजनों से श्रृद्धालुओं ने भोले नाथ की जय-जयकार से गगन भेदी नारे लगाएं, कश्र पर बज रहे सावन मे भोलेनाथ के भजनों ने भक्तों में उत्साह भर दिया। कांवड़ यात्रा पर जगह जगह भक्तों ने आरती एवं पुष्प वर्षा की, पांडेश्वर नाथ पर जलाभिषेक महा आरती प्रसाद वितरण एवं भंडारा के साथ यात्रा समाप्त हुई।

लॉयन्स क्लब व समर्पण सेवा समिति ने मनाया सावन झूला उत्सव

कायमगंज, फर्रुखाबाद। लॉयन्स क्लब व समर्पण सेवा समिति की ओर से सावन झूला गीत एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बच्चों के कार्यक्रम देख लोग मन मुग्ध हुए। नगर के सीपी गेस्ट हाउस में लॉयन्स क्लब व समर्पण सेवा समिति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम सावन झूला गीत एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम की आयोजिका मिथलेश अग्रवाल ने झूले पर विराजमान कृष्ण.राधिका का माल्यार्पण किया व आरती उतारी। कार्यक्रम में सीपीवीएन नर्सरी विंग स्कूलए मां गायत्री विद्या पीठए शकुंतला देवी कॉलेजए श्रीराम उमाविए राम नरायण महिला डिग्री कॉलेज सीपी आईए सीपीवीएन इंटर कॉलेज के बच्चों ने कार्यक्रम में सावन गीतए आयो रे आयो सावनए परम प्रेम में राधिकाए आयी बागन में बहार, गोवर्धन लीला आदि प्रस्तुत किये।

ट्रक मालिक पर तमंचे से फायर करने वाला गिरफ्तार

कायमगंज, फर्रुखाबाद। तीन दिन पहले पुलगालिब तिराहे के पास जनपद एटा क्षेत्र के एक ट्रक मालिक पर तमंचे से फायर झोकने वाला चर्चित जुबैर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से तमंचा भी बरामद हुआ है। आरोपित अवैध तंबाकू की ढुलाई के लिए मालिक से ट्रक की मांग कर रहा था। 8 अगस्त की रात जैसे ही वह अरविंद नगर के पुलगालिब तिराहे के समीप पहुंचा तभी तंबाकू की फर्जी कंपनी के मुकदमे का आरोपित जुवैर खां अपने चार पांच अज्ञात साथियों के साथ पहुंचा और तमंचे के बल पर कार रोक दी और उसे कार समेत बंधक बनाकर बस स्टेंड की तरह ले गया और कार से उतार कर उससे अवैध तंबाकू की ढुलाई के लिए ट्रक मांगा। जब अरविंद ने मना कर दिया। इसी बीच अरविंद अपनी कार छोड़ कर वहां से भागा तभी जुबैर ने जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर तमंचे से फायर कर दिया। मगर गोली उसकी कनपटी के पास से निकल गई।

एशियन स्कॉलरशिप परीक्षा में चार केन्द्रों पर 6432 छात्र सम्मलित हुए

फर्रुखाबाद। श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट द्वारा 4 केंद्रों पर सामान्य ज्ञान परीक्षा में कुल 6432 छात्रों ने भाग लिया। फर्रुखाबाद में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्याम नगर केंद्र पर सीनियर वर्ग में 1458 व जूनियर वर्ग में 1237, राजपुर में अमर ज्योति इण्टर कॉलेज में सीनियर वर्ग में 623 व जूनियर वर्ग में 584, शाहजहांपुर भरगंवा में अवंतीबाई इंटर कॉलेज केंद्र पर सीनियर वर्ग में 654 में जूनियर वर्ग में 596, नवाबगंज में जे एस इंटर कॉलेज में सीनियर वर्ग में 748 व जूनियर वर्ग में 534 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। परीक्षा दो वर्गों में आयोजित हुई जूनियर वर्ग कक्षा 6 से 9 प्रात: 9 से 10. 00 बजे तक तथा सीनियर वर्ग कक्षा 10 से परास्नातक तक प्रात: 11. 00 से 12. 00 तक। छात्रों ने छात्रवृत्ति व पुरस्कार पाने के लिए दिमागी कसरत की। परीक्षा में समसामयिक, राजनीति, खेलकूद, तार्किक योग्यता, भूगोल इतिहास, गणित आदि के प्रश्नों को शामिल किया गया।

संस्था के निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि यह प्रतियोगिता 22 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही है। इसके माध्यम से जहां एक ओर छात्र वर्तमान समय के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर संस्थान द्वारा छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया जाता है। सामान्य ज्ञान परीक्षा का परिणाम सीनियर वर्ग 13 व 14 अगस्त 2024 एवं जूनियर वर्ग 17 अगस्त 2024 को एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट की शाखाओं पर घोषित होगा।

प्रजापति समाज के प्रतिभावान छात्र व छात्राओं को किया गया सम्मानित

गुरसहायगंज, कन्नौज। भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाइजेशन कन्नौज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने दक्ष प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि पूर्व एडीएम राजितराम प्रजापति, पूर्व पालिकाध्यक्ष धीरेन्द्र आर्य, निहारिका आर्य, वरिष्ठ समाजसेवी प्रमोद आर्य सहित अन्य अतिथियों नें समाज के मेधाबी छात्र छात्राओं को पुरूस्कृत कर उत्साहबर्धन किया। रविवार को भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाइजेशन कन्नौज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधाबियों को पुरूस्कार भेंट कर सम्मानित करनें के उपरान्त अथितियों नें कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को आगे बढनें की प्रेरणा मिलती है। वहीं अन्य अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा को आगे बढाने की बात रखते हुये कहा कि जो भी समाज के सक्षम लोग हैं वो एक-दूसरे की मदद करें। जिससे प्रजापति समाज के लोग शिक्षित हो सकें। इस दौरान दिलानी प्रजापति, राजू प्रजापति, मदनपाल सिंह प्रजापति, प्रमोद, रवि, आशीष प्रजापति, संतराम प्रजापति, अनुज प्रजापति, नरेश प्रजापति, हरिश्चंद्र प्रजापति, विजय प्रजापति, रविंद्र कुमार प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, रवीश कुमार प्रजापति, अनिल प्रजापति सहित समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सिलेंडर में लगी आग से गृहस्थी ख़ाक ग्रामीणों ने बमुश्किल पर पाया काबू

गुरसहायगंज, कन्नौज। विकासखंड गुगरापुर के ग्राम मोहनपुर रतनपुर में खाना पकाते समय आग लग गई जिससे गरीब मजदूर की गृहस्थी जलकर खाक हो गई। ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन मौके पर अग्निशमन गाड़ी नहीं पहुंची थी। ग्रामीणों ने शासन व प्रशासन से पीड़ित गरीब को आर्थिक सहायता एवं प्रधानमंत्री आवास दिलाए जाने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार मोहनपुर रतनपुर निवासी सुशील पुत्र हरनाथ की पत्नी शनिवार की शाम खाना पका रही थी तभी सिलेंडर लीक होने के कारण अचानक आग लग गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। परिजनों ने घर से भाग कर जान बचाई आसपास के ग्रामीणों ने आग बुझाने का अथक प्रयास किया एक ग्रामीण ने जलता हुआ सिलेंडर घर के बाहर खींच कर बहादुरी का परिचय दिया बल्कि सामूहिक प्रयास से बोरे फट्टे डालकर आग बुझाने में सफलता पाई। जिससे बड़ी दुर्घटना होने से बच गई लेकिन गरीब का घर गृहस्ती छप्पर सहित सभी सामान जलकर राख हो गया। खाने पीने एवं रहने की कोई जगह शेष नहीं बची ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीड़ित ग्रामीण नें कई बार आवास के लिये आवेदन किया लेकिन हर बार पक्षपात के चलते इस किसान को प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल सका, यदि मिल जाता तो यह नौबत न आती।

सरस्वती बाल मन्दिर में आयोजित हुआ तृतीय आचार्य चिन्तन शिविर

फतेहपुर। सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज रघुवंशपुरम में संस्थान की 20 शाखाओं के अध्यापक/अध्यापिकाओं (प्राथमिक कक्षाओं के) का तृतीय आचार्य चिंतन शिविर कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रबंधक राकेश त्रिवेदी ने किया। शिविर में सर्वप्रथम मां शारदा का पूजन वंदन हुआ। तत्पश्चात विभिन्न शाखाओं के प्रधानाचार्यों का स्वागत। किया गया। शिविर में प्रबंधक ने कहा कि इतिहास में ध्रुव, प्रहलाद, शिवा जी, श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि ढेरों उदाहरण हैं कि बाल्यावस्था में रोपित संस्कारों का बच्चों पर स्थायी प्रभाव पड़ता है, इसलिए प्रारम्भ से ही बच्चों के अन्दर संस्कार रोपित करने का प्रयत्न करें। रघुवंशपुरम के प्रधानाचार्य शिव बाबू ने अध्यापन कार्य को संसार का सबसे पुनीत कार्य बताया। खागा के प्रधानाचार्य राज कपूर ने कहा कि बच्चे आपकी बोली-भाषा, आपकी गतिविधियों से स्थायी रूप से प्रभावित होते हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक सरेनी अरविंद कुमार ने कहा कि आधुनिकता के इस दौड में बाल मन्दिर संस्थान सभी आधुनिक साधन बच्चों को उपलब्ध कराएगा एवं इसके साथ-साथ बच्चों को संस्कार परक शिक्षा भी देने का कार्य करेगा। कार्यक्रम में संस्थान के सभी प्रधानाचार्य क्रमश: विनोद तिवारी, श्रवण कुमार, रविशंकर, श्यामराखन शास्त्री, मनोज कुमार आदि उपस्थिति रहे।

बुंदेलखंड में गिरते जल स्तर को लेकर निकाली गयी जल कोष यात्रा

मुस्करा, हमीरपुर। अटल भूजल योजना के तहत कलश यात्रा निकालकर जल कोष यात्रा का शुभारंभ किया गया। रविवार के दिन कस्बा मुस्करा के ब्लॉक परिसर से जल योद्धा पदमश्री उमाशंकर पांडे के नेतृत्व में जल कोष यात्रा का शुभारंभ किया गया । इस यात्रा में सबसे पहले महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर ब्लॉक से कालिका देवी मंदिर तक यात्रा की गई और इस यात्रा को सफल बनाने के लिए तालाब के किनारे पूजन किया गया। इस यात्रा के द्वारा लोगों को संदेश दिया गया ष्जो न जग जल के लिए वह न बचेगा कल के लिए, प्रकृति का अनुपम उपहार है जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती किसी जीव व वनस्पति को वायु के बाद जल जीवन रक्षा के लिए अति आवश्यक है प्राचीन भारतीय संस्कृति में जल को जीवन माना गया है जल में जीवनम यही कारण है कि विश्व की समस्त सभ्यताओं ने विकास में जल की उपलब्धता का विशेष महत्व रहा है प्रदेश में 70 फीसदी सिंचाई भूजल संसाधनों पर निर्भर है जबकि पेयजल की लगभग 80 फीसदी और औद्योगिक क्षेत्र की लंबाई 85 फीसदी आवश्यकताओं की आपूर्ति भी भूजल स्रोतों से ही की जाती है। उन्होंने बताया कि 21 ब्लॉक बुंदेलखंड के जिनका जल स्तर लगातार गिरता चला जा रहा है। इसी को देखकर आज बुंदेलखंड के मुस्करा ब्लॉक में इस जल कोष यात्रा का शुभारंभ किया गया है ताकि अटल भू जल योजना के तहत जल को हम बचा सके और आने वाले भविष्य में हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रख सके ।इसी मौके पर भूगर्भ जल विभाग की ओर से सत्येंद्र सिंह चौहान और जीतू राजपूत ने भूगर्भ जल योजना के तहत भूजल संरक्षण के तहत कठपुतली के द्वारा जल संरक्षण के लिए संदेश दिया । इस कार्यक्रम में अटल भूजल योजना के एक्सपर्ट उत्तर प्रदेश साकेत श्रीवास्तव के साथ जनपद के संबंधित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। खंड विकास अधिकारी प्रवेंद्र कुमार पांडेए ब्लॉक प्रमुख मुस्करा वीर नारायण राजपूत के साथ ब्लॉक के 11 ग्राम पंचायतों के प्रधान सचिव मौजूद रहे।

उद्धव ने भगवा विचारधारा छोड़ दी, जनता उन्हें माफ नहीं करेगी

भाषा। मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को शिवेसना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि उन्होंने भगवा विचारधारा छोड़ दी है और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत से खुद को दूर कर लिया है। उन्होंने कहा कि जनता उद्धव ठाकरे को माफ नहीं करेगी। इससे एक दिन पहले, ठाणे में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे दिल्ली के आगे झुक गए हैं। उन्होंने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है, जो राज्य से नफरत करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता ही उनके वाघ-नख हैं। उन्होंने वाघ-नख का जिक्र ऐतिहासिक लड़ाइयों में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार के एक प्रतीकात्मक संदर्भ में किया।

जब केंद्रीय गृह मंत्री ने ठाकरे पर औरंगजेब फैन क्लब का प्रमुख होने का आरोप लगाया था, तो इसके जवाब में पिछले महीने ठाकरे ने भाजपा नेता अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली करार दिया था। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बावनकुले ने कहा, औरंगजेब फैन क्लब के नेता उद्धव ठाकरे ने ठाणे जाकर भाजपा को राम मुक्त बनाने के बारे में खूब शोर मचाया, लेकिन यह आपके लिए इस जीवनकाल में संभव नहीं होगा। उन्होंने ठाकरे की रैलियों में हरे झंडों की मौजूदगी के लिए उनकी आलोचना की और ठाकरे के आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन का जिक्र किया, जहां मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी को वोट देने के बाद वक्फ बोर्ड के प्रति उनके समर्थन की कमी पर सवाल उठाया था।

बावनकुले ने ठाकरे पर छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत छोड़ने, औरंगजेब के उत्तराधिकारियों की पालकी उठाने और भगवा त्यागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह आपके पतन की शुरुआत है। निजी लाभ के लिए आप पूज्य बालासाहेब को भूल गए, जनता आपको माफ नहीं करेगी। इससे एक दिन पहले महा विकास आघाडी (एमवीए) के गठबंधन सहयोगियों ने ठाणे में उद्धव ठाकरे के काफिले पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) कार्यकर्ताओं के हमले को रोकने में विफल रहने के लिए गठबंधन सरकार पर निशाना साधा था। ठाकरे शनिवार को ठाणे के गडकरी रंगायतन सभागार में एक कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे, तभी मनसे के कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उनके काफिले पर टमाटर व गोबर फेंका। पुलिस ने मनसे के कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।इससे पहले शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सदस्यों ने बीड में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के काफिले पर सुपारी फेंकी थी। इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा, अब्दाली को यह देखकर मजा आता है कि मराठी लोग आपस में लड़ रहे हैं। राउत ने दावा किया कि अब्दाली ने कुछ लोगों को विभाजन पैदा करने के लिए ठेके पर रखा है, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। राज ठाकरे के काफिले पर हमले के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कोई जवाब नहीं दिया और इसे मराठा आरक्षण की वकालत करने वाले व्यक्तियों का मामला बताया।उन्होंने (उद्धव ठाकरे के काफिले को निशाना बनाने वाले) हमलावरों को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें जारी राजनीतिक तनाव के बीच अपने परिवारों के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं सभी से दो महीने तक इंतजार करने का अनुरोध करता हूं। आने वाले समय में इस हरकत के प्रति प्रतिक्रिया का पता चलेगा। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने भी उद्धव ठाकरे के काफिले पर हमले की निंदा की। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और शिवसेना (यूबीटी) नेता की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की।

ठाणे में उद्धव के काफिले पर हमला: मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, यह सिर्फ क्रिया की प्रतिक्रिया

ठाणे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा है कि ठाणे में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के काफिले को निशाना बनाया जाना क्रिया की प्रतिक्रिया है। शनिवार को जब ठाकरे यहां गडकरी रंगायतन सभागार में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर गोबर और टमाटर फेंके। घटना के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए शिंदे ने शनिवार रात कहा, इसकी शुरुआत किसने की? शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने औरंगाबाद में राज ठाकरे के काफिले को निशाना बनाया। यह सिर्फ क्रिया की प्रतिक्रिया थी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे और शिवसेना नेता आनंद दिघे के विचारों को त्याग दिया है, उन्हें ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) समर्थकों ने बीड शहर में उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे के काफिले पर सुपारी फेंकी थी।

न्यायालय के निर्देश पर आयोग जल्द ही जम्मू कश्मीर मे चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा: उपराज्यपाल

जम्मू। (भाषा) उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को दोहराया कि अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों पर सरकार का रुख अपरिवर्तित रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निर्वाचन आयोग जल्द ही विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सिन्हा ने विश्वास जताया कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष होंगे। सिन्हा ने यहां पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, निर्वाचन आयोग की पूरी टीम जम्मू-कश्मीर आई और जमीनी हकीकत का आकलन करने के बाद लौट गई। चुनाव की तारीखें आयोग द्वारा तय की जाती हैं और जिस दिशा में चीजें आगे बढ़ रही हैं, मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित करेगा। उन्होंने कहा, मैं आपको उस समय में ले जाना चाहूंगा जब अनुच्छेद 370 और 35ए के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया था। उस दिन गृह मंत्री ने संसद में कहा था कि पहले परिसीमन होगा, उसके बाद विधानसभा चुनाव होंगे और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा दिया जाएगा। उस दिन से लेकर आज तक इस रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। सिन्हा ने कहा, विधानसभा का आकार बढ़ाया गया और उसके बाद न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग ने नई सीमाएं निर्धारित करने पर काम किया। यह एक समय लेने वाली प्रक्रिया थी। परिसीमन आयोग ने जम्मू-कश्मीर का भी दौरा किया।

पंजाब के होशियारपुर में उफनती नदी में बह गया वाहन

एक परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ लोगों की हुई मौत

होशियारपुर। (भाषा) पंजाब के होशियारपुर से लगभग 34 किलोमीटर दूर जैजों में रविवार को पानी से लबालब छोटी बरसाती नदी में एक वाहन के बह जाने से एक परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लापता हैं। पंजाब में हुई भारी बारिश के कारण नदी उफान पर है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के 11 सदस्य स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक के साथ हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के मेहतपुर के निकट देहरा से विवाह समारोह में शामिल होने पंजाब के एसबीएस नगर जिले के मेहरोवाल गांव जा रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि जब वाहन जैजों में भारी बारिश के कारण पानी से लबालब भरी छोटी नदी से गुजरा, तो वह बह गया। पुलिस ने कहा कि कुछ स्थानीय लोगों ने पानी की तेज लहरों के कारण वाहन चालक को नदी पार करने को लेकर आगाह भी किया, लेकिन वह उनकी बात अनसुनी कर आगे बढ़ गया। हालांकि, स्थानीय निवासी वाहन में सवार दीपक भाटिया को किसी तरह बचाकर जैजों में सरकारी चिकित्सालय ले गए। घटना के एक वीडियो में वाहन पानी से भरी नदी में फंसा हुआ दिख रहा है। होशियारपुर की उपायुक्त कोमल मित्तल ने कहा कि बचाव और लापता व्यक्तियों की तलाश से संबंधित अभियान में सहायता के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम तैनात की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र लांबा ने बताया कि नदी से पांच महिलाओं समेत नौ लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि दो लापता लोगों की तलाश जारी है। मृतकों के परिजन ने पुलिस को बताया कि वाहन में 12 लोग सवार थे। जैजों में नदी के दूसरी ओर, हिमाचल प्रदेश से लाए गए करीब पांच वाहन और एक जेसीबी मशीन तैनात है, और पानी कम होने की प्रतीक्षा की जा रही है। लांबा ने बताया कि इन वाहनों में सवार लोगों ने चालक को रुकने के लिए कहा, लेकिन वह वाहन को आगे ले गया, जिससे यह दुखद घटना हुई।पुलिस उपाधीक्षक जागीर सिंह ने बताया कि वाहन तेज पानी में बहकर लगभग 200 मीटर नीचे चला गया। पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान सुरजीत भाटिया, उनकी पत्नी परमजीत कौर, भाई स्वरूप चंद, भाभी बिंदर, भतीजियों भावना और अनु, भतीजे हर्षित और वाहन चालक बिंदु के रूप में हुई है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ितों के परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी और इस संबंध में ऊना जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं।

बाणगंगा में नहाते समय सात युवकों की डूबने से मौत

जयपुर। (भाषा) राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना सदर थाना क्षेत्र में रविवार को बाणगंगा नदी में नहाते समय सात युवकों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि श्रीनगर गांव के आठ युवक गांव के पास से बह रही बाणगंगा नदी में नहाने गए थे तथा नदी में एक गहरा गड्ढे में सात युवक फंस गए और डूब गए जबकि एक युवक सुरक्षित बच निकला। उसने गांव में जाकर घटना की जानकारी दी तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी सात शवों को बाहर निकाला गया। थानाधिकारी बलराम यादव ने बताया कि मृतक युवकों की पहचान पवन सिंह जाटव (20), सौरभ जाटव (18), भूपेंद्र जाटव (18), शांतनु जाटव (18), लक्खी जाटव (20), पवन जाटव (22) और गौरव जाटव (16) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि सभी मृतक युवक आपस में रिश्तेदार हैं और एक ही गांव के रहने वाले हैं।

भारत में घुसपैठ करते 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली। (भाषा) पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैठ करने का प्रयास करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी। एक प्रवक्ता ने कहा कि उनसे पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्वाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएसएफ आपसी मुद्दों, विशेषकर भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए अपने समकक्ष बीजीबी के साथ नियमित संपर्क में है। बीएसएफ के कोलकाता मुख्यालय वाले दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में कहा कि उसकी पूर्वी कमान के प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने शनिवार को एक सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसमें बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के बीचै और 15 अगस्त को आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा की गई। बीएसएफ ने कहा, भारत में घुसपैठ करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर हिरासत में लिया गया है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा सीमा से दो-दो, जबकि मेघालय सीमा से सात को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि उनसे पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्वाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा, सीमा नियंत्रण, सुरक्षा और प्रबंधन को और बेहतर बनाने के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया है। इसके अलावा, अपने समकक्ष बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ घनिष्ठ सहयोग जारी रखने का निर्णय लिया गया हैै। उन्होंने कहा कि बीएसएफ आपसी मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए बीजीबी के साथ फ्लैग बैठक कर रही है और बीजीबी बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचारों की रोकथाम को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के सामने आने वाली समस्याओं पर विचार करने के लिए एडीजी के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के संबंध में केंद्र से कदम उठाने की मांग

संत समाज बांग्लादेश कूच को भी है तैयार

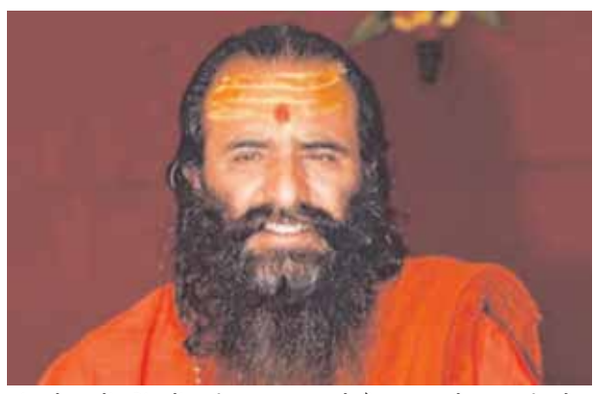

हरिद्वार। (भाषा) बांग्लादेश में हिन्दू समाज के साथ हो रहे अत्याचार पर साधु-संतों ने रविवार को गंभीर चिंता जाहिर करते हुए केंद्र सरकार से इस संबंध में ठोस कदम उठाने की मांग की और कहा कि जरूरत पड़ने पर संत समाज बांग्लादेश कूच करने को भी तैयार है। यहां अवधूत मण्डल आश्रम में साधु-संतों की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वहां हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं तथा उनके प्रतिष्ठानों को जलाया जा रहा है और उनकी हत्याएं की जा रही हैं। महामण्डलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि महाराज ने कहा कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले नहीं रूके तो भारत का संत समाज जरूरत पड़ने पर बांग्लादेश कूच के लिए भी तैयार है। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्री मंहत पुरी ने कहा कि इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाए और बांग्लादेश को कड़ी चेतावनी दे जिससे बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। बैठक में महामण्डलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानंद गिरि ने कहा कि बांग्लादेश की घटना से हिंदू समाज उद्वेलित है और आरोप लगाया कि चुन-चुनकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं व बालिकाओं के साथ बलात्कार कर उनकी हत्या की जा रही है। गिरि ने दावा किया कि हरिद्वार में भी बड़ी संख्या में रोहिंग्या व बांग्लादेशी मुसलमान रह रहे हैं, उन्हें भी देश से बाहर किया जाना चाहिए अन्यथा वे देश के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। महामण्डलेश्वर स्वामी रूपेन्द्र प्रकाश महाराज ने केंद्र को बांग्लादेश में हिंदुओं व मठ-मंदिरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना पूछा कि एक वर्ग विशेष से प्रेम का समय-समय पर इजहार करने वाले आज चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि भारत की मदद से फलने-फूलने वाले बांग्लादेश की नई पीढ़ी में जहर घोलकर भारत को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है जिससे केंद्र को सतर्क रहना चाहिए। महामण्डलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि महाराज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी इस संबंध में मौन साधे बैठा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में संभल में निकाला गया मार्च

संभल। (भाषा) बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे कथित अत्याचार के विरोध में रविवार को संभल जिले के चंदौसी में एक हिंदूवादी संगठन ने जनाक्रोश मार्च निकाला। हिंदू संगठन सनातन सेवक संघ द्वारा निकाले गए जनाक्रोश मार्च में लगभग 50 लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने भारत में रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी जिहादियों के खिलाफ विवादास्पद नारे लगाए।संगठन के सदस्य कौशल किशोर ने बताया कि बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद जिस तरह से हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अत्याचार हो रहे हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। किशोर ने कहा, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हमने यह मार्च निकाला है। हम देश के प्रधानमंत्री से यह मांग करते है कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं के साथ अत्याचार बंद हो। वहीं, संगठन के अन्य सदस्य विवेक नागपुर ने कहा, हम बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार तुरंत बंद करने की अपील करते हैं। साथ ही सरकार वहां के जिहादियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करे।

माकपा ने भी हमले को लेकर चिंता जताई

नई दिल्ली। (भाषा) मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पोलित ब्यूरो ने रविवार को बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की और मांग की कि देश की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। माकपा पोलित ब्यूरो ने यह भी कहा कि भारत सरकार को बांग्लादेश के समक्ष यह मुद्दा उठाना चाहिए। पार्टी ने एक बयान में कहा, माकपा पोलित ब्यूरो शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यक समुदाय पर कई हमलों की रिपोर्ट पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करता है। बयान में कहा गया, यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में अराजक स्थिति के मद्देनजर कट्टरपंथी ताकतें अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना रही हैं। इसमें कहा गया, अल्पसंख्यकों, उनके घरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरिम सरकार को तत्काल और ठोस कदम उठाने चाहिए।

सेवा के विचार के साथ भारत लौटा हूं, भाजपा पर है मुझे चुनाव लड़ाए या नहीं: शौर्य डोभाल

नई दिल्ली। भाजपा नेता शौर्य डोभाल ने कहा है कि उन्होंने कभी चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं जताई है, लेकिन अगर पार्टी उन्हें चुनाव मैदान में उतारने का फैसला करती है तो वह इसके लिए तैयार हैं। बैंकर से राजनेता बने डोभाल ने कहा कि वह सेवा के विचार के साथ 2009 में ब्रिटेन से भारत वापस आए और अपने संगठन इंडिया फाउंडेशन की स्थापना की। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें इसलिए चुनावी राजनीति में मौका नहीं मिला क्योंकि उनके पिता अजीत डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद यह मेरे पिता की वजह से हो सकता है, लेकिन जाहिर है कि मुझे टिकट नहीं मिला और इसीलिए मैंने चुनाव नहीं लड़ा है। यहां समाचार एजेंसी के मुख्यालय में पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में भाजपा की उत्तराखंड राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य डोभाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी चुनाव लड़ने के लिए पार्टी से टिकट नहीं मांगा। चुनावी लड़ने से जुड़े एक सवाल पर शौर्य डोभाल ने कहा, जब मैं इस क्षेत्र में आया था, तो मैं राजनीति के नजरिए से नहीं आया था।

पेज 1 का शेष

कोलकाता...

और स्वस्थ व्यक्ति की मौत इतनी जल्दी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट पूरी तरह से सामने नहीं आई है, इसलिए हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि यह सामूहिक बलात्कार था या किसी जानवर का कृत्य था। संजय दास नामक नागरिक स्वयंसेवक बंगाल पुलिस की बिना शस्त्र वाली शाखा में दैनिक वेतन पर काम करता है, जिसे अपराध करने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उसने अपराध कबूल कर लिया है और पूछताछ करने वालों से उसे जल्द से जल्द फांसी पर लटकाने के लिए कहा है, जिससे नागरिक समाज के सदस्यों में संदेह पैदा हो रहा है कि क्या उसे कुछ अन्य लोगों को बचाने के लिए बलि का बकरा बनाया जा रहा है। यह तब हुआ जब सोशल मीडिया पर एक निराधार ऑडियो क्लिपिंग वायरल हुई जिसमें एक रेजिडेंट डॉक्टर दूसरे व्यक्ति से मामले को दबाने के प्रयासों के बारे में बात कर रहा है। बातचीत में दोनों को इस बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है कि सीसीटीवी फुटेज से कैसे छेड़छाड़ की जा सकती है और क्या उच्च संबंधों वाले किसी साथी डॉक्टर ने इस क्रूर कृत्य में भाग लिया हो सकता है। पीड़िता के माता-पिता ने यह भी कहा कि वे जांच से संतुष्ट नहीं हैं, उन्होंने कहा, इसमें कोई अन्य आंतरिक व्यक्ति या अंदरूनी शामिल होना चाहिए क्योंकि मेरी बेटी आरजी मेडिकल कॉलेज नहीं जाने की शिकायत करती थी। उस पर किसी बात का दबाव था...उसका बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई और एक व्यक्ति अकेले ऐसा नहीं कर सकता। सरकार ने रविवार को अस्पताल अधीक्षक और उप-प्रधानाचार्य को हटा दिया, जबकि जूनियर डॉक्टरों और पीड़ित के परिवार के सदस्यों ने प्रिंसिपल को हटाने और चेस्ट मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष सहित साथी डॉक्टरों से पूछताछ की मांग की। इस बीच, बंगाल भाजपा अध्यक्ष और कनिष्ठ केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने रविवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को एक पत्र लिखकर मृतक डॉक्टर को न्याय दिलाने में उनके शीघ्र हस्तक्षेप करने की मांग की। मजूमदार ने कहा, मैंने जेपी नड्डा जी को एक पत्र लिखा है जो स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष भी हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया बंगाल के सभी मेडिकल कॉलेजों और अन्य अस्पतालों की सुरक्षा और सुरक्षा परिदृश्य का निरीक्षण करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भेजें। डॉक्टरों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है और टीएमसी के लोग पूरी चीज को नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच की भी मांग की। मजूमदार ने कहा, मामले को दबाने का गंभीर प्रयास किया जा रहा है, ताकि किसी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाया जा सके...यहां तक कि गिरफ्तार किया गया नागरिक स्वयंसेवक भी टीएमसी से जुड़े पुलिस संगठन का सदस्य है। उन्होंने कहा कि भाजपा आंदोलनकारी डॉक्टरों के साथ खड़ी रहेगी और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए किसी भी हद तक जाएगी। संयोग से, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के दूसरे नंबर के नेता ने शनिवार को ऐसे जघन्य कृत्यों में शामिल ऐसे अपराधियों के लिए मुठभेड़ की वकालत की थी। उन्होंने कहा, मैं केंद्र से ऐसे कानून लाने की अपील करूंगा, जिससे ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके, उन पर मुकदमा चलाया जा सके और फिर एक हफ्ते के भीतर उनका एनकाउंटर किया जा सके, ताकि दूसरों को सबक मिल सके।

दिल्ली में...

यहां पैदा हुआ और दिल्ली एनसीआर में रहा। उसे दिल्ली एनसीआर में नगर निगम के बुनियादी ढांचे का ऐसा बुरा हाल कभी नहीं देखा, जैसा इस साल बारिश के दौरान देखा है। इस दौरान दिल्ली नगर निगम को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे के बीच बारिश के कारण जलभराव और पेड़ गिरने के बारे में 25 कॉल मिलीं। अलग-अलग इलाकों से जलभराव के बारे में कुल दस शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें मंगोलपुरी, नवादा, मुखर्जी नगर, रोहिणी के सेक्टर-4 और सेक्टर- 15, द्वारका, शिव मंदिर जैन नगर, नारायणा, पीतमपुरा, उत्तम नगर, सागरपुर और नजफगढ़ से कॉल शामिल हैं। सिविल लाइंस, मुंडका, कालकाजी, वेस्ट पंजाबी बाग समेत पंद्रह इलाकों से पेड़ गिरने की शिकायतें मिलीं, जबकि हरि नगर, राजौरी गार्डन, जीटीबी नगर, रोहिणी, बिंदापुर, मंडावली, मादीपुर, उत्तम नगर, कमला नगर और ग्रेटर कैलाश से दो शिकायतें मिलीं।

उप चुनाव...

नया कानून (लाया गया है), एससी-एसटी समाज के लोगों का उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' उन्हें विभाजित करने का नया प्रयास है। जातिगत जनगणना को नकारना, मस्जिदों-मदरसों और वक्फ के संचालन में सरकारी हस्तक्षेप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता का गरीब और मेहनतकश वर्ग स्वाभिमान के साथ जीने, सम्मान के साथ रोजी-रोजगार कमाने की कोशिश कर रहा है लेकिन सरकार इसपर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार की नीयत और नीति पर जनता अब आंख बंद कर विश्वास नहीं करती है, लिहाज़ा बसपा को अपनी गरीब व सर्वजन हितकारी बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति और सिद्धांत के जरिए जनता का विश्वास जीतने का प्रयास जारी रखना होगा, जिसका चुनावी लाभ भी जरूरी एवं स्वाभाविक है। मायावती ने यह भी पूछा कि जब एससी-एसटी वर्ग के लोगों को आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण की सुविधा दी गई है, तब इसमें 'क्रीमी लेयर' का सवाल ही कहां से पैदा होता है? उन्होंने कहा कि इन समुदायों के लोगों के उप-वर्गीकरण की सोच अनुचित है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए मायावती ने कहा कि कानून-व्यवस्था के मामले में सरकार की सख्ती कागजों पर ज्यादा है और भाजपा के लोगों पर यह बेअसर है। बाढ़ से कई लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

हिंडनबर्ग..

उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है। हालांकि बुच दंपती ने अदाणी समूह के खिलाफ सेबी की जांच को लेकर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए आरोपों पर कुछ नहीं कहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि नियत समय में एक विस्तृत बयान जारी किया जाएगा। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख बुच और उनके पति धवल बुच के पास उस विदेशी कोष में हिस्सेदारी है, जिसका इस्तेमाल अदाणी समूह में धन की कथित हेराफेरी के लिए किया गया था। हिंडनबर्ग के मुताबिक, बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था। उसने कहा कि ए वही कोष हैं जिनका कथित तौर पर विनोद अदाणी ने पैसों की हेराफेरी करने और समूक की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया गया था। विनोद अदाणी, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बड़े भाई हैं।हिंडनबर्ग ने जनवरी, 2023 में जारी अपनी पिछली रिपोर्ट में अदाणी समूह पर वित्तीय लेनदेन में गड़बड़ी और शेयरों की कीमतें चढ़ाने के लिए विदेश कोष के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए थे। हालांकि अदाणी समूह ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वह नियामकीय प्रावधानों का पालन करता है। इस बीच, कांग्रेस ने केंद्र से अदाणी समूह की नियामकीय जांच में हितों के सभी टकरावों को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्य विपक्षी दल ने देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत का पता लगाने और घोटाले की पूरी जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की भी मांग की है। हिंडनबर्ग ने शनिवार रात को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि माधवी और उनके पति ने ऑफशोर इकाइयों में निवेश किया जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन (आईआईएफएल) द्वारा प्रबंधित फंड का हिस्सा थे और उसमें विनोद अदाणी ने भी निवेश किया था। हिंडनबर्ग के मुताबिक, कथित तौर पर ए निवेश 2015 में किए गए थे।

मुल्ला पेरियार....

पर ऊपर बताए गए पाँच जिलों के 40 लाख से ज़्यादा लोग मारे जाएंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टलिन द्वारा मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में पांच करोड़ रुपए दान करने के कदम को केरल में राज्य सरकार की चुप्पी को भुनाने की चाल के रूप में देखा जा रहा है। जॉर्ज ने कहा, जिस 8100 एकड़ ज़मीन पर बांध बनाया गया है, वह केरल की है और बांध का निर्माण त्रावणकोर राज्य द्वारा दिए गए पैसे से किया गया है। तमिलनाडु को इसका फ़ायदा मिल रहा है और वह इसे खा भी रहा है।

पीएम ने जलवायु अनुकूल बीजों की 109 किस्में जारी कीं

● कृषि उपज बढ़ाने में मिलेगी मदद

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कृषि और बागवानी फसलों की उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सुदृढ़ीकृत बीजों की 109 किस्मों को जारी किया। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ए कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं। मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। इस मौके पर

प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी ने किसानों के साथ इन नई किस्मों के महत्व पर चर्चा करते हुए कृषि में मूल्य संवर्धन के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर मौजूद किसानों ने कहा कि 61 फसलों से संबंधित ए नई किस्में कम लागत के कारण उनके लिए अत्यधिक लाभकारी होंगी। प्रधानमंत्री ने बाजरे के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि लोग किस तरह पौष्टिक भोजन का रुख कर रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों और जैविक खेती के प्रति आम लोगों की बढ़ती रुचि के बारे में भी बात की। मोदी ने कहा कि लोगों ने जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग और मांग करना शुरू कर दिया है। बयान के मुताबिक, किसानों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में सरकार के प्रयासों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की भूमिका की भी सराहना की। मोदी ने सुझाव दिया कि केवीके को हर महीने विकसित की जा रही नई किस्मों के लाभों के बारे में किसानों को सक्रिय रूप से बताना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इन नई फसल किस्मों के विकास के लिए वैज्ञानिकों की भी सराहना की। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि आज का दिन किसानों के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि 61 फसलों की बीजों की 109 किस्में जारी की गई हैं। इससे किसानों की आय बढ़ाने, उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिलेगी। चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु के अनुकूल हैं और प्रतिकूल मौसम में भी अच्छी फसल दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि ए किस्में पोषण से भरपूर हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे अप्रचलित फसलों को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुरूप काम कर रहे हैं। खेती की फसलों में अनाज, बाजरा, चारा, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास और फाइबर फसलें शामिल हैं। वहीं बागवानी की फसलों में फलों, सब्जियों, मसालों, फूलों और औषधीय पौधों की नई किस्में शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने लगातार जैव-सुदृढ़ किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

उपचुनाव के बाद राजग की नजर रास में बहुमत हासिल करने पर

नई दिल्ली। अगले महीने राज्यसभा की 12 सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव के बाद भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को उच्च सदन में स्पष्ट बहुमत हासिल होने की उम्मीद है। इससे पार्टी को वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे प्रमुख विधेयकों को पारित कराने में मदद मिलेगी। वर्तमान में 229 सदस्यों वाले उच्च सदन में भाजपा के 87 सांसद हैं तथा इसके सहयोगी दलों के साथ यह संख्या 105 है। छह मनोनीत सदस्यों, जो आमतौर पर सरकार के पक्ष में वोट करते हैं, को मिलाकर राजग के सांसदों की संख्या 111 हो जाती है, जो 115 के बहुमत के आंकड़े से चार कम है। उच्च सदन

में कांग्रेस के 26 सदस्य हैं तथा इसके सहयोगी दलों के 58 सदस्य और जुड़ने से विपक्षी गठबंधन के सदस्यों की संख्या 84 हो गई है। प्रमुख तटस्थ दलों में 11 सदस्यों वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और आठ सदस्यों वाली बीजद शामिल हैं। नौ राज्यों की 12 रिक्त राज्यसभा सीटों के लिए तीन सितंबर को चुनाव होगा। भाजपा और इसके सहयोगी दलों को चुनाव में 12 में से 11 सीट मिलने की उम्मीद है, जिससे 245 सदस्ईय सदन में राजग का संख्याबल 122 हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर से उच्च सदन में चार सीट रिक्त हैं क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश को अभी तक अपनी पहली विधानसभा नहीं मिली है। इससे राज्यसभा की प्रभावी संख्या घटकर 241 रह गई है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण राज्यसभा की 10 सीट खाली हो गई हैं। तेलंगाना और ओडिशा में भी दो सीटों के लिए उपचुनाव होना है।

अन्नामलाई ने तिरंगा यात्रा की अनुमति नहीं देने पर द्रमुक पर निशाना साधा

तिरुपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को कहा कि पुलिस ने उनकी पार्टी को मोटरसाइकिल पर तिरंगा यात्रा निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने दिखा दिया कि उसे राष्ट्रीय ध्वज पसंद नहीं है।अन्नामलाई ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर घर तिरंगा अपील और पार्टी की देश भर में तिरंगा यात्रा निकालने की योजना का भी जिक्र किया।उन्होंने कहा, यह भाजपा का झंडा नहीं है और सभी का स्वागत है। यात्रा में वाहन और राष्ट्रीय ध्वज होंगे। यह तिरंगा यात्रा है और इसका उद्देश्य लोगों में (बेहतर) जागरूकता पैदा करना और सभी घरों पर फहराते राष्ट्रीय ध्वज को देखना है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, यह एक बहुत आश्चर्य की बात है, जो सिर्फ तमिलनाडु में हुई है। द्रमुक के लोगों के लिए राष्ट्रीय ध्वज खुद एक समस्या है। देखिए कि वे किस तरह दिखा रहे है कि उन्हें राष्ट्रीय ध्वज पसंद नही है। यात्रा के लिए अनुमति न देकर उन्होंने फिर से अपना गुस्सा जाहिर कर दिया है।

भाईचारे और देशभक्ति से सराबोर करेगी नमक निशान

मुंबई। अमेज़न मिनीटीवी अपनी आनेवाली सीरीज़ नाम नमक निशान के साथ दोस्ती और भाईचारे की भावना का जश्न मनाने की तैयारी कर चुकी है। इस स्ट्रीमिंग सेवा ने आज एक दिलक़श ट्रेलर को पेश किया, जिसमें ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी ओटीए पर आधारित युवा कैडेटों के प्रेरणादायक सफ़र की झलक दिखाई गई है। यह सीरीज़ इन युवा कैडेटों की कहानी पर आधारित है जो भारत के फ़ौजी बनने के अपने लक्ष्य को पाने के लिए वर्गए संप्रदाय और भी बहुत सी बातों के साथ.साथ अपने व्यक्तिगत मतभेदों को भूलकर आगे निकल आते हैं। यह कहानी सम्मान, वीरता और अटूट भाईचारे के सार को प्रस्तुत करने की कोशिश करती है। जगरनॉट स्टूडियो द्वारा प्रोड्यूस की गई हैए जिसमें वरुण सूदए दानिश सूदए हेली शाह और रोशनी वालिया की मुख्य अदाकारियाँ हैंए नाम नमक निशान 14 अगस्त से अमेज़न मिनीटीवी पर निःशुल्क प्रीमियर की जायेगी।

हरियाणा: तेरह साल के लड़के पर पांच वर्षीय बालिका से दुष्कर्म का आरोप

भिवानी (हरियाणा)। जिले के उचाना थाना इलाके के एक गांव में तेरह वर्षीय एक लड़के ने पांच साल की एक बच्ची के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता की मां ने रविवार को उचाना थाने में शिकायत दी, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में कहा कि शनिवार को उसकी पांच वर्षीय बेटी खेलने गई थी। उसने शिकायत में कहा कि इसी दौरान उनकी बेटी के साथ खेल रहा 13 वर्षीय एक लड़का उनकी बेटी को एकांत में ले गया और उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया।

केरल : नवजात की मौत के मामले में मां और दोस्त गिरफ्तार

अलप्पुझा। केरल पुलिस ने रविवार को 22 वर्षीय एक महिला और उसके दोस्त को यहां थाकझी के समीप एक जगह से अपने नवजात बच्चे का शव खोदकर निकालने के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान पूचक्कल की रहने वाली डोना और थाकझी के रहने वाले थॉमस (24) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, महिला के दोस्त और उसके एक साथी को हिरासत मे लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना 10 अगस्त को उस समय सामने आई, जब महिला इलाज के लिए कोच्चि के एक निजी अस्पताल पहुंची।

कांग्रेस की दिलचस्पी अराजकता और विवादों में : सिंधिया

हिंडनबर्ग विवाद पर कहा

भाषा। ग्वालियर

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कांग्रेस पर सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर अराजकता और विवाद फैलाने का आरोप लगाया। अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदेह जताया है कि अडाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी अध्यक्ष बुच और उनके पति की अडाणी समूह से जुड़े विदेशी फंड में हिस्सेदारी हो सकता है।सिंधिया ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर संवाददाताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा, कांग्रेस का काम केवल अराजकता फैलाना और देश को विवादास्पद मामलों में उलझाना है। गुना से सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता

पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता विकास व प्रगति की मशाल लेकर चल रहे हैं जबकि कांग्रेस वर्षों से देश को गुमराह करने तथा अंधेरे में रखने की कोशिश कर रही है।सेबी प्रमुख ने हिंडनबर्ग के आरोपों को आधारहीन और चरित्र हनन का प्रयास बताया है। वहीं, अडाणी समूह ने कहा कि उसका बुच के साथ कभी कोई व्यावसायिक संबंध नहीं रहा।सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए खारिज किया है।बुच दंपति ने कहा, रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है।

सिंधिया ने विपक्ष से माफी की मांग की

ग्वालियर (मध्य प्रदेश)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन के बीच हुई नोकझोंक का जिक्र करते हुए केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को मांग की कि विपक्ष को राज्यसभा के सभापति से माफी मांगनी चाहिए। राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों के बीच नोकझोंक हो गई और सभापति ने कहा कि उनके (जया) जैसी सेलिब्रिटी को भी शिष्टाचार का पालन करने की जरूरत है। इस टकराव के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सिंधिया ने कहा कि राज्यसभा के सभापति धनखड़ के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह बहुत दुखद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, वह केवल सदन के सभापति ही नहीं, देश के उपराष्ट्रपति भी हैं। विपक्ष के हर व्यक्ति को इस व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए। यह सदन के सभापति और उपराष्ट्रपति का अपमान नहीं है, बल्कि संविधान और हमारे तिरंगे का अपमान है। सिंधिया ने कहा कि सदन में हो रहे शोर-शराबे और अपमान के बारे में देश की जनता सब समझती है। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें 2014, 2019 और अब 2024 में सबक सिखाया है, और आने वाले समय में सिखाएगी।

क्विक न्यूज

एमआई-17 केदारनाथ से वापस, क्षतिग्रस्त रास्तों को ठीक करने का काम युद्धस्तर पर जारी

देहरादून। केदारनाथ में बचाव अभियान पूरा होने के बाद वायुसेना के एमआई17 हेलीकॉप्टर को रविवार को वापस भेज दिया गया जबकि अतिवृष्टि और बादल फटने से क्षतिग्रस्त रास्तों को ठीक करने का काम युद्धस्तर पर जारी है।अधिकारियों ने यहां बताया कि केदारनाथ में स्वेच्छा से रुके 78 लोगों को एमआई17 हेलीकॉप्टर के जरिए सुबह गुप्तकाशी पहुंचाया गया जिनमें स्थानीय दुकानदार, साधु-संत, घोड़ा-खच्चर चालक आदि शामिल थे। उन्होंने कहा कि केदारनाथ में नीचे लाने के लिए अब कोई व्यक्ति शेष नही है और बचाव अभियान के पूरा होने के साथ ही एमआई-17 हेलीकॉप्टर को विदा कर दिया गया है। उनके मुताबिक, बचाव अभियान में मदद कर रहे वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर को भारी मशीनों को पहुंचाने के लिए अभी रोका गया है। मौसम के ठीक होते ही केदारनाथ में बड़ी मशीनों को पहुंचाकर चिनूक को भी रवाना कर दिया जाएगा। अधिकारियो ने बताया कि केदारनाथ मार्ग पर 31 जुलाई को अतिवृष्टि और बादल फटने के कारण क्षतिग्रस्त रास्तों को ठीक करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने बताया कि 29 विभिन्न स्थानो पर मार्ग क्षतिग्रस्त हुए थे जिनमें से 25 जगह पर इसे यात्रियों के पैदल आवागमन के योग्य बना दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शेष मार्गों को भी जल्द सुचारू करने के निर्देश दिए हैं ताकि जल्द से जल्द पैदल मार्ग से भी चारधाम यात्रा शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केदारनाथ में जल्द से जल्द हालात सामान्य करने की है। केदारनाथ में चले बचाव और राहत अभियान के दौरान एक सप्ताह में 15 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। उधर, भीमबली में हेलीपैड के पास रविवार को हुए भूस्खलन से जान-माल का कोई नुकसान नही हुआ है। इस स्थान पर पहले से पत्थर गिर रहे थे और एहतियातन वहां से लोगो को पहले ही हटा दिया गया था। भूस्खलन के कारण नदी के एक हिस्से मे पानी एकत्र हो गया जिसे हटाने के लिए कार्वाई की जा रही है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने ममता बनर्जी से की बात, आलू की आपूर्ति में सुधार का आग्रह किया

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की और उनसे आलू की आपूर्ति मे सुधार करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। माझी ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान कहा कि नई दिल्ली मे उनकी बैठक के बाद ओडिशा को आलू की आपूर्ति में सुधार हुआ था, लेकिन अब स्थिति फिर से खराब हो गई है। सीएमओ ने बयान में कहा कि मुख्यमंत्री माझी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और समस्या का समाधान करने का आग्रह किया। बयान के मुताबिक बनर्जी ने माझी को मुद्दे को सुलझाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया है। पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा ओडिशा मे आलू के अनधिकृत परिवहन की जांच के लिए सीमावर्ती गांवो मे सीसीटीवी लगाए जाने के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री ने बनर्जी को फोन किया। ओडिशा सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राज्य भर मे खुदरा दुकानो पर 100 रुपए मे तीन किलोग्राम की दर से आलू बेचना शुरू कर दिया है। राज्य के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री के सी पात्रा ने रविवार को कहा कि नैफेड (भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड) के माध्यम से राज्य के विभिन्न स्थानो पर आलू भेजे गए है। पात्रा ने कहा कि सरकारी खुदरा दुकानो ने रसोई की आवश्यक सामग्री आलू को 100 रुपए में तीन किलोग्राम की दर से बेचना शुरू कर दिया है। मंत्री ने यहां संवाददाताओ से कहा, सरकार के इस कदम के बाद व्यापारियो ने भी आलू को बाजार में उतारना शुरू कर दिया है। मुझे उम्मीद है कि व्यापारी भी उचित दाम पर आलू बेचना शुरू कर देंगे। पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल द्वारा आलू की आपूर्ति रोक दिए जाने तथा राज्य के व्यापारियो द्वारा उत्तर प्रदेश से आलू खरीदने से इनकार करने के बाद ओडिशा मे आलू का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। पात्रा ने कहा कि आलू सीधे उत्तर प्रदेश से मंगाया जाएगा। उन्होने कहा, मैने इस संबंध मे रेल मंत्री से बात की है। अब ओडिशा को अपनी खपत के लिए पर्याप्त आलू मिल सकेगा...। इस बीच, ओडिशा के मुख्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी संजीव कुमार साहू ने कहा कि शनिवार को 50 से अधिक पीडीएस डीलर के बीच आलू के दो ट्रक वितरित किए गए है तथा रविवार को आलू से भरे और ट्रक आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति पीडीएस की दुकान पर जाकर 100 रुपए मे तीन किलोग्राम आलू खरीद सकता है।

असम-मिजोरम सीमा विवाद को लेकर अगले दौर की वार्ता जनवरी में होगी: असम के मंत्री

गुवाहाटी। असम के सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने रविवार को कहा कि मिजोरम के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए अगले दौर की चर्चा अगले साल जनवरी में गुवाहाटी में होगी। मंत्री बोरा ने कहा कि दोनो राज्य सरकारें दशकों पुराने विवाद का समाधान चाहती है ताकि दोनो तरफ अंतर-राज्ईय सीमा के पास रहने वालों के लिए स्थाई शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मंत्री आइजोल से लौटने के बाद गुवाहाटी में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। असम सरकार ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए पिछले सप्ताह मिजोरम सरकार के गृह मंत्री के सपडांगा के नेतृत्व वाली एक टीम के साथ बातचीत की थी। आइजोल मे असम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बोरा ने किया था। बोरा ने कहा, पिछले साल मिजोरम में विधानसभा चुनावों के कारण सीमा विवाद को लेकर वार्ता नही हो पाई। अब हम फिर से विवाद को सुलझाने की दिशा मे बढ़ रहे है। मिजोरम का एक मंत्रिस्तरीय समूह जनवरी तक अगले दौर की वार्ता के लिए गुवाहाटी का दौरा करेगा। हमने उन्हे अपना निमंत्रण दिया है। दोनों पूर्वोत्तर राज्यों ने 20 महीने के अंतराल के बाद पिछले सप्ताह आइजोल मे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वार्ता की। पिछली बैठक नवंबर 2022 मे गुवाहाटी मे आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि असम प्रतिनिधिमंडल ने यात्रा के दौरान मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा से भी मुलाकात की। बोरा ने कहा, उन्होने (मिजोरम के मुख्यमंत्री) हमारे सामने अपने बयान मे स्पष्ट किया था कि वे भी सीमा समस्या का स्थाई समाधान चाहते है क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्रो मे रहने वाले लोग अनिश्चितता का सामना कर रहे है। हम उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। शुक्रवार को आइजोल मे बैठक के बाद दोनो राज्यो ने विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी। यह भी निर्णय किया गया कि दोनो राज्यो के सीमावर्ती जिलो के प्रशासनिक अधिकारी संबंधो को बेहतर बनाने के लिए अगले साल 31 मार्च से पहले संयुक्त सांस्कृतिक और खेल उत्सव आयोजित करेंगे। मिजोरम के तीन जिलो-आइजोल, कोलासिब और ममित तथा असम के कछार, करीमगंज और हैलाकांडी जिलो को लेकर विवाद है, जिनके बीच 164.6 किलोमीटर लंबी सीमा है।

अहमदाबाद में डाकघर से उच्च किस्म का गांजा बरामद, पार्सल के पैकेट में छुपाकर रखा गया था

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एक विदेशी डाकघर अनुभाग से खिलौनों और महिलाओं के जूतों में छिपाकर रखे गए उच्च किस्म के गांजे से भरे पार्सल के पैकेट बरामद किए गए है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से इसका संकेत मिला है कि इस गांजे की खरीद डार्क वेब से की गई हो और यह संभावित तौर पर विदेश से जुड़ा हो सकता है। अधिकारियो ने रविवार को बताया कि शनिवार रात 37 पैकेट मे भरा 5.670 किलोग्राम उच्च किस्म का गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित कीमत 1.70 करोड़ रुपए है। अधिकारियो ने कहा कि साइबर अपराध शाखा और सीमा शुल्क विभाग ने इन पैकेट को डिलीवरी के लिए भेजे जाने से पहले ही जब्त कर लिया। अधिकारियो ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करो द्वारा विदेश से प्रतिबंधित सामान खरीदने के लिए इंटरनेट और अन्य सोशल मीडिया मंचो का इस्तेमाल करने के संबंध में सूचना मिलने के बाद साइबर अपराध और सीमा शुल्क विभाग के एक संयुक्त दल ने निगरानी शुरू कर दी थी।

करदाताओं को धमकाने की जगह मार्गदर्शन का नजरिया अपनाएं आयकर अधिकारी: सीबीडीटी प्रमुख

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदाई, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि भारत में आयकर व्यवस्था के 164 वर्ष पूरे होने पर कर अधिकारियों को विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।सीबीडीटी प्रमुख ने हाल ही में 24 जुलाई को मनाए गए 165वें आयकर दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन वीडियो संवाद सत्र द चेयरमैन स्पीक्स के माध्यम से अपने सहकर्मियों से बात की। कर विभाग में बदलावकारी परिवर्तन हुए हैं, प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है, करदाताओं का आधार बढ़ाया गया है और इसका स्वरूप प्रवर्तन और विरोधात्मक विभाग से बदलकर काफी हद तक एक सेवा विभाग बन गया है।

विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिश की जा रही हैं : होसबाले

भाषा। बेंगलुरु

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को दावा किया कि विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें की जा रही हैं और उन्होंने हिंसाग्रस्त बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के क्षेत्रीय कार्यालय धर्मश्री भवन के उद्घाटन के

अवसर पर होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी। आरएसएस के दूसरे नंबर के नेता ने दावा किया कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हिंदू जिस देश में रहते हैं, उसके विकास में योगदान दे रहे हैं, वे नियमों और विनियमों का पालन करते हैं और शांति से रहते हैं, जो गर्व की बात है। होसबाले ने कहा, फिर भी, विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें हो रही हैं। हम देख रहे हैं कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है। भारत सरकार अपनी तरफ से कोशिश कर रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा की जानी चाहिए।

मराठा आंदोलनकारियों ने पवार का काफिला रोका

● रैली में जरांगे के समर्थन में नारे लगाए

सोलापुर,। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता शरद पवार को रविवार को अलग-अलग जगहों पर मराठा आरक्षण आंदोलनकारियों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। आंदोलनकारियों ने सोलापुर जिले में उनके वाहन को रोककर नारेबाजी की जबकि बर्शी कस्बे में रैली को संबोधित करते समय काले झंडे दिखाए। टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित वीडियो में देखा जा सकता है कि मराठा आरक्षण के नारे लगाते हुए लोगों के एक समूह ने कुर्दुवाड़ी गांव के पास पवार की कार रोककर उनसे आरक्षण के मुद्दे पर रुख स्पष्ट करने

को कहा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पवार को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्होंने आरक्षण का समर्थन किया है, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपनी बात नहीं कह रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी ने पवार से पूछा, ‟आप लंबे समय से मराठा समुदाय के लिए आरक्षण का समर्थन करने की बात कर रहे हैं। आप इस मुद्दे पर अपना रुख सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं बताते ?इसके कुछ घंटे बाद कुछ युवक बार्शी कस्बे में पवार के रैली स्थल पर पहुंचे और आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे के समर्थन में नारे लगाए। पवार जब भाषण दे रहे थे, तब युवकों ने काले झंडे भी दिखाए। घटना की पुष्टि करते हुए सोलापुर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पवार की रैली में चार युवकों ने जरांगे के समर्थन में नारे लगाए। सुरक्षा कर्मियों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें काबू किया और हिरासत में लेकर थाने ले गए। रैली को संबोधित करते हुए पवार ने किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आश्वासन पर कटाक्ष किया और दावा किया कि भाजपा शासन में किसानों की आत्महत्या की घटनाएं दोगुनी हो गई हैं।

अभिषेक बनर्जी ने दुष्कर्म और हत्या मामलों में त्वरित न्याय के लिए विधेयक लाने का आह्वान किया

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बलात्कारियों और हत्यारों पर त्वरित गति से मुकदमा चलाने और एक सप्ताह के भीतर सजा सुनाने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करने का आह्वान किया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अनुकरणीय सजा मिले। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के आमतला में एक प्रशासनिक बैठक के बाद यह टिप्पणियां कीं। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक महिला परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या के बाद सड़कों पर प्रदर्शन करने के लिए भाजपा के नेताओं की निंदा की। बनर्जी ने भाजपा नेताओं से प्रदर्शन के बजाय त्वरित न्याय के लिए केंद्र पर विधेयक पारित करने का दबाव डालने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस संसद में विरोधी दल होने के नाते इस विधेयक का समर्थन करेगी और इसे कांग्रेस तथा वामपंथी दलों का भी समर्थन मिल सकता है। बनर्जी ने कहा कि ऐसे कानून से मुकदमे के लंबा खिंचने पर रोक लगेगी और यह सुनिश्चित करके करदाताओं का पैसा बचाया जाएगा कि बलात्कारी और हत्यारे समाज में न रहें।

पश्चिमी त्रिपुरा में बांग्लादेश में अशांति के मद्देनजर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं: पुलिस

अगरतला। बांग्लादेश में अशांति के मद्देनजर त्रिपुरा पुलिस ने कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए अगरतला सहित पश्चिमी त्रिपुरा जिले में प्रदर्शन या रैली करने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी पुलिस ने इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश पोस्ट करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पश्चिमी त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार ने संवाददाताओं से कहा, बांग्लादेश में स्थिति अस्थिर है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सीमा पार से किसी भी घुसपैठ की कोशिश को विफल करने के लिए त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ संयुक्त गश्त कर रही है। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपायों के तहत पुलिस ने विरोध प्रदर्शन या बांग्लादेश से संबंधित कार्यक्रमों की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। पुलिस ने फेसबुक पेज पर लिखा, कृपया कोई भी भड़काऊ संदेश प्रसारित करने से बचें। अगर ऐसा कोई संदेश किसी व्हाट्सऐप ग्रुप में साझा किया जाता है तो ग्रुप के एडमिन कानूनी कार्वाई के लिए उत्तरदाई होंगे। इसने अपने पोस्ट में लिखा कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ ऑडियो संदेश पोस्ट करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और एयरपोर्ट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। कानूनी कार्वाई के लिए अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

एससी सांसदों को लामबंद करेंगे चिराग

● आरक्षण पर शीर्ष अदालत के फैसले की समीक्षा की मांग की

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान समुदाय के भीतर आरक्षण के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने से पहले समर्थन जुटाने के लिए विभिन्न दलों के अनुसूचित जाति के सांसदों की बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के नेता पहले ही फैसले से अपनी असहमति जता चुके हैं और कह चुके हैं कि उनकी पार्टी शीर्ष अदालत के समक्ष

पुनर्विचार याचिका दायर करेगी।सूत्रों ने कहा कि पासवान ने फैसले पर अनुसूचित जाति के सांसदों के विचार जानने के लिए उनसे संपर्क किया है। अदालत के इस फैसले का दूरगामी राजनीतिक प्रभाव पड़ सकता है। कई प्रमुख राष्ट्रीय दलों ने इस मसले पर चुप्पी साध रखी है।पासवान जल्द ही इस पर चर्चा के लिए अनुसूचित जाति के सांसदों की एक औपचारिक बैठक बुला सकते हैं।हालांकि, यह देखा जाना बाकी है कि विभिन्न दलों के अनुसूचित जाति के सांसदों की प्रतिक्रिया क्या होती है। इनमें से कई ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों की स्थिति के आधार पर अलग-अलग रुख अपनाया है।पासवान या मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) जैसी पार्टियां अदालत के इस फैसले के खिलाफ खुलकर सामने आ गई हैं। भाजपा के एक अन्य सहयोगी दल हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने फैसले की सराहना करते हुए कहा कि मांझी समुदाय को आरक्षण से मिलने वाले लाभों में बहुत कम प्रतिनिधित्व मिला है क्योंकि नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में ज्यादातर पदों पर संपन्न अनुसूचित जाति के समुदाय का कब्जा है।

भारत का हिंद महासागर क्षेत्र में प्रमुख साझेदार है मालदीव : जयशंकर

भाषा। माले

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख साझेदार है तथा दोनों देश अपने सहयोग को आधुनिक साझेदारी में बदलने की आकांक्षा रखते हैं। जयशंकर ने अड्डू पुनर्ग्रहण और तट संरक्षण परियोजना का हस्तांतरण समारोह और एक्जिम बैंक की ऋण सहायता के तहत भारत सरकार की मदद से बनाई गई 4-लेन डेटोर लिंक सड़क परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। इस अवसर पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर भी मौजूद थे। जयशंकर ने कहा, मालदीव हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार है। यह पड़ोसी प्रथम की हमारी नीति के केंद्र में है। और इसलिए यह बहुत ही स्वाभाविक है कि हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है तथा आज वास्तव में एक आधुनिक साझेदारी बनने की आकांक्षा है। उन्होंने कहा, विकास के क्षेत्र में हमारे सहयोग का उद्देश्य लोगों के जीवन के सभी पहलुओं को छूना और उनके जीवन में इसके ठोस लाभ लाने के तरीके खोजना है। जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मालदीव में लगभग 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत मालदीव में क्षेत्रीय विकास को कितना महत्व देता है। विदेश मंत्री ने कहा, आज हम अन्य देशों के अलावा सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक हैं। हम भारत से मालदीव में अधिक निवेश प्रवाह भी देख रहे हैं, खासकर पर्यटन क्षेत्र में। उन्होंने कहा कि भारत ने मालदीव सरकार के साथ अड्डू पुनर्ग्रहण और तट संरक्षण परियोजना में साझेदारी की है, ताकि इसे एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने का एक स्थाई तरीका ढूंढ़ा जा सके।

मुख्य विपक्षी दल ने मुइज्जू सरकार की भारत नीति में अचानक आए बदलाव को सराहा

माले। मालदीव के मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू नीत सरकार द्वारा अपनी भारत नीति में अचानक किए गए बदलाव का स्वागत किया और कहा कि माले इस बात को लेकर हमेशा आश्वस्त रहा है कि देश पर जब भी संकट आएगा और वह मदद के लिए पुकारेगा तो नई दिल्ली सबसे पहले सहायता करेगा। एमडीपी के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने शनिवार को यहां भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के बाद यह बात कही। एमडीपी अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी की मांग है कि मुइज्जू सरकार से अपने अधिकारियों के कृत्यों, झूठ और गैर-जिम्मेदाराना बयानों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगे जिनकी वजह से मालदीव को विदेश और आर्थिक मोर्चे पर खासा नुकसान हुआ है। जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मालदीव की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

रूसी जमीन पर सैन्य कारवाई की : जेलेंस्की

भाषा। कीव

रूस के कुर्स्क सीमावर्ती क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा चौंकाने वाली सैन्य कार्वाई शुरू किए जाने के कई दिन बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने संबोधन में इस पर अपनी सरकार की चुप्पी तोड़ी और युद्ध का रुख आक्रमणकर्ता के क्षेत्र की ओर मोड़ देने से जुड़ी इस कार्वाई को परोक्ष रूप से स्वीकार किया। रूस द्वारा यूक्रेन के कीव में रविवार रात भर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमले में चार वर्षीय लड़के सहित दो लोगों की मौत हो गई। कुर्स्क के क्षेत्रीय गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने कहा कि रूसी वायु रक्षा तंत्र ने एक यूक्रेनी मिसाइल को मार गिराया जो एक आवासीय भवन पर गिरी जिससे 13 लोग घायल हो गए। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर चार बैलेस्टिक मिसाइल और 57 शाहेद ड्रोन दागे, लेकिन उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 53 ड्रोन मार गिराए। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार रूस ने कीव के ब्रोवेरी जिले के एक आवासीय क्षेत्र में कई मिसाइल दागीं, जिससे वहां इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और इसके मलबे से 35 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे के शव बरामद हुए। इस हमले में तीन लोग घायल भी हुए हैं। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि रूस ने इस महीने में दूसरी बार यूक्रेन की राजधानी को निशाना बनाया है। पोपको ने कहा कि रूस की ओर से दागी गईं बैलिस्टिक मिसाइल राजधानी तक नहीं पहुंच सकीं लेकिन इससे उपनगर प्रभावित हुए, जबकि राजधानी की ओर लक्ष्य साध रहे ड्रोन को मार गिराया गया।

कीव क्षेत्र में चार वर्षीय लड़के सहित दो की मौत

कीव। रूस द्वारा यूक्रेन के कीव में रविवार रात भर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमले में चार वर्षीय लड़के सहित दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन ने इसकी जानकारी दी। यूक्रेन की राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, रूस ने कीव के ब्रोवेरी जिले के एक आवासीय क्षेत्र में कई मिसाइलें दागी, जिससे वहां इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और इसके मलबे से 35 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे का शव बरामद किया गया। रूस के हमले में जिले के अन्य तीन लोग घायल हो गए हैं। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि रूस ने इस महीने में दूसरी बार यूक्रेन की राजधानी को निशाना बनाया है।

ट्रंप के प्रचार की कमान संभाल रही टीम ने ई-मेल हैक किए जाने का दावा किया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान की कमान संभाल रही टीम ने शनिवार को कहा कि उनके ई-मेल हैक किए गए हैं। टीम ने दावा किया कि ईरान के लोग इन संवेदनशील आंतरिक दस्तावेज चुराने और उनके प्रसार में शामिल हैं। हालांकि, प्रचार अभियान की कमान संभालने वाली टीम ने ईरान की संलिप्तता को लेकर सीधे कोई सबूत नहीं दिया, लेकिन उसका यह दावा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा एक रिपोर्ट जारी किए जाने के बाद आया है। इस रिपोर्ट में 2024 में अमेरिकी अभियान में हस्तक्षेप करने के विदेशी एजेंटों के प्रयासों का विवरण दिया गया है। ट्रम्प के चुनाव प्रचार अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने हैकिंग के लिए अमेरिका के प्रति शत्रुता रखने वाले विदेशी स्रोतों को जिम्मेदार करार दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उसने (परिषद) अनुचित विदेशी हस्तक्षेप की रिपोर्ट को बेहद गंभीरता से लिया है और वह अमेरिकी लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने का प्रयास करने वाली सरकार या संस्था की निंदा करती है।

ब्रिटेन में स्कूली छात्रों को फर्जी खबरों की पहचान का प्रशिक्षण दिया जाएगा

लंदन। सोशल मीडिया पर गलत सूचना के कारण ब्रिटेन के कई शहरों में दक्षिणपंथियों के दंगों के मद्देनजर पाठ्यक्रम में प्रस्तावित बदलावों के तहत स्कूली बच्चों को सिखाया जाएगा कि चरमपंथ से जुड़ी ऑनलाइन सामग्री और फर्जी खबरों को कैसे पहचाना जाए। ब्रिटेन की शिक्षा मंत्री ब्रिजेट फिलिप्सन ने रविवार को द डेली टेलीग्राफ को बताया कि वह प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्कूली पाठ्यक्रम की समीक्षा शुरू कर रही हैं ताकि विभिन्न विषयों में आलोचनात्मक नजरिए की सोच विकसित की जा सके और बच्चों को षड्यंत्र सिद्धांतों के खिलाफ तैयार किया जा सके। इसका अर्थ यह है कि स्कूली बच्चे अंग्रेजी पाठों में लेखों का विश्लेषण कर सकते हैं, ताकि उन्हें यह सीखने में मदद मिल सके कि सटीक रिपोर्टिंग से मनगढ़ंत चीजों को कैसे अलग किया जाए।

तुर्किए ने इंस्टाग्राम पर लगाया प्रतिबंध हटाया

इस्तांबुल। तुर्किए ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम तक उपयोगकर्ताओं की पहुंच शनिवार को बहाल कर दी। देश के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्राधिकरण ने दो अगस्त को बिना कोई विशेष कारण बताए इंस्टाग्राम तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी थी। बाद में सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि प्रतिबंध इसलिए लगाया गया, क्योंकि सोशल मीडिया मंच तुर्किए के कानूनों का पालन करने में विफल रहा है। तुर्किए के परिवहन एवं बुनियादी ढांचा मंत्री अब्दुलकादिर उरालोग्लू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इंस्टाग्राम के अधिकारियों के साथ बातचीत में हमें आश्वासन दिया गया कि हमारा अनुरोध स्वीकार किया जाएगा, खासतौर पर आपराधिक गतिविधियों से संबंधित अनुरोध। हमसे वादा किया गया कि हम उपयोगकर्ताओं को सेंसर करने के उपायों पर मिलकर काम करेंगे। उरालोग्लू ने एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया कि इंस्टाग्राम तुर्किए के कानून का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और जिन मामलों में कानून का उल्लंघन किया गया है, उनमें त्वरित एवं प्रभावी हस्तक्षेप करेगा। मंत्री ने कहा कि आतंकवादी संगठनों से जुड़े सभी अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और पीकेके, पीवाईडी तथा एफईटीओ सहित ऐसे सभी संगठनों के एजेंडे को बढ़ावा देने वाली प्रत्एक सामग्री हटा दी जाएगी।

विदेश सचिव मिस्री नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मिले, संबंधो पर चर्चा

मजबूती पर ध्यान

काठमांडू। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रविवार को नेपाल के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की।नेपाल के विदेश सचिव सेवा लामसाल के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए मिस्री ने काठमांडू में राष्ट्रपति कार्यालय शीतलनिवास में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से शिष्टाचार भेंट की। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास नेअ सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, भारतीय नेतृत्व की ओर से शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने सभी क्षेत्रों में भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मिस्री ने सिंहदरबार स्थित प्रधानमंत्री के.पी शर्मा ओली के कार्यालय में उनसे भी मुलाकात की। भारतीय दूतावास ने अन्य पोस्ट में कहा, विदेश सचिव ने भारत और नेपाल के सभ्यतागत, घनिष्ठ और बहुआयामी संबंधों पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गति प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की।

नेपाल भाषा परिषद के नए भवन का उद्घाटन

काठमांडू। विदेश सचिव विक्रम मिस्री और नेपाल के शहरी विकास मंत्रालय में सचिव मणिराम गेलल ने रविवार को संयुक्त रूप से नेपाल भाषा परिषद के नए भवन का उद्घाटन किया जिसका निर्माण भारत की ओर से भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के लिए दी गई अनुदान राशि से किया गया है। मिस्री, भारत और नेपाल के बीच संबंधो को और मजबूत करने तथा हिमालई राष्ट्र के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधो को आगे बढ़ाने के तरीकों पर देश के नेतृत्व और अधिकारियो के साथ चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए है।भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और नेपाल के शहरी विकास मंत्रालय के सचिव मणिराम गेलल ने संयुक्त रूप से काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद के नए भवन का उद्घाटन किया, जिसे भारत की ओर से भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के लिए दी गई अनुदान राशि से बनाया गया है।

भारत-द.अफ्रीका वैश्विक मंच पर नेतृत्व प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं : सूकलाल

जोहानिस्बर्ग। भारत में अफ्रीकी राष्ट्र के नवनियुक्त राजदूत अनिल सूकलाल ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच विशेष संबंध है जिनमे हर स्तर पर संभावनाएं है और उम्मीद जताई कि दोनो देश वैश्विक मंच पर नेतृत्व प्रदान करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। भारत में दक्षिण अफ्रीका के राजदूत नियुक्त होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति सूकलाल ने अपनी नियुक्ति के सम्मान मे आयोजित एक समारोह मे यह बात कही।सूकलाल ने कहा, दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच विशेष संबंध है, और मै खुद को बेहद गौरवान्वित और भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं कि हमारे संबंधों के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण दौर में भारत में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मेरा चयन किया गया। उन्होने कहा कि भारत के साथ विशेष संबंध का उल्लेख दिवंगत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने भी किया था। उन्होने कहा कि मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक नेता के रूप मे निर्वाचित होने के बाद भारत का दौरा न केवल भारत सरकार, बल्कि भारत के लोगो को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका (रंगभेद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाने के लिए नेतृत्व करने में) के लिए धन्यवाद देने के लिए किया था।

क्विक न्यूज

चार्ल्स तृतीय ने ब्रिटेन में हुई हिंसा में नस्लवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने वालों की सराहना की

लंदन। ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स तृतीय ने देश मे उत्पात मचाने वाली दक्षिणपंथी हिसक भीड़ के खिलाफ मोर्चा संभालने और नस्लवाद के विरोध मे सड़कों पर उतरकर एकजुटता दिखाने वालों की सराहना की है। दक्षिणपंथियों ने तीन लड़कियों की चाकू घोंपकर हत्या करने के बारे मे गलत सूचना फैलाई थी, जिसके बाद देश मे दंगे भड़के थे। बकिंघम पैलेस ने एक बयान मे कहा कि चार्ल्स ने शुक्रवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर और कानून प्रवर्तन के अधिकारियो के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पुलिस और अन्य आपातकालीन कर्मचारियों को देश मे कानून-व्यवस्था बनाए रखने और हिसा से प्रभावित लोगो की मदद करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। बयान मे कहा गया, महाराजा इस बात से बेहद खुश हुए कि किस तरह लोगों ने नस्लवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए आक्रामकता और अपराध का मुकाबला करुणा और साहस से किया। ब्रिटेन मे नस्लवाद के विरोध मे और हिसा को पुनः भड़कने से रोकने के लिए हजारों की संख्या मे लोग शनिवार को सड़कों पर उतर आए और शांति मार्च निकाला। देश मे एक सप्ताह से अधिक समय तक दंगे हुए थे। प्रवासी-विरोधी और इस्लाम के खिलाफ नारे लगाने वाली भीड़ ने मस्जिदों पर हमला किया था, दुकानो को लूटा और पुलिस के साथ झड़पें की थी। ब्रिटेन मे यह हिसा तब शुरू हुई थी, जब दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने 29 जून को सोशल मीडिया पर यह झूठा दावा किया था कि उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के साउथपोर्ट टेलर स्विफ्ट थीम वाले हॉलिडे क्लब मे घुसकर छह से नौ वर्ष की तीन लड़कियों की हत्या कर दी गई थी।

पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शीर्ष नागरिक एवं सैन्य नेतृत्व ने रविवार को अल्पसंख्यकों के अधिकारों व धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने का संकल्प लिया और समाज के सभी वर्गों से अंतरधार्मिक सद्भाव, प्रेम, सहिष्णुता, भाईचारे तथा एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए काम करने का आग्रह किया।पाकिस्तान ने देश के संस्थापक एमए जिन्ना के ऐतिहासिक भाषण के सम्मान में वर्ष 2009 में 11 अगस्त को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक दिवस के रूप में घोषित किया था। जिन्ना ने 11 अगस्त, 1947 को अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने का वादा किया था।पाकिस्तान के सरकारी रेडियो के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने संदेश में कहा कि देश में अल्पसंख्यकों को संविधान द्वारा प्रदान किए गए सभी राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकार प्राप्त है। जरदारी ने कहा, हम 11 अगस्त 1947 को कायदे आजम मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा देश के अल्पसंख्यकों को उनके अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के वादे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते है। उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठा रही है।राष्ट्रपति ने समाज के सभी वर्गों से लोगों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने और अंतर-धार्मिक सद्भाव, प्रेम, सहिष्णुता, भाईचारे तथा एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए काम करने का आग्रह किया ताकि पाकिस्तान को एक मजबूत देश बनाया जा सके।

ब्राजील विमान दुर्घटना में सभी 62 मृतकों के अवशेष बरामद, बचाव अभियान समाप्त

विन्हेडो। ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में शुक्रवार को हुए विमान हादसे मे मारे गए सभी 62 लोगों के अवशेष बरामद होने के साथ ही बचाव अभियान समाप्त कर दिया गया। मृतकों के परिजन अपने प्रियजनो की शिनाख्त करने और उन्हे दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे है। विमानन कंपनी वेपास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त एटीआर72 विमान मे 58 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। उसने बताया कि विमान ग्वारुलोस मे साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो मे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।कंपनी ने पहले बताया था कि उसके विमान मे 62 यात्री सवार थे, लेकिन बाद मे उसने संख्या को संशोधित कर 61 कर दिया और शनिवार सुबह एक बार फिर संख्या बढ़ा दी, जब उसने पाया कि कॉन्स्टेंटिनो माइया नामक यात्री का नाम उसकी मूल सूची मे नही था। साओ पाउलो सरकार ने एक बयान मे कहा कि बचाव अभियान शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम 6.30 बजे समाप्त हो गया। उसने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञो ने विमान के पायलट और सह-पायलट के शवो की पहचान कर ली है तथा मलबे से 34 पुरुषो व 28 महिलाओं के शव बरामद किए गए है। ब्राजील के अधिकारियो ने शुक्रवार को सभी शव मुर्दाघर मे स्थानांतरित कर दिए और परिजनो से मृतकों की पहचान करने मे मदद के लिए किसी भी चिकित्सकीय जांच, एक्स-रे या दंत परीक्षण की रिपोर्ट लाने को कहा। शवो की पहचान करने के लिए खून की जांच भी की गई। विन्हेडो में शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए साओ पाउलो के सार्वजनिक सुरक्षा सचिव गिलहर्मे डेंइट ने कहा कि विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है, जो स्पष्टतः संरक्षित अवस्था मे है। ब्राजील की वायुसेना ने शनिवार को बताया कि विमान के दोनो ब्लैक बॉक्स राजधानी ब्रासीलिया स्थित विश्लेषण प्रयोगशाला मे भेज दिए गए है। उसने कहा कि हमे उम्मीद है कि 30 दिनों के भीतर जांच के नतीजे सामने आ जाएंगे।

पाकिस्तान के कराची में लोगों को पसंद आ रहे हैं शुद्ध शाकाहारी भारतीय व्यंजन

कराची। पाकिस्तान का औद्योगिक और वित्तीय केंद्र कराची खाने के शौकीनो के लिए खाद्य राजधानी बन गया है। नवीनतम चलन मे प्रामाणिक और परिष्कृत भारतीय शाकाहारी व्यंजनो जैसे सोयाबीन आलू बिरयानी , आलू टिक्की , वड़ा पाव , मसाला डोसा और ढोक्ला के प्रति लोगों की रुचि काफी बढ़ रही है। सिंध प्रांत की राजधानी कराची के लाखों लोगो के लिए इसकी खूबसूरती यहां उपलब्ध भोजन के विकल्पो मे है, जिसमे सबसे महंगे यूरोपीय और इतालवी व्यंजनो से लेकर किफायती चीनी भोजन या साधारण बन कबाब तक शामिल है, क्योंकि यह खाद्य राजधानी हर किसी के स्वाद और जेब को ध्यान मे रखती है। हाल के महीनो मे खाने के शौकीन लोगो मे शुद्ध शाकाहारी व्यंजनो के प्रति रुचि विकसित हुई है। कराची मे एम ए जिन्ना रोड के ऐतिहासिक पुराने परिसर मे स्थित महाराज करमचंद वेजिटेरियन फूड्स इन रेस्तरां के मालिक महेश कुमार का कहना है कि उनका व्यवसाय फल-फूल रहा है, क्योंकि लोगो मे शाकाहारी व्यंजनो के प्रति रुचि पैदा हो रही है, जिन्हे कराची मे शुद्ध शाकाहारी भारतीय व्यंजन के रूप मे जाना जाता है। शहर का नारायण परिसर इलाका, जहां विभाजन से पहले हिंदू, सिख और ईसाई शांति और सद्भाव से रहते थे, वहां न केवल रेस्तरां है, बल्कि सदियो पुराना स्वामीनारायण मंदिर और एक गुरुद्वारा भी है। शुरुआत मे परिसर के लोगो के लिए बनाया गया महाराज करमचंद रेस्तरां अब इन वकीलो और आगंतुको के लिए एक लोकप्रिय स्थान है, जो परिसर के ठीक सामने स्थित शहर की अदालतो मे या पुराने कराची के इस व्यावसायिक रूप से जीवंत क्षेत्र मे अन्य व्यवसायो के लिए हर दिन आते है। महेश कुमार ने कहा, हमारी सोयाबीन आलू बिरयानी, आलू टिक्की, पनीर कढ़ाई और मिश्रित सब्जियां प्रसिद्ध है तथा दोपहर के भोजन के दौरान हमारे यहां बड़ी संख्या मे लोग आते है और साथ ही बहुत सारे टेकअवे और डिलिवरी भी होती है। उन्होने कहा कि उनके पिता ने 1960 मे यह रेस्तरां शुरू किया था और इसमे वही पुरानी लकड़ी की कुर्सियां और मेजे है, लेकिन जो चीज मुस्लिम और गैर-मुस्लिम ग्राहकों को आकर्षित करती है, वह है यहां के व्यंजन तैयार करने मे इस्तेमाल किए जाने वाले घर के बने मसालो के अलावा ताजी सब्जियां और तेल। महेश मानते है कि वह अपने रेस्तरां का प्रचार नही करते, क्योंकि अभी भी कुछ मुस्लिम रूढ़िवादी लोग है जो मुसलमानो के लिए हिंदुओं द्वारा तैयार भोजन खाना वर्जित मानते है। उन्होने कहा, हमारे पास पर्याप्त ग्राहक है जो हमारे भोजन और सेवा से खुश है लेकिन हम इसका प्रचार करना पसंद नही करते है। ऐसा नही है कि केवल यह हिंदू-संचालित शाकाहारी रेस्तरां ही अच्छा काम कर रहा है, बल्कि कराची के अन्य भागों मे भी उद्यमी हिंदू, ईसाई और मुस्लिम महिलाओं ने परिष्कृत भारतीय शाकाहारी व्यंजन जैसे पाव भाजी , वड़ा पाव , मसाला डोसा और ढोक्ला मे विशेषज्ञता वाले खाद्य स्टॉल लगाए है।

हैरिस ने राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर टिप पर करों को समाप्त करने का वादा किया

लास वेगास। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने शनिवार को जनता से वादा किया कि वह रेस्तरां कर्मचारियों और अन्य सेवा कर्मचारियों को दिए जाने वाले टिप पर लागू करों को समाप्त करने की दिशा में काम करेंगी। हैरिस से पहले उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप भी अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान ऐसा ही वादा जनता से कर चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार अपने चुनाव प्रचार में लगभग एक जैसी ही बात कर रहे हैं। हैरिस ने लास वेगास के नेवादा विश्वविद्यालय परिसर में एक रैली में यह घोषणा की। लास वेगास की अर्थव्यवस्था काफी हद तक होटल, रेस्तरां और मनोरंजन उद्योगों पर निर्भर है। ट्रंप ने भी जून में एक रैली में कमोबेश यही बात कही थी, लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस (संसद) के समर्थन के बिना न तो ए कदम ट्रंप उठा सकते हैं और न ही हैरिस। हैरिस ने अपने संबोधन में कहा, सभी से मेरा वादा है कि जब मैं राष्ट्रपति बनूंगी तो हम अमेरिका के कामकाजी परिवारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। इसमें न्यूनतम वेतन बढ़ाना और सेवा तथा आतिथ्य कर्मचारियों को दिए जाने वाले टिप पर करों को खत्म करना शामिल है।

राष्ट्रपति मुर्मू फिजी, न्यूजीलैंड व तिमोर-लेस्ते की यात्रा के बाद स्वदेश लौटीं

भाषा। दिली (तिमोर-लेस्ते)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों-फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को स्वदेश रवाना हो गईं।मुर्मू की यह यात्रा तीनों देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित थी। उन्होंने तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण के तहत तिमोर-लेस्ते की यात्रा की, जहां उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता के साथ विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तिमोर-लेस्ते की सफल यात्रा संपन्न, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिली। एक विशेष सम्मान के तहत राष्ट्रपति रामोस-होर्ता ने मुर्मू को हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से विदाई दी। रामोस-होर्ता ने राष्ट्रपति मूर्मू को देश के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने पलासियो नोब्रे डी लोहाने में राष्ट्रपति मुर्मू के सम्मान में एक राजकीय भोज का भी आयोजन किया।

इजराइल ने चेताया, इलाके खाली करें

गाजा में स्कूल पर हमले के बाद दिया आदेश

भाषा। दीर अल-बलाह

इजराइल की सेना ने शरणार्थी शिविर में तब्दील एक स्कूल पर घातक हमले में कम से कम 80 फलस्तीनियों की मौत के बाद रविवार तड़के दक्षिण गाजा में और इलाके खाली करने का आदेश दिया है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने कहा है कि उसने चरमपंथियों की एक कमान चौकी को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसमें 19 लड़ाकों की मौत हुई है। इजराइल के सैनिक बुरी तरह तबाह हुए उन इलाकों की ओर लौट रहे हैं जहां उन्होंने पहले फलस्तीनी चरमपंथियों से लड़ाई लड़ी थी। ऐसे में वह कई बार और इलाकों को खाली करने का निर्देश दे चुका है। गाजा की 23 लाख की आबादी में अधिकतर लोग 10 महीने से जारी युद्ध के दौरान कई बार विस्थापित हो चुके हैं। इजराइल की ओर से जारी ताजा आदेश में खान यूनुस शहर के कई इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है। इनमें इजराइल की ओर से मानवाधिकार सहायता क्षेत्र घोषित किया गया वह इलाका भी शामिल है, जहां से इजराइली सेना के अनुसार रॉकेट दागे गए थे। इजराइल हमास और अन्य आतंकवादियों पर नागरिकों के बीच छिपने और आवासीय क्षेत्रों से हमले करने का आरोप लगाता है। शनिवार को गाजा शहर में एक स्कूल के अंदर मस्जिद पर हमला किया गया था, जहां हजारों लोग शरण लिए हुए थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार हमले में 80 लोगों की मौत हुई है और करीब 50 लोग घायल हुए हैं। हालांकि इजराइली सेना का कहना है कि हमले में हमास और इस्लामिक जिहाद के 19 चरमपंथी मारे गए हैं।

युगांडा की राजधानी में कूड़े का ढेर ढहने की घटना में 18 लोगों की मौत

भाषा। कंपाला

युगांडा की राजधानी में कूड़े का ढेर ढहने की घटना में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। रेड क्रॉस ने यह जानकारी दी। कंपाला कैपिटल सिटी अथॉरिटी ने एक बयान में बताया कि शुक्रवार देर रात किटेजी में कूड़े का ढेर ढहने से कम से कम 14 अन्य लोग घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि किटेजी लैंडफिल, कांपला के अधिकांश हिस्से से निकलने वाले अपशिष्ट का निपटान स्थल है। ऐसा माना जा रहा है कि भारी बारिश के कारण कूड़े का ढेर ढह गया। घटना कैसे हुई इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल पाई लेकिन शहर के अधिकारियों ने बताया कि बेतरतीब तरीके से कचरे को फेंका गया था, जिसकी वजह से ए ढेर ढह गया। युगांडा रेड क्रॉस की प्रवक्ता इरेन नाकासीता ने बताया कि रविवार को घटनास्थल से और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या 18 हो गई। उन्होंने बताया, अभियान अभी पूरा नहीं हुआ है। बारिश के कारण बचाव दलों के कचरे के ढेर को खोदने के प्रयासों में बाधा आ रही है। किटेजी लैंडफिल शहर के पिछले इलाके में स्थित एक खड़ी ढलान पर स्थित है, जहां प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने वाली महिलाएं और बच्चे अक्सर काम के लिए जमा होते हैं। लैंडफिल वाली जगह के करीब कुछ घर भी बने हुए हैं।

मंदिरों और घरों पर हमलों के बीच बांग्लादेशी हिंदुओं ने विरोध प्रदर्शन किया

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका और उत्तर-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में शनिवार को लगातार दूसरे दिन अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के हजारों सदस्यों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने देश भर में मंदिरों, उनके घरों और व्यवसायों पर हमलों के बीच सुरक्षा की मांग की।वे अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाने में तेजी लाने के लिए विशेष न्यायाधिकरणों की स्थापना, अल्पसंख्यकों के लिए 10 प्रतिशत संसदीय सीट, अल्पसंख्यक संरक्षण कानून लागू करने आदि की मांग कर रहे थे। हिंदू प्रदर्शनकारियों की रैली से मध्य ढाका के शाहबाग में तीन घंटे से अधिक समय तक यातायात अवरुद्ध रहा। छात्रों सहित हजारों मुस्लिम प्रदर्शनकारियों ने भी यहां उनके साथ मिलकर अल्पसंख्यकों के हित के लिए एकजुटता व्यक्त की। बांग्लादेशी हिंदुओं को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और सोमवार को भारत भाग जाने के बाद हिंसा और लूटपाट का खामियाजा भुगतना पड़ा है। कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है तथा बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेता हिंसा में मारे गए हैं।

रेफात नए प्रधान न्यायाधीश बने

ढाका। सैयद रेफात अहमद ने रविवार को बांग्लादेश के नए प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। इससे एक दिन पहले ओबैदुल हसन ने प्रधान न्यायाधीश के पद से इस्तीफा दे दिया था। न्यायमूर्ति हसन के अलावा शीर्ष अदालत की अपीलीय डिवीजन के पांच न्यायाधीशों ने भी पद से इस्तीफा दे दिया था। प्रधान न्यायाधीश (65) ने शनिवार को अपना निर्णय दोपहर करीब एक बजे उस समय घोषित किया, जब भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनकारी अदालत परिसर मे एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने का समय दिया था। डेली स्टार समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, अहमद ने स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के दरबार हॉल में एक समारोह के दौरान देश के नए प्रधान न्यायाधीश के रूप मे शपथ ली।

बिधान रंजन रॉय पोद्दार, सुप्रोदीप चक्मा ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के सलाहकार के रूप में शपथ ली

ढाका। बांग्लादेश में बिधान रंजन रॉय पोद्दार और सुप्रोदीप चक्मा ने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद के सदस्य के रूप मे रविवार को शपथ ली। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन बंगभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह मे डॉ. पोद्दार और चक्मा को पद की शपथ दिलाई। इस दौरान अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. यूनुस मौजूद थे। बृहस्पतिवार को 16 सदस्ईय सलाहकार परिषद के अधिकांश सदस्यो ने शपथ ली थी। परिषद अंतरिम सरकार के कामकाज में यूनुस की सहायता करेगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक पूर्व राजदूत और चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष चक्मा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के पूर्व निदेशक डॉ. पोद्दार बृहस्पतिवार को शपथ नही ले सके थे, क्योंकि वे ढाका से बाहर थे। एक अन्य सलाहकार, मुक्ति संग्राम सेनानी फारूक-ए-आजम, शपथ नही ले पाए क्योंकि वह राजधानी से बाहर हैं।

पेरिस ओलंपिक में अमेरिका का दबदबा

● चीन दूसरे पर व जापान तीसरे पर रहा

●भारत 71 वें स्थान पर रहा

भाषा। पेरिस,

पेरिस ओलंपिक में स्पर्धा के अंतिम दिन रविवार को पदक तालिका (शीर्ष दस देश और भारत) इस प्रकार रही। भारत तालिका में एक रजत और पांच कांस्य पदक जीतकर 71वें स्थान पर रहा। अमेरिका पदक (126) तालिका में शीर्ष पर रहा जिसके बाद चीन-91 और जापान-45 पदकों के साथ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

उज्बेकिस्तान का दबदबा

कोच की जान बचाए जाने के बाद मुक्केबाजी रिंग में उज्बेकिस्तान का दबदबा

उज्बेकिस्तान के प्रिय मुख्य मुक्केबाजी कोच तुलकिन किलिचेव को पेरिस ओलंपिक में अपनी टीम के पहले स्वर्ण पदक का जश्न मनाने के बाद ब्रिटेन के ट्रेनिंग स्टाफ के दो सदस्यों ने दिल का दौरा पड़ने से बचाया। देश के मुक्केबाजों ने इसकी पुष्टि की। उज्बेकिस्तान की टीम ने पेरिस खेलों में पांच स्वर्ण पदक जीते जो 20 वर्षों में किसी भी ओलंपिक टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस तरह किलिचेव के मुक्केबाजों ने अपने कोच को जश्न मनाने का मौका दिया जो पेरिस के एक अस्पताल में भर्ती हैं। बखोदिर जलोलोव ने अपना दूसरा सुपर हैवीवेट स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, (किलिचेव) वास्तव में एक कोच या पिता से कहीं अधिक हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने हमें पाला है। उन्होंने हमें शिक्षित किया है। उन्होंने हम तक खेल भावना पहुंचाई है। वह हमेशा मेरे दिल में रहे हैं और कल हम उनसे अस्पताल में मिलने जाएंगे। लाईवेट वर्ग में हसनबाय दुसमातोव के गुरुवार को उज्बेकिस्तान का पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद किलिचेव बीमार पड़ गए। ग्रेट ब्रिटेन मुक्केबाजी के अनुसार टीम के डॉक्टर हरज सिंह और फिजियोथेरेपिस्ट रॉबी लिलीस ने किलिचेव को जानलेवा संकट में पाया। उन्होंने कोच को सीपीआर दिया और लिलीस ने डिफाइब्रिलेटर (हृदय गति सामान्य करने के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीन) का भी इस्तेमाल किया।

विशिष्ट योगदान के लिए बिंद्रा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित

पेरिस। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता बने बिंद्रा को शनिवार को यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 142वें सत्र के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया। बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया। दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है। यह मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष 41 वर्षीय बिंद्रा ने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोलन में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। वर्ष 1975 में स्थापित ओलंपिक ऑर्डर ओलंपिक आंदोलन का सर्वोच्च पुरस्कार है। यह ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

सेबस्टियन को आईओसी अध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल होने पर करेंगे विचार

पेरिस। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने रविवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिकसमिति (आईओसी) के अध्यक्ष के रूप में थॉमस बाक की जगह लेने के लिए होने वाली दावेदारी पर गंभीरता से विचार करेंगे। ओलंपिक के इस पूर्व स्वर्ण पदक विजेता से जब रविवार को पूछा गया कि क्या वह आईओसी अध्यक्ष के रूप में थॉमस बाक की जगह लेने के लिए अपना नाम आगे बढ़ाएंगे तो उन्होंने कहा, बेशक, मैं इस पर विचार करूंगा। लंदन ओलंपिक 2012 के आयोजन की देखरेख करने वाले सेबेस्टियन को लंबे समय से बाक के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। बाक ने शनिवार को 2025 में पद छोड़ने की घोषणा कर सबको चौंका दिया था। सेबेस्टियन हालांकि 67 साल के हैं और आईओसी अध्यक्ष के लिए संभावित चुनाव में यह उनके खिलाफ जा सकता है। सेबेस्टियन ने ओलंपिक में ट्रैक स्पर्धाओं के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि अगर मौका मिला तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा। उन्होंने कहा, अब मौका आ गया है और मुझे इसके बारे में गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
अमेरिका	40	44	42	126
चीन	40	27	24	91
जापान	20	12	13	45
ऑस्ट्रेलिया	18	19	16	53
फ्रांस	16	26	22	64
नीदरलैंड	15	07	12	34
ब्रिटेन	14	22	29	65
कोरिया	13	09	10	32
इटली	12	13	15	40
जर्मनी	12	13	08	33
भारत	00	01	05	06

आइफिल टॉवर पर चढ़ा एक व्यक्ति, खाली कराया गया

पेरिस। एक व्यक्ति को रविवार को यहां ओलंपिक समापन समारोह से कुछ घंटे पहले पेरिस के ऐतिहासिक आइफिल टॉवर पर चढ़ते देखा गया जिसके बाद अधिकारियों ने आइफिल टॉवर को खाली करा दिया। एक व्यक्ति को बिना शर्ट पहने दोपहर में 330 मीटर (1,083 फीट) ऊंचे टॉवर पर चढ़ते देखा गया। यह स्पष्ट नहीं है कि उसने अपनी चढ़ाई कहां से शुरू की, लेकिन उसे टॉवर के दूसरे हिस्से में लगे ओलंपिक रिंग्स के ठीक ऊपर देखा गया। समापन समारोह रात नौ बजे से आइफिल टॉवर से काफी दूर सेंट डेनिस में स्टेड डी फ्रांस में शुरू होना है।

अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ भारत में प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना: चोपड़ा

नई दिल्ली। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को उम्मीद है कि पेरिस ओलंपिक मे रजत पदक जीतने के बाद वह जल्द ही भारत में अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे।नीरज ने ओलंपिक.कॉम द्वारा प्रशंसकों के साथ आयोजित एक बातचीत सत्र के दौरान कहा, भारत में अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना है। उम्मीद है कि भारत में जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी और मैं ऐसा कर पाऊंगा।

ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी का असर : पोंटिंग

दुबई। विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिग का मानना है कि चार साल बाद आयोजित होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी इस खेल के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात होगी। क्रिकेट की 128 वर्षों के ओलंपिक मे वापसी हो रही है। इससे पहले क्रिकेट को एकमात्र बार 1900 ओलंपिक में दो टीमों ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच खेला गया था। इसका स्वर्ण पदक ब्रिटेन की टीम ने जीता था। पोंटिग ने आईसीसी रिव्यू से कहा, यह हमारे खेल के लिए केवल एक सकारात्मक बात हो सकती है। मैं पिछले 15 या 20 वर्षों में विभिन्न समितियों का हिस्सा रहा हूं।

कांगो के धावक मुलांबा को पेरिस ओलंपिक में डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाया गया

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह के लिए कांगो के ध्वजवाहकों में से एक फर्राटा धावक डोमिनिक लास्कोनी मुलांबा को एनाबॉलिक स्टेरॉयड के इस्तेमाल का दोषी पाया गया है। अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईटीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। आईटीए ने कहा कि 100 मीटर फर्राटा दौड़ में प्रतिस्पर्धा करने वाले मुलांबा ने जो नमूना दिया था उसकी जांच में प्रतिबंधित पदार्थ स्टैनोजोलोल मेटाबोलाइट की पुष्टि हुई है

रूब्लेव शीर्ष वरीय सिनर को हराकर सेमीफाइनल में

मांट्रियल। पांचवें वरीय आंद्रे रूब्लेव ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय गत चैंपियन यानिक सिनर को कड़े मुकाबले में 6-3, l-6, 6-2 से हराकर वर्षा से प्रभावित नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।रूब्लेव ने इससे पहले शनिवार को ही ब्रेंडन नाकाशिमा को 6-2, 6-2 से हराया था जबकि सिनर ने एलेजांद्रो तेबिलो को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी थी।

खेलीफ ने उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

पेरिस। ओलंपिक मुक्केबाजी चैंपियन इमाने खेलीफ ने पेरिस ओलंपिक के दौरान अपनी लिंग जांच के झूठे दावों के साथ ऑनलाइन उत्पीड़न के खिलाफ फ्रांस में कानूनी शिकायत दर्ज की है। उनके वकील ने रविवार को यह जानकारी दी। खेलीफ शुक्रवार को महिला वेल्टरवेट वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर अपने देश अल्जीरिया के लिए बड़ी हस्ती बन गई।

फुटबॉल टीम का मुख्य कोच कोई भारतीय हो: मार्केज

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनना मनोलो मार्केज के लिए सपना सच होने जैसा है लेकिन रविवार को इस स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा कि भविष्य में अगर कोई भारतीय ही राष्ट्रीय टीम को कोचिंग दे तो बेहतर होगा। पिछले महीने अखिल एआईएफएफ ने इगोर स्टिमक की जगह 55 वर्षीय मार्केज को तीन साल के लिए राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था।

भारतीय अभियान में मनु रहीं स्टार

● विनेश को अयोग्य ठहराना निराशाजनक

भाषा। पेरिस

भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में प्रदर्शन अच्छा और बुरा दोनों रहा जिसमें एक तरफ जहां युवा निशानेबाज मनु भाकर ने दो पदक जीते तो वहीं भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा का रजत पदक उम्मीदों से कमतर रहा जबकि विनेश फोगाट का फाइनल से पहले अयोग्य ठहराया जाना निराशाजनक रहा जिसमें छह खिलाडियों के चौथे स्थान नासूर रहे। ओलंपिक के शुरू में पदक तालिका में दोहरे पदकों तक पहुंचना बहुत महत्वाकांक्षी लग रहा था लेकिन कई खिलाड़ियों के करीब से चूकने का काफी असर पड़ा। इसमें क्या होता के कई सवाल उठे। क्या होता अगर बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में अचानक हारते नहीं, क्या होता अगर तीरंदाज दीपिका कुमारी क्वार्टर फाइनल में कोरिया के खिलाफ एक शॉट में चूक नहीं जाती और क्या होता अगर मीराबाई चानू ने सिर्फ एक किलोग्राम वजन और उठा लिया होता? किसी को उम्मीद नहीं थी कि रंकीरेड्डी और शेट्टी पदक के बिना विदा होंगे। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि स्वप्निल कुसाले स्कीट पदक के लिए इंतजार खत्म कर देंगे। देश के 117 सदस्यीय दल में महज छह पदक आना आदर्श नहीं हैं लेकिन भारत के लिए इस दौरान खुशी, उम्मीद, निराशा और दुख के पल भी आए। भारत तोक्यो ओलंपिक में जीते गए सात पदकों की बराबरी नहीं कर सका। अगर चौथे स्थान पर रहने वाले छह खिलाड़ी पदक जीतने में सफल रहते तो तालिका में दोहरे पदकों की संख्या संभव थी।

निशानेबाजों ने आखिरकार पदक जीते

युवा मनु भाकर की अगुआई मे निशानेबाजों का प्रदर्शन भारत के लिए राहत भरा रहा क्योंकि छह में से तीन पदक निशानेबाजी से आए। यह कहना अतिश्योक्ति नही होगी कि 22 वर्षीय भाकर ने अपने अभूतपूर्व प्रदर्शन से भारत का मान बचाया। उन्होने मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर एक और कांस्य पदक जीता। जब एक पदक भी स्टारडम की गारंटी देता है तो भाकर के दोहरे पदक ने उन्हें एक अलग ही श्रेणी में ला खड़ा किया है। बहुत कम लोगों ने कुसाले को स्कीट निशानेबाजी मे भारत के लिए पहला पदक जीतने की उम्मीद की होगी। पर कल्पना कीजिए कि अगर निशानेबाजों ने फिर से धोखा दिया होता तो भारत पदक तालिका में कहां होता।

विनेश के दिल को झकझोर देने वाला ओलंपिक

भाग्य ने श्रीजेश को शानदार विदाई दी, लेकिन पहलवान विनेश फोगाट अपनी आत्मा पर कभी नहीं भरने वाला घाव लेकर मंच से चली गईं। एक मुश्किल मुकाबले के बाद एक मामूली हार और एक चुनौतीपूर्ण हार दोनों ही हो सकती है, लेकिन उनके मामले में वह जीतने के बावजूद हार गईं। यह उनकी काबिलियत या कौशल का सवाल नहीं था बल्कि तकनीकी पक्ष था जिसने उनसे पदक छीन लिया। अगर कोई एक भारतीय महिला पहलवान ओलंपिक पदक की हकदार थी तो वह विनेश ही थीं जिन्होंने साल भर लगातार खिताब

और पदक जीतकर अपनी बादशाहत साबित कर दी थी। उनकी वापसी में न तो कम तैयारी और न ही युई सुसाकी बाधा बन सकीं लेकिन उनका अपना 100 ग्राम का वजन इन सब पर पानी फेर गया। विनेश ने इस घटना के बाद खेल से संन्यास की घोषणा कर दी और अब वह अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपनी अपील पर फैसले का इंतजार कर रही हैं।

नीरज का रजत

नीरज ने 89.45 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ क्वालीफिकेशन मे शीर्ष स्थान प्राप्त करके भारत को एक और स्वर्ण की उम्मीद दी। नीरज जांघ की समस्या के बावजूद तैयार थे। पर पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर सचमुच प्रतियोगिता खत्म कर दी। नीरज 89.34 मीटर से बेहतर थ्रो नही कर पाए। उनसे ऐसी उम्मीदें थी कि रजत भी हार जैसा लग रहा था।

हॉकी में खुश

पुरुष हॉकी टीम के ओलंपिक मे लगातार दूसरा पदक जीतने की क्षमता पर सवाल बने हुए थे। टीम तोक्यो में जीते गए पदक के रंग को बेहतर नही कर सकी, लेकिन जिस तरह से उसने ऑस्ट्रेलिया को हराया, बेल्जियम के खिलाफ मुकाबला खेला और जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ दबाव झेला, उससे पता चलता है कि हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली यह टीम मानसिक रूप से कितनी मजबूत हो गई है। भारतीय टीम अंडरडॉग की तरह शामिल हुई लेकिन चैंपियन की तरह खेली। गोलकीपर पीआर श्रीजेश के लिए संन्यास लेने के लिए यह बिलकुल सही समय था, जिन्होंने तोक्यो कांस्य से पहले अपनी पहचान हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे खेल के पुनरुद्धार मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्रीजेश भारत के लिए अपना करियर खत्म करने वाले अकेले खिलाड़ी नही थे। पेरिस ओलंपिक निश्चित रूप से टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के लिए आखिरी ओलंपिक थे। ऐसी संभावना है कि स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू 2028 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा नही करें।

अमन ने कुश्ती अभियान को बचाया

मुक्केबाजों में निराशा

कोई भी मुक्केबाज पदक दौर में नहीं पहुंच सका लेकिन निशांत देव की हार सबसे ज्यादा खलेगी। एक अन्य दावेदार निकहत जरीन भी रो पड़ीं। हालांकि पहलवान अमन सेहरावत ने सुनिश्चित किया कि कुश्ती से पदक मिले। टीम में शामिल एकमात्र भारतीय पुरुष पहलवान उम्मीदों पर खरा उतरा। 57 किग्रा वर्ग में रवि दहिया की जगह लेने के पीछे

भी कुछ कारण था और उन्होंने इसे साबित भी किया। कुश्ती ने लगातार पांचवें ओलंपिक में पदक जीता। सबसे निराशाजनक प्रदर्शन अंतिम पंघाल और अंशु मलिक का रहा। उनकी फिटनेस हमेशा संदेह के घेरे में रही।

भविष्य की उम्मीद : टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने पहली बार व्यक्तिगत स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया। लक्ष्य सेन भले ही बैडमिंटन मे कांस्य पदक से चूक गए हो और पहलवान रीतिका हुड्डा पदक दौर में नही पहुंच पाईं लेकिन उन्होंने दिखाया कि उनमे बड़े मंच पर बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है।

मेरे से भी अधिक प्रतिभाएं मौजूद: श्रीजेश

●नही पता कि मै हॉकी के अलावा क्या करूंगा

भाषा। पेरिस

लगभग दो दशक तक भारतीय गोल पोस्ट के सामने दीवार की तरह खड़े रहने के बाद दूसरे ओलंपिक कांस्य पदक के साथ हाल ही में संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश का मानना है कि भारतीय हॉकी में उनका उपयुक्त विकल्प खोजने के लिए काफी प्रतिभा मौजूद है।पेरिस ओलंपिक में 36 वर्षीय श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक के मैच में भारत की स्पेन के खिलाफ 2-। की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।यहां इंडिया हाउस में पीटीआई को दिए साक्षात्कार में दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने कहा, कोई खालीपन नहीं होगा। मेरी जगह कोई और आएगा। सभी खेलों में ऐसा ही होता है। सचिन तेंदुलकर थे और अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा। इसलिए श्रीजेश कल थे लेकिन कल कोई और आएगा और उनकी जगह लेगा।

श्रीजेश को भारतीय जूनियर टीम में मार्गदर्शक (मेंटर) की भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने कहा

कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के इर्द-गिर्द घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे। उन्होंने कहा, यह जीवन की कमी खलना जैसे है। मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता। 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं। श्रीजेश ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले। सुबह से ही मैं उनके साथ बाहर रहता हूं - ट्रेनिंग, जिम, मैदान पर - हमेशा एक मजेदार माहौल होता है। उत्साहवर्धक बातचीत, टीम बैठक, आपको उन पर चिल्लाना पड़ता है, यहां तक कि उन्हें बुरा-भला भी कहना पड़ता है। उन्होंने कहा, जीत के बाद जश्न मनाना या हार के बाद साथ में रोना, यह मेरी जिंदगी रही है। शायद हम नहीं जानते कि इससे बाहर रहना कैसा होता है। भारत ने यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अंतिम आठ के मुकाबले में किया जब टीम ने दूसरे क्वार्टर में 10 खिलाड़ियों तक सिमट जाने के बावजूद ब्रिटेन को पेनल्टी में 4-2 से हराया।

रेड कार्ड मिलने के बाद रात को सो नहीं पाया था: रोहिदास

पेरिस। भारतीय हॉकी खिलाड़ी अमित रोहित को पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल मैच से निलंबित होने के कारण रात को सो नहीं सके थे लेकिन वह टीम के साथी खिलाड़ियों के आभारी है कि ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में रेड कार्ड मिलने पर किसी ने उन पर सवाल नही उठाया। रोहिदास को इस अंतिम आठ मैच से बाहर होने के कारण भारतीय टीम को आखिरी 42 मिनट तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। रोहिदास ने यहां इंडिया हाउस में शनिवार को टीम के सम्मान समारोह के दौरान पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, एक मैच के निलंबन के कारण मुझे सेमीफाइनल मैच से बाहर होने का मलाल है। यह काफी अहम मैच था। उन्होने कहा, पूरा देश और मेरे साथी खिलाड़ी मेरे साथ थे। टीम ने कभी भावनात्मक रूप से बाहर होने नही दिया। मेरा ध्यान बस अगले मैच पर था।

मेधांश ने चालों से जीता दिल

शिवानी कप चेस: दूसरा स्थान हासिल किया

टाईब्रेक स्कोर में बेहतर प्रदर्शन से आरिफ चैंपियन

लखनऊ। आरिफअली ने 40वां शिवानी कप संडे स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट में कड़ी टक्कर के बाद बेहतर टाईब्रेक स्कोर के आधार पर विजेता ट्रॉफी जीत ली। दूसरी ओर महिलाओं में वर्तिका आरवर्मा व वेटरन में अनिल बाजपेयी ने बाजी मारी। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन व शिवानी पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 40 हजार रुपए की ईनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में 160 खिलाड़ियों ने आपस में जोर आजमाईश की। सातवें व अंतिम राउंड के बाद आरिफ अली व मेधांश सक्सेना के समान 6-6 अंक रहे। हालांकि टाईब्रेक स्कोर के चलते आरिफअली पहले स्थान पर रहे जबकि मेधांश को दूसरा स्थान मिला। इसी के साथ आशु वर्मा,मयंक पाण्डेय व संयम श्रीवास्तव को भी 6-6 अंक मिले जो क्रमश: तीसरे से पांचवें स्थान तक रहे। वेटरन60 वर्ष से अधिकद्ध आयु वर्ग में अनिल बाजपेयी सर्वाधिक साढ़े पांच अंक के साथ शीर्ष पर रहे। कमलेश कुमार केसरवानी व केके कुल्हरी ;दोनों 5.5 अंक टाईब्रेक स्कोर के चलते दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी वर्तिका आरणवर्मा सर्वाधिक 5 अंक के साथ बनीं। इस वर्ग में आद्या शुक्ला 4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। आयु वर्ग के मुकाबलों में अंडर-16 आयु वर्ग में आभास कुमार श्रीवास्तव, शशांक श्रीवास्तव व उज्जवल राज श्रीवास्तव के समान 5.5 अंक रहे लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते क्रमश पहलेए दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। अंडर 13 वर्ग में लक्ष्य निगम 5 अंक के साथ पहलेए माहिर अग्रवाल साढ़े चार अंक के साथ दूसरे व मेधांश राज 4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अंडर11 वर्ग में अंशुमान सिंह 4 अंक के साथ पहले स्थान पर रहे। यशप्रकाश मिश्रा व अथर्व दोनों के समान साढ़े तीन.साढ़े तीन अंक रहे लेकिन टाईब्रेक स्कोर के चलते क्रमश रू दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि शिवानी ग्रुप आफस्कूल्स एंड कॉलेजेस के संस्थापक निदेशक मार्कण्डेय दुबे ने पुरस्कार वितरित किए। चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर ने आभार जताया।

क्विक न्यूज

और लंबा हुआ इंतजार: खेल पंचाट ने विनेश की अपील पर फैसला 13 अगस्त तक टाला

पेरिस। खेल पंचाट (कैस) का तदर्थ प्रभाग ओलंपिक महिला 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल मुकाबले से पहले अयोग्य करार दी गईं भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर विचार करने पर अभी कुछ और समय लेगा और इस मामले पर फैसला अब 13 अगस्त को सुनाया जाएगा। मामले की सुनवाई शुक्रवार को समाप्त हुई जिसमें कैस ने विनेश की अपील स्वीकार कर ली थी। विनेश ने फाइनल मुकाबले की सुबह 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की थी। इस अपील पर फैसला पहले रविवार शाम सुनाया जाना था। भारतीय ओलंपिक संघ ने पहले कहा था कि फैसला रविवार को आएगा, लेकिन फिर उसने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि परिणाम 13 अगस्त को ही पता चलेगा। आईओए के बयान में कहा गया, सीएएस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश फोगाट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट को 13 अगस्त 2024 को शाम छह बजे तक फैसला देने का समय दिया है।

विनेश कम से कम रजत पदक की हकदार: गांगुली

कोलकाता। भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने रविवार को पहलवान विनेश फोगाट को अपना समर्थन देते हुए कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में जगह बनाने के बाद कम से कम रजत पदक की हकदार हैं। गांगुली ने यहां कोलकाता फूड फेस्टिवल के इतर इस बारे में पूछे जाने पर कहा, मैं सटीक नियम नही जानता, लेकिन मै समझता हूं कि जब वह फाइनल में पहुंची तो उसने ठीक से क्वालीफाई किया होगा। जब आपने फाइनल में जगह बना ली तब आप स्वर्ण या रजत पदक ही जीतते है। उसे गलत तरीके से अयोग्य घोषित किया गया था या नही, मुझे नही पता, लेकिन वह कम से कम रजत पदक की हकदार है।

विनेश को न्याय मिलना चाहिए : खाप पंचायत

चंडीगढ़। हरियाणा में कई खाप पंचायतों ने रविवार को महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन करते हुए उनके लिए न्याय और उन्हें भारत रत्न दिए जाने की मांग भी की। खाप पंचायतों (जाति के आधार पर) ने हरियाणा के चरखी दादरी मे सर्व खाप महापंचायत की। सभी ने विनेश से कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले की समीक्षा करने की भी अपील की। महापंचायत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सांगवान खाप के प्रमुख सोमबीर सांगवान ने कहा कि पूरे मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के मौजूदा जज से करवाई जानी चाहिए और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। मामले मे किसी साजिश के सवाल पर सांगवान ने जानना चाहा कि उनका वजन अचानक कैसे बढ़ गया। उन्होंने कहा कि उनके साथ कई लोग थे और यह उनकी जिम्मेदारी थी कि उनका वजन नही बढ़े।

भारतीय महिला यूथ हैंडबॉल टीम चीन के लिए रवाना

नई दिल्ली। 2024। चीन में होने वाली आईएचएफ अंडर-18 यूथ महिला वर्ल्ड हैंडबॉल चैंपियनशिप-2024 में भारतीय महिला यूथ हैंडबॉल टीम भी प्रतिभाग करेगी। इस चैंपियनशिप के लिए चयनित भारतीय टीम रविवार को नई दिल्ली से चीन के लिए रवाना हो गई। चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की कप्तान हिमाचल प्रदेश की खुशी व उपकप्तान साई की सुजाता को बनाया गया है। इस चैंपियनशिप के लिए रवानगी से पूर्व भारतीय टीम को हरीश नड्डा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के पुत्र, एवं हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव ड तेजराज सिंह ने बताया कि आईएचएफ अंडर18 यूथ महिला वर्ल्ड हैंडबॉल चैंपियनशिप-2024 चुझोउ चीन में आगामी 14 से 25 अगस्त 2024 तक आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप की तैयारी के लिए भारतीय महिला यूथ हैंडबॉल टीम का प्रशिक्षण शिविर गत 31 जुलाई से 9 अगस्त 2024 तक गांधीनगर गुजरातद्ध स्थित भारतीय खेल प्राधिकरणए एनसीओई में लगाया गया था। इस चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के कोच एमकार्तिकेयन,सचिन चौधरी व मनीषा बनाए गए हैं। भारतीय टीम-गोलकीपर-आरुषी, कनिका, लवीषा, रेणुका, मुस्कान देवी , मनीषा जाट ,सुजाता,खुशी,काजल, मुस्कान, अनिका,ईशू , वैष्णवी , टीना, तन्नु ,तमन्ना,पूजा।

ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को सात विकेट से हराया

ब्रिसबेन।,ताहिला मैकग्रा की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत ए को सात विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दो मैच क्रमश: पांच रन और आठ विकेट से जीते थे। भारत के 121 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ताहिला की 22 गेंद में आठ चौकों और दो छक्कों से नाबाद 51 रन की पारी के बदौलत सिर्फ 13.5 ओवर में तीन विकेट पर 121 रन बनाकर जीत दर्ज की।ताहिला ने तेज गेंदबाज शबनम शकील की गेंदों पर लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

द.अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 154 रन की बढ़त बनाई

पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को यहां पहले टेस्ट मैच के वर्षा से प्रभावित चौथे दिन 154 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली लेकिन ड्रॉ से बचने के लिए उसे अनुकूल मौसम की जरूरत होगी। शनिवार को शुरुआती छह घंटे का खेल बारिश के कारण धुलने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने मेजबान टीम को 233 रन पर आउट करके पहली पारी में 124 रन की बढ़त हासिल की और फिर दिन का खेल खत्म होने तक बिना विकेट खोए 30 रन बनाकर 154 रन की कुल बढ़त हासिल की।वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 145 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन आखिरी छह विकेट सिर्फ 60 रन जोड़कर 233 रन तक गंवा दिए जिससे दक्षिण अफ्रीका की जीत की उम्मीद बंधी।

प्रज्ञानानंदा को ब्लिट्ज टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

सेंट लुई (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा यहां शुरू हो रहे सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भिड़ेंगे। आल के टूर्नामेंट मे प्रदर्शन मे थोड़ी गिरावट के बावजूद प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर की अंतिम तालिका मे पोडियम पर जगह बनाना चाहेंगे। अब तक के समग्र टूर परिणामो मे तीसरे स्थान पर चल रहे प्रज्ञानानंदा के पास अपनी स्थिति सुधारने के लिए लगातार दो टूर्नामेंट है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।